www.navpradesh.com
दैनिक नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, बुधवार, 08 अप्रैल 2026 कृष्ण पक्ष-षष्ठी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 59 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

जिनके खौफ से थर्राती रही दुनिया, 'सर' के सामने नन्हें बच्चों की तरह हाथ जोड़कर खड़े हो गए

हनीफ निजामी/प्रसाद नायडू

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। लाइवलीहुड कॉलेज के इलेक्ट्रिकल लैब के हॉल में जैसे ही प्रिंसिपल सर के साथ नवप्रदेश संवाददाता ने प्रवेश किया, वहां मौजूद डेढ़ दर्जन से ज्यादा युवा दोनों हाथ जोड़कर खड़े हो गए। ये युवा, दरअसल वो लोग हैं, जिनका नाम लेते ही पूरा देश थर्रा उठता था। ये वो लोग हैं, जिनकी उपस्थिति का पता चलते ही कुछ महीने पहले तक पुलिस और केंद्रीय बलों के जवानों के हाथ राइफल के ट्रिगर पर चले जाते थे। ये वही युवा हैं जिनके आत्मसमर्पण के लिये राजधानी रायपुर से लेकर देश की केंद्रीय हुकूमत ने पूरी ताकत झोंक दी।

वही युवा ... आज सर के सामने प्राइमरी स्कूल के अनुशासित बच्चों की तरह खड़े थे। गुरु के प्रति आदर भाव के साथ ... गंभीरता के साथ ... शालीनता के साथ ...। इन युवाओं ने अब नक्सलवाद छोड़कर मुख्यधारा में जुड़ने का फैसला किया है। पुलिस और केंद्रीय बलों के सामने आत्मसमर्पण के बाद इन युवाओं को अलग-अलग जिलों में स्वरोजगार के लिये ट्रेनिंग और मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

लाइवलीहुड कॉलेज दंतेवाड़ा के हॉल में इन युवाओं को पुनर्वास नीति के तहत विभिन्न ट्रेड में ट्रेनिंग लेने वाले इन युवाओं के चेहरे पर सामान्य जीवन जीने की ललक के साथ सुकून, शांति और अमन के भाव हैं। ये युवा लाइवलीहुड ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नवप्रदेश विशेष

हफ्ते में 3 दिन भोजन में चिकन, फिश और अंडा शामिल

कलेक्टर देवेश ध्रुव और एसपी गौरव राय अक्सर यहां आकर प्रशिक्षणार्थियों को मिल रही व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हैं। उनके द्वारा लगातार मॉनिटरिंग के साथ जरूरी दिशा निर्देश दिये जाते हैं। प्रशिक्षणार्थी युवाओं से रूबरू होकर बातचीत करते हैं। उनकी समस्याओं को जानने-समझने के बाद समाधान के निर्देश भी दिये जाते हैं। साय सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित युवाओं को हर स्तर पर बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जाए। यही वजह है कि कलेक्टर ने सप्ताह में तीन दिन इन युवाओं के भोजन में चिकन, फिश और अंडे शामिल करने कहा है। इसी के अनुसार हरी सब्जियों के साथ ही चिकन-मछली-अंडा भी दिया जा रहा है।

आज बेबाक

पता नहीं अमेरिका के लोगों की अक्ल पर कैसे पत्थर पड़ गए थे जो उन्होंने सर्किट डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता कर अपना पांव कुल्हाड़ी पर मार लिया था। इस पगलेट ने ईरान से पंगा मोल लेकर सारी दुनिया के लिए मुसीबत का सामान तो कर ही दिया है अमेरिका के लोगों का भी जीना हराम कर दिया है। सड़क छाप टपोरी की जुबान बोलने वाले सनकी ट्रंप ने ईरान को फिर गीदड़ भभकी दी है। नायक बनने के चक्कर में दुनिया का सबसे बड़ा खलनायक बन चुका ये चिरकुट खुद तो डूबेगा अपने साथ सबको डूबोकर ही दम लेगा।

डीएसपी की बेटी को गैंगरेप की धमकी

रायपुर/नवप्रदेश। कंटेंट क्रिएटर निवेदिता को सोशल मीडिया पर गैंगरेप और अपहरण की धमकी दी गई। इंस्टाग्राम के एक कथित नशा मुक्ति ग्रुप में लड़के निवेदिता की फोटो शेयर कर उससे गैंगरेप की बात कर रहे थे।

ईरान का ट्रंप को जवाब, कहा- ऐसा जवाब देंगे, जिसे भूल नहीं पाओगे

ट्रंप की धमकी: ईरान में आज रात पूरी सभ्यता खत्म होगी

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज रात ईरान की पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी दी है। उन्होंने कहा- आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा। उन्होंने कहा- मैं नहीं चाहता कि ऐसा हो, लेकिन शायद ऐसा ही होगा। हालांकि, अब वहां सत्ता पूरी तरह बदल चुकी है जहां अलग, ज्यादा समझदार और कम कट्टर सोच वाले लोग मौजूद हैं।

कौन जानता है कि शायद कुछ बहुत शानदार और क्रांतिकारी हो सकता हो? ट्रम्प ने दावा किया कि आज रात हम दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे अहम पल के गवाह बनेंगे। 47 सालों की ज्यादती, भ्रष्टाचार और मौत का सिलसिला आखिरकार खत्म हो जाएगा। ईश्वर ईरान के लोगों की रक्षा करे। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अब मिडिल ईस्ट के बाहर भी करेंगे हमला: ईरान

ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी कि उनका जवाब सिर्फमिडिल ईस्ट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह वहां के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी निशाना बना सकते हैं। ईरान ने कहा कि अब तक उन्होंने संयम बरता था, लेकिन अब वह खत्म हो चुका है। बयान में कहा गया कि ईरान अब अमेरिका और उसके सहयोगियों के ऐसे ढांचे को निशाना बना सकता है, जिससे उन्हें इस इलाके के तेल और गैस संसाधनों से दूर कर दिया जाए। ईरान ने यह भी कहा कि उसने अब तक पड़ोसी देशों के साथ अच्छे रिश्तों की वजह से संयम रखा था।

ईरान के लिए आज की रात बहुत अहम: ट्रंप

वाशिंगटन (ए.)। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा- आज रात हालात इतने गंभीर हैं कि एक पूरी सभ्यता के खत्म होने का खतरा बताया जा रहा है। मैं ऐसा नहीं चाहता, लेकिन ऐसा हो भी सकता है। अगर सच में सत्ता में बड़ा बदलाव होता है और नए, ज्यादा समझदार और कम कट्टर लोग आगे आते हैं, तो हालात बेहतर भी हो सकते हैं। आज की रात दुनिया के इतिहास में बहुत अहम मानी जा रही है।

इजरायल की ईरानी जनता को चेतावनी, ट्रेनों से यात्रा न करें

वाशिंगटन, (वार्ता)। पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष पर वैश्विक समुदाय बारीकी से नजर बनाए हुए है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई धमकी की समय सीमा मंगलवार रात आठ बजे समाप्त होने वाली है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी दी है कि यदि मंगलवार रात आठ बजे तक होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला जाता है, तो ईरान को भारी बमबारी और भीषण हमलों का सामना करना पड़ेगा। श्री ट्रंप ने धमकी दी है कि यदि ईरान समय सीमा से पहले समुद्री परिवहन के लिए होर्मुज नहीं खोलता है, या कोई 'स्वीकार्य' समझौता नहीं करता है, तो वह 'एक ही रात में' उसे खत्म कर देंगे।

बस्तर 'रोडमैप 2.0' पर सीएम साय की पीएम मोदी से मंत्रणा

लाल आतंक से शांत हुआ बस्तर, अब होगा तेजी से विकास, ब्लूप्रिंट तैयार

■ **मोदी से मुलाकात में नक्सलवाद समाप्ति पर सीएम ने जताया आभार**

रायपुर /नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट कर बस्तर के समग्र, समावेशी एवं सतत विकास के लिए तैयार 'बस्तर रोडमैप 2.0' का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश की तीन करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके संकल्प और मार्गदर्शन में 31 मार्च तक माओवाद के उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री को बताया कि अब बस्तर में शांति स्थापित होने के बाद राज्य सरकार का फोकस तेजी से विकास, रोजगार सृजन और जनजीवन को सशक्त बनाने पर है। इसके ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नक्सलमुक्त गांवों में एक करोड़ के विकास काम

बस्तर रोडमैप 2.0 के तहत 'नियद नेल्लानार योजना' का विस्तार करते हुए अब इसमें 10 जिलों को शामिल किया जा रहा है, जिनमें बस्तर के 7 जिलों के साथ गरियाबंद, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई भी शामिल होंगे। दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना प्रारंभ की गई है, जो वर्तमान में बस्तर के 38 मार्गों पर संचालित है। नक्सल-मुक्त पंचायतों में एल्वद योजना के तहत एक करोड़ रुपए तक के विकास कार्य स्वीकृत किए जा रहे हैं, वहीं आत्मसमर्पित नक्सलियों और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए भी प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई के क्षेत्र में तेजी से विस्तार

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताया कि दंतेवाड़ा एजुकेशन सिटी की तर्ज पर ओरछा और जगरगुंडा में भी एजुकेशन सिटी बनाई जा रही है। जगदलपुर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल प्रारंभ हो चुका है तथा दूरस्थ क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्र भी अब सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं।दंतेवाड़ा के गीदम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि इंद्रावती नदी पर मटनार और देउरगांव बैराज सहित 2 हजार करोड़ रुपए से अधिक की सिंचाई परियोजनाएं प्रगति पर हैं।

दुर्ग जिले में अफ्रीकन स्वाइन फीवर से 300 सूअरों की मौत, फार्म सील

■ **छत्तीसगढ़ में रिपोर्ट पॉजिटिव आई, 150 सूअर को इंजेक्शन देकर मारा फिर दफनाया**

भिलाई/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में जानलेवा अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) की पुष्टि हुई है। दुर्ग जिले के नारधा-मुडपार गांव स्थित सूअर फार्म में इस वायरस के कारण 300 से अधिक सूअरों की तड़प-तड़प कर मौत हो गई। संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए पशुपालन विभाग ने बचे हुए करीब 150 सूअरों को भी जहरीला इंजेक्शन देकर मार दिया और सभी को प्रोटोकॉल के तहत दफनाया ■ शेष पृष्ठ 8 पर

फार्म को सील किया गया

2 अप्रैल को सूचना मिलने के बाद तुरंत सैंपल भोपाल स्थित हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज लैब भेजा गया था। रिपोर्ट पॉजिटिव आई। फिलहाल पूरे इलाके पर नजर रखी जा रही है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए फार्म को सील किया गया है।

-वसीम शम्स, डिप्टी डायरेक्टर, पशुपालन विभाग, दुर्ग

ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष ने किया खारिज

नई दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाने संबंधी लोकसभा के 130 सदस्यों के हस्ताक्षर वाले प्रस्ताव को खारिज कर दिया। बिरला ने संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत कुमार को उनके मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाने की मांग करने वाले सदन के कुछ सदस्यों के 'प्रार्थना के प्रस्ताव' की सूचना को खारिज कर दिया है।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री का फैसला गलत: केंद्र सरकार

■ **जस्टिस नागरत्ना बोलीं- महिला को महीने के 3 दिन 'अछूत' मानें, चौथे दिन नहीं, ऐसा क्यों?**

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं इस पर पहले दिन 5 घंटे सुनवाई की। केंद्र ने शुरुआत में ही सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर में मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक का समर्थन किया।

सरकार ने कहा, '2018 में सभी वर्ग की महिलाओं को एंट्री देने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत था। यह मामला पूरी तरह धार्मिक आस्था और संप्रदाय के अपने अधिकार से जुड़ा है। अदालतें महिलाओं के धार्मिक स्थलों में प्रवेश के मामले में दखल नहीं दे सकतीं। सरकार ने कहा कि अगर कोई प्रथा गैर-वैज्ञानिक लगती है, तो उसका हल संसद या ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कृषि मंत्री का बहनोई बनकर 23 लाख रुपए की ठगी

रायगढ़/नवप्रदेश। रायगढ़ जिले में मंत्रालय में जॉब दिलाने का झांसा देकर करीब 23 लाख की ठगी हुई है। आरोपी ने खुद को कृषि मंत्री रामविचार नेताम का बहनोई बताया था। इसी विश्वास में आकर पीड़ित ने अलग-अलग किश्त में 22 लाख 70 हजार कैश दे दिए थे। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। अपॉइंटमेंट लेटर देने के बाद जॉइनिंग के लिए जब ठग ने टालमटोल किया तो पूरे मामले का खुलासा हुआ।

गरमा-गरम

राजनीति: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन से की मुलाकात

संगठन और विकास पर साय ने की नबीन से चर्चा

नई दिल्ली/रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठनात्मक मजबूती, भविष्य की रणनीतियों और देश के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री साय ने नितिन नबीन को भाजपा के स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भरोसा जताया कि उनके नेतृत्व में पार्टी संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और सेवा-समर्पण की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है।

नेतृत्व की सराहना: पोस्ट में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नितिन नबीन के कुशल नेतृत्व में भाजपा संगठन नई ऊंचाइयों को छू रहा है और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में संगठन और मजबूत होगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बस्तर की जनजातीय संस्कृति से जुड़ी 'माता कौशल्या के राम' की बेल मेटल कलाकृति भेंट की।

सोशल मीडिया एक्स पर साझा की जानकारी

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि नई दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष से सौजन्य भेंट कर संगठनात्मक विषयों, भावी रणनीतियों और देश के विकास से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

राम मंदिर और दर्शन योजना का जिक्र

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राम मंदिर अयोध्या का निर्माण भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने 'श्री रामलला दर्शन योजना' का जिक्र करते हुए कहा कि इसके माध्यम से हजारों श्रद्धालु अयोध्या धाम के दर्शन कर रहे हैं।

सड़क हादसे में 4 मौतें, 37 घायल, मच गई चीख-पुकार

■ **ग्रामीणों से भरी पिकअप पलटी, ट्रक ने दोस्तों को कुचला, सिर फटने से मौत**

बस्तर/कोरबा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में 4 लोगों की मौत हो गई। बस्तर में शादी से लौट रही ग्रामीणों से भरी पिकअप बेकाबू होकर पलट गई। इस घटना में 2 महिलाओं की जान चली गई, जबकि 37 लोग घायल हो गए। मामला घोटिया थाना क्षेत्र का है। वहीं, कोरबा में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 2 दोस्तों को कुचल दिया, सिर फटने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर भागने की कोशिश कर रहा था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र का है।

शादी समारोह से लौटते समय हादसा: पहली घटना बस्तर के घोटिया थाना क्षेत्र की है। जहां सिरिसगुड़ा निवासी एक परिवार गांव ■ शेष पृष्ठ 8 पर

न्यूज गैलरी

भाजपा राष्ट्र सेवा ही सर्वोपरि: अंगिरा ध्रुव

धमतरी/नवप्रदेश। ग्राम अरौद(ली) में भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस बड़े उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने पार्टी के सिद्धांतों और विचारधारा को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी के संस्थापकों एवं महान नेताओं के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। जनपद अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का एक सशक्त माध्यम है। पार्टी ने अपने स्थापना काल से ही ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास÷ के मूल मंत्र के साथ देश और समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया है। देश की सेवा, सुशासन एवं विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर कार्य करता है ।उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की नीतियों एवं योजनाओं को जन-जन तक इसे पहुंचाने का कार्य करें।

दिव्यांग श्यामसुंदर के जीवन में आई नई राह, कलेक्टर ने दिया ट्राइसाइकिल

बलौदाबाजार-भाटापारा/नवप्रदेश। जिला प्रशासन द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के संकल्प के साथ दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में एक मानवीय पहल की गई है। इसी कड़ी में आज कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समाज कल्याण विभाग के द्वारा दिव्यांग श्यामसुंदर चंदेल को ट्राइसाइकिल प्रदान की।

ग्राम रसेडा के निवासी 22 वर्षीय दिव्यांग युवक श्यामसुंदर जन्म से ही दाहिने हाथ और दाहिने पैर की दिव्यांगता से जूझ रहे थे, जिसके कारण उन्हें आवागमन में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब ट्राइसाइकिल मिल जाने से न केवल उनकी शारीरिक बाधाएं कम होंगी, बल्कि वे आत्मनिर्भरता की ओर भी कदम बढ़ा सकेंगे। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की प्रत्येक हितग्राही मूलक योजना का शत-प्रतिशत लाभ पात्र व्यक्तियों तक सुगमता से पहुँचे। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के ऐसे सभी जरूरतमंद व्यक्तियों का चिन्हांकन कर उन्हें त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। नई ट्राइसाइकिल पाकर श्यामसुंदर और उनके परिवार ने शासन, प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे अपने भविष्य के लिए एक बड़ा सहारा बताया है।

जितेन्द्र साहू बने भाजयुमो धमधा मंडल के नए अध्यक्ष

धमधा/नवप्रदेश। दुर्ग जिला के धमधा मंडल में युवा मोर्चा के अध्यक्ष पद पर जितेन्द्र साहू की नियुक्ति की गई है। इससे स्थानीय कार्यकर्ताओ

में काफी हर्ष व उत्साह का वातावरण है। जितेन्द्र साहू ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व एवं सभी सम्माननिय कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। जितेन्द्र साहू ने कहा कि संगठन जो मुझ पर विश्वास जताया है उसको मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत बनाने एवं युवाओं की आवाज बुलंद करने का निरंतर प्रयास करता रहूंगा। जितेन्द्र साहू ने पुनः सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया।

97 साल पुराने हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार के साथ मनाया हनुमान जन्मोत्सव

धमधा/नवप्रदेश। नगर में हनुमान जन्मोत्सव भारी धूमधाम से मनाया गया तमेर पारा स्थित मंदिर वाले परिवार द्वारा निर्मित 97 साल पुराने हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया राम लक्ष्मण सीता और हनुमान जी की भव्य प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा कर स्थापित की गई इस अवसर पर मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई कार्यक्रम के मुख्य यजमान मंदिर वाले परिवार धमधा के भिलाई निवासी टेक चंद इंदू देवी ताम्रकार व प्रदीप मंजु देवी ताम्रकार थे पुरोहित पंडित शत्रुघ्न जोशी व धर्मेंद्र जोशी के द्वारा विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा एवं हनुमान जयंती का कार्यक्रम संपन्न कराया गया टेक चंद ताम्रकार ने कहा कि मंदिर के जीर्णोद्धार करने का काफी दिनों से प्रयास किया जा रहा था आज हनुमान जी की कृपा से सफलता ।मिली है भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है वही भंडारा प्रभारी राम अधार ताम्रकार ने बताया कि मंदिर इतने अच्छे ढंग से बनाया गया है की वहां जाने से आनंद का अनुभव होता है पूर्वजों ने 97 वर्ष पहले मंदिर का निर्माण कराया था जिसे आज मंदिर वाले परिवार के प्रमुख? टेक चंद ताम्रकार के द्वारा भारी भव्य रूप में जिर्णोद्धार कराया गया है।

खरीफ पूर्व कृषि केंद्रों का निरीक्षण अनियमितता पर दो केंद्रों को नोटिस

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार खरीफ2026 के पूर्व में ही जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा चौकसी बढ़ा दी गई है। इसी कड़ी में सोमवार को विकासखंडो में संचालित कृषि केन्द्रों का निरीक्षण किया गया जिसमें दो फर्म को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। विकासखंड पलारी के निरीक्षक सुचिन कुमार वर्मा द्वारा साहू कृषि सेवा केंद्र, किसान सेवा केंद्र, सेठ हीरा लाल एंड संस, सोनी कृषि सेवा केंद्र एवं बघेल कृषि सेवा केंद्र का निरीक्षण किया गया। कृषि सेवा केंद्र पलारी में स्कंध पंजी का उचित संधारण नहीं किया गया था, इस कारण फर्म को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। विकासखंड बलौदा बाजार में उपसंचालक कृषि दीपक कुमार नायक, उर्वरक निरीक्षक लोकनाथ दीवान एवं उर्वरक शाखा प्रभारी सिमांचल गौड़ के द्वारा नवीन ट्रेडर्स बलौदा बाजार का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के द्वारा विक्रय केंद्र में कई प्रकार के अनियमित पाई गई जैसे की स्टेकिंग सही तरह से नहीं किया गया था, स्कंध पंजी का उचित संधारण नहीं किया गया था, अनुज्ञप्ति भी स्पष्ट दिखने वाले स्थान पर चस्पा नहीं किया गया था जिस कारण संबंधित फर्म को नोटिस जारी किया गया है।

धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों से आदर्श ग्राम की परिकल्पना साकार: इंद्राणी साहू

- **श्यामनगर में पेवर ब्लॉक व नक्षत्र, ग्रह एवं राशि वाटिका का भूमिपूजन**

राजिम/नवप्रदेश। ग्राम श्यामनगर स्थित मुक्तिधाम परिसर गार्डन में पेवर ब्लॉक निर्माण एवं नक्षत्र, ग्रह एवं राशि वाटिका का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष इंद्राणी नेहरू साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक प्रेमलाल साहू, विभाग प्रचारक ठाकुर राम यादव, विभाग सद्भावना प्रमुख रूपेंद्र साहू, भाजपा जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, भाजपा नेता नेहरू साहू, उप सरपंच वामन निर्मलकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जनपद अध्यक्ष इंद्राणी साहू द्वारा मुक्तिधाम परिसर गार्डन में पेवर ब्लॉक निर्माण हेतु 7 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई, जिसके अंतर्गत विधिवत भूमिपूजन किया गया। साथ ही प्रेमलाल साहू के जन्मदिन के अवसर पर नक्षत्र, ग्रह एवं राशि वाटिका का भी भूमिपूजन किया गया।

नक्षत्र, ग्रह एवं राशि वाटिका का महत्व: यह वाटिका भारतीय संस्कृति, ज्योतिष एवं पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संगम है। नक्षत्र वाटिका में 27 नक्षत्रों, ग्रह वाटिका में 9 ग्रहों तथा राशि वाटिका में 12 राशियों से संबंधित पौधों का रोपण किया जाता है। इससे प्राकृतिक संतुलन, सकारात्मक ऊर्जा एवं आध्यात्मिक चेतना का विकास होता है। यह पहल आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति से जोड़ने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देगी।

विशेष रूप से वर्ष 2018 से ग्राम में प्रतिदिन सुबह 9 बजे लाउडस्पीकर के माध्यम से राष्ट्रगान का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जो ग्राम की एकता, अनुशासन एवं देशभक्ति का प्रतीक है।

जनसहयोग से श्यामनगर बन रहा हरिहर ग्राम

ग्राम श्यामनगर में ग्रामवासियों एवं समर्पण ग्रुप के सहयोग से गांव को हरिहर ग्राम बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। पथ वृक्षारोपण, स्कूल परिसर में वृक्षारोपण, शौचालय एवं क्यारी निर्माण, सांस्कृतिक मंच निर्माण सहित फूलदार, फलदार एवं औषधीय सैकड़ों पौधों का रोपण किया गया है, जो अब विकसित होकर हरियाली को बढ़ा रहे हैं। इसके अतिरिक्त ग्राम में पानी टंकी निर्माण एवं लगभग तीन एकड़ परिसर में गार्डन निर्माण जैसे कार्य भी जनसहयोग से लाखों रुपए की लागत से पूर्ण किए गए हैं।

टीना शेड और पुल निर्माण का विधायक ने किया भूमिपूजन

आमजन को सुविधाओं की सौगात

धमतरी /नवप्रदेश। धमतरी विधायक ओंकार साहू ने क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों को गति देते हुए दो महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम शामिल हुए ।

विधायक ओंकार साहू ग्राम भिड़ावार (मोंगरागहन) में आयोजित टीना शेड निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि टीना शेड निर्माण से ग्रामवासियों को विभिन्न सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी तथा यह ग्राम के विकास में नई दिशा देने के साथ आमजन को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। इस प्रकार के निर्माण कार्य गांवों की सामाजिक संरचना को सुदृढ़ करते हैं और लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं।

इसी क्रम में विधायक ओंकार साहू ग्राम कोहका (अकलाडोंगरी) में पुल निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पुल निर्माण कार्य क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आवागमन सुगम होगा और स्थानीय ग्रामवासियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। पुल के निर्माण से आसपास के गांवों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। दोनों कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित जनसमूह का स्नेह और सहयोग विधायक के लिए प्रेरणादायक रहा। ग्रामीणों ने इन महत्वपूर्ण विकास कार्यों के लिए विधायक का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र के विकास के प्रति उनके प्रयासों की सराहना की। मौके पर धमतरी विधायक ओंकार साहू , ब्रजेश जगताप जनपद सदस्य , जयंत नेताम जनपद सदस्य , ताना जी राव रणसिंह , श्रीमती वेदबाई कुमेटी सरपंच , अम्बिका सिन्हा जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस , सुनिता साहू जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस , रमेश कौशिक , मोती यादव , अफाक गोलू खान , सुमन मेश्राम पार्षद नगर निगम धमतरी, अशोक कुमेटी , गैंदालाल मरकाम , अरविंद नेताम , रोहित तारम , दिलीप ठाकुर , निर्मला उईके , साथ में बड़ी संख्या में ग्रामवाशी उपस्थित रहे।

परीक्षाएं खत्म हो गई है अब समय का सदुपयोग कर सीखे कुछ नया

- **पूर्व एनएसयूआई के शहर अध्यक्ष पूर्व छात्र नेता युवराज बंटी सिंहा**

फिंगेश्वर/नवप्रदेश। सिन्हा ने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं समाप्त हो चुकी है इस वर्ष परीक्षा देने वाले छात्रों के पास परिणाम आने तक कुछ दिनों का समय बाकी है जिसमें वह आराम के साथ-साथ खुद पर भी ध्यान दे सकते हैं इतनी मेहनत के बाद यह समय छात्रों के लिए खुद को तरोताजा रखने और खुश रहने का अच्छा अवसर है। हालांकि जीतना जरूरी आराम करना है उतने ही जरूरी खाली समय का सही उपयोग करना भी है ऐसे में कुछ नया सीखने या करने की कोशिश करें ताकि आपके कुशल और बेहतर हो सके यदि आपने अपनी बोर्ड परीक्षा दी ली है तो यह समय अपने व्यक्तित्व और भविष्य को संवारने का बेहतर अवसर है यदि आपकी किसी खास गतिविधि में रुचि है तो उसे सीखने के लिए यह सबसे उपयुक्त समय है।

अपने शौक से जुड़े किसी कोर्स में शामिल होकर आप अपनी छिपी प्रतिभा को निखार सकते हैं परीक्षा परिणाम आने तक इस समय तक सही उपयोग करने का यह एक शानदार तरीका है साथ ही ऐसे कोर्सेज में शामिल होकर अपने लोगों से मिल सकते हैं। किसी स्थानीय गैर सरकारी संगठन एनजीओ से या किसी स्किल के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण से जोड़कर व्यवसायिक, राजनीतिक, सामाजिक कार्य में भी आप योगदान दे सकते हैं जरूरतमंदों की मदद सहयोग और सेवा के माध्यम से आप समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

2 दिवसीय पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का समापन

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। शहर मंडल के नेतृत्व में 2 दिवसीय 6 से 7 अप्रैल तक चलने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का शानदार समापन हुआ जिसमे प्रमुख रूप राजनांदगांव के प्रमुख वक्ता कोमल सिंह राजपूत, खूबचंद पारख, सचिन बघेल, मधुसूदन यादव , रामजी भारती, विनोद खांडेकर,दिनेश गांधी, मनीष गोलछा,शशिकांत द्विवेदी,रविन्द्र वैष्णव,सुरेंदर सिंग बंनोआना, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल,सुनील जैन, प्रकाश चौरड़िया,प्रदीप बाघ,महेंद्र भाई पटेल, हरविंदर एस मंगे, कुलवंत कक्कड़,अमित जैन,वीरेंद्र सोनी,संतोष चोपड़ा, तुलसी मिश्रा,तरुण हथेल, विजेंद्र ठाकुर, मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बंनोआना, नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे, नगर पालिका उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा, ,महामंत्री विनय बंसल,विनीत यादव, महिला मोर्चा अध्यक्ष सविता दरगड, सुषमा कोठारी युवा मोर्चा अध्यक्ष सुमित मिश्रा, मंडल उपाध्यक्ष वत्सला श्रीवास्तव, अचला ठाकुर, पप्पू नामदेव,लक्ष्मी यादव, आकाश राजपूत, रामकुमार डड़सेना, अनिल लांजेवार, उपस्थित सभी पार्षद गण एवं समस्त कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

यज्ञ, संस्कार और आध्यात्मिक कार्यक्रम लोगों को सही दिशा प्रदान करती हैं : रंजना साहू

- **गायत्री महायज्ञ और संस्कार महोत्सव समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती हैं : कौशिल्या देवांगन**

धमतरी/नवप्रदेश। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में चार दिवसीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन धमतरी शहर के सोरिद कॉलोनी काली मंदिर के पीछे स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, पावन प्रज्ञा पुराण एवं संस्कार महोत्सव में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू विशेष रूप से शामिल हुईं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर यज्ञ, प्रवचन एवं विभिन्न संस्कार विधियों में सहभागिता निभाई। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में नैतिक मूल्यों, संस्कारों एवं आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना रहा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने यज्ञ स्थल में सम्बोधित करते हुए कहा कि गायत्री महायज्ञ जैसे आयोजन भारतीय संस्कृति और परंपरा के संवाहक हैं, आज के समय में जब समाज विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे में यज्ञ, संस्कार और आध्यात्मिक कार्यक्रम लोगों को सही दिशा प्रदान करते हैं, गायत्री परिवार द्वारा किया जा रहा यह कार्य न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी एक सशक्त माध्यम है। हमें इन आयोजनों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में संस्कारों को आत्मसात करना चाहिए।

धान खरीदी केंद्र से सीसी रोड निर्माण कार्य का शुभारंभ

स, लोहारा/नवप्रदेश। नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के वार्ड क्रमांक 03 में स्थित धान खरीदी केंद्र से सीसी रोड निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष, वार्ड पार्षद एवं अन्य पार्षदगण उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में चावल उत्सव का आयोजन

- **हितग्राहियों को तीन माह का एकमुश्त चावल वितरित**

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। राज्य शासन द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत राशनकार्डधारी परिवारों को पात्रता अनुसार अप्रैल, मई और जून माह का चावल अप्रैल 2026 में एक साथ प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिले के सभी पीड़ीएस दुकानों में 7 अप्रैल 2026 से चावल उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

स्थानीय जनप्रतिनिधि और निगरानी समिति के सदस्यों की उपस्थिति में चावल उत्सव मनाकर तीन महीने के खाद्यान्न का एकमुश्त वितरण किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के सभी 591 उचित मूल्य की दुकानों में चावल उत्सव मनाकर तीन महीने के खाद्यान्न का एकमुश्त वितरण किया जा रहा है।

प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का हुआ सम्मान

नशे की ओर बढ़ रहे लोगों को रोकने चलाए जागरूकता अभियान: साहू

- **मावलीपारा परिक्षेत्र के विद्यार्थियों का विशेष रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन सराहनीय रहा**

नगरी/नवप्रदेश। तहसील साहू समाज नगरी-सिहावा द्वारा समाज का वार्षिक अधिवेशन (महासभा) शनिवार को ग्राम देऊरपारा में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन समाज की एकता, परंपरा एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया, जिसमें क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में समाजजन, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ, जिसने पूरे ग्राम में उत्साह का वातावरण निर्मित कर दिया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्यातिथि डॉ. नीरेंद्र साहू अध्यक्ष प्रदेश साहू संघ रायपुर ने कहा कि आज नगरी तहसील का साहू समाज का वार्षिक अधिवेशन हुआ है, मैं यही कहना चाहूंगा बहुत-बहुत शुभकामनाएं वरिष्ठ जनों को और सभी परिवार के सदस्य जिसमें समाज को संगठित रूप से शिक्षा के दृष्टिकोण से संस्कार के अध्यक्ष कौन से आगे बढ़ाने के लिए समाज के अन्य नियमावली जिसमें हमारे समाज को भी उसको मजबूत करना है संस्कार विकास के लिए उन बिंदुओं को भी किया और जो नशे की ओर बढ़ रहे हैं, उसको रोकने के लिए कार्यशाल और उसके माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा, कार्यशाला के माध्यम से इस तरह से सारे इकाइयों को प्रशिक्षित करके संस्कृति और नशाबंदी और नशा पान की ओर जो बढ़ रहा है उसे रोकने का है।

मुख्य अतिथि विधायक अंबिका मरकाम ने अपने संबोधन में साहू समाज को एक शिक्षित एवं प्रगतिशील समाज बताते हुए कहा कि समाज निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने माता कर्मा के आदर्शों का उल्लेख करते हुए समाज में एकता, भाईचारे एवं समरसता बनाए रखने का संदेश दिया। साथ ही विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त कर बड़े पदों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया तथा अभिभावकों से बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं मार्गदर्शन देने की अपील की। उन्होंने नशामुक्ति पर विशेष जोर देते हुए समाज को बुराइयों से दूर रहने का संदेश भी दिया।उन्होंने मांग शेड निर्माण के लिए 20 लाख की घोषणा भी किए। जिला साहू संघ के संगठन सचिव सुभाष चंद साहू ने अपने उद्बोधन में समाज की एकता एवं संगठन की मजबूती पर विशेष जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में समाज का संगठित रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही समाज की पहचान को सशक्त बनाता है और उसके अधिकारों की रक्षा करता है। उन्होंने समाजजनों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

सोशल मीडिया पर सियासी बवाल: गरियाबंद के अमीर 'गरीबों' को स्वेच्छा अनुदान

रायपुर/नवप्रदेश । गरियाबंद जिले के राजिम विधानसभा क्षेत्र के फिगेश्वर - गरियाबंद -छुरा विकासखण्ड के ऐसे लोगों को स्वेच्छा अनुदान राशि दिया गया है, जिनके घरों प्रतिष्ठानों में चार से दस नौकर काम करते हैं, उनके बंगलों में तीन -चार एसी चल रहा है, लक्चरी वाहन, टैक्सी परमिट वाहन के मालिक हैं और करोड़ों रुपए टर्नओवर है। कारोबारियों, भाजपा पदाधिकारियों के साथ शासकीय कर्मचारियों की पत्नियों के साथ छत्तीसगढ़ सरकार में कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त के सुपुत्र को भी राशि प्रदान किया गया। पूरी सूची सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है।

मार्च 2026 में ही नहीं मार्च 2025 में भी लगभग 557 लोगों को स्वेच्छा अनुदान आर्थिक सहायता प्रदान किया गया था। कार्यालय कलेक्टर गरियाबंद के पत्र क्रमांक 947 दिनांक 30 मार्च 26 को जारी 557 एपीएल हितग्राहियों को 33 लाख 50 हजार की राशि बैंक खाते में अंतरित किया गया। कांग्रेस शासन में राजीव मितान योजना में शासकीय धन का दुरुपयोग का कांग्रेस पार्टी एवं उनके नेताओं के उपर आरोप लगाया था। आरोप लगाने वाली पार्टी के नेता अब वहीं काम खुद करने लगे हैं। स्वेच्छा अनुदान राशि स्वीकृत करने का अनुशंसा भाजपा संगठन ने किया कि सासंद, विधायक या निगम आयोग के अध्यक्ष द्वारा किया गया यह स्पष्ट नहीं है।

गरियाबंद जिले के गरियाबंद, छुरा और राजिम क्षेत्र को जारी स्वच्छानुदान की मार्च-2026 की सूची में ऐसे लोगों का पैसा बांटा गया है, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही है। कांग्रेसी इसे मजे से चटकारे लेकर वायरल कर रहे हैं। वहीं भाजपा नेताओं को कोई जवाब देते नहीं बन रहा है।

मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान राशि जरूरतमंद लोगों के लिए होता है, लेकिन राजिम विधायक ने अपने मंडल अध्यक्ष, कार्यकर्ता यहां तक की पूर्व विधायक के परिवार, सेवानिवृत कर्मचारियों को राशि का वितरण करवा दिया है। यह बहुत निंदनीय हैं। हम इसका विरोध करते हैं।
– **सुखचंद बेहरा**, अध्यक्ष, गरियाबंद जिला कांग्रेस कमेटी

कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस का कहना है कि भाजपा ने पूर्व में राजीव मितान योजना में शासकीय धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया था, लेकिन अब खुद उसी रास्ते पर चल रही है। कांग्रेस कार्यकर्ता इस सूची को सोशल मीडिया पर जमकर वायरल कर रहे हैं और इसे 'अपात्रों को अनुदान, गरीबों को वंचित' बता रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने अनुशंसा पर उठाए सवाल, भाजपाई जवाब देने से बच रहे

सूची में स्वीकृति की अनुशंसा किसने कि सांसद, विधायक या भाजपा संगठन यह स्पष्ट नहीं है। ऐसी ही मामला मार्च-2025 में भी सामने आया था, जब लगभग इतनी ही संख्या में लोगों को अनुदान दिया गया था। गरियाबंद में वायरल हुई स्वेच्छा अनुदान सूची ने राजनीतिक घमासान तेज कर दिया है। कांग्रेस इसे 'भ्रष्टाचार' बता रही है, जबकि भाजपा अभी तक कोई स्पष्ट जवाब देने से बच रही है। आमजन में सवाल उठा रहे हैं कि अनुदान वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है या फिर सत्ता के करीबियों में बंट रहा है।

गरियाबंद में जरूरतमंदों को नहीं, अपात्रों को बांटा गया 33.5 लाख!

भाजपा नेताओं में भी नाराजगी

भाजपा के कुछ क्षेत्रीय नेताओं ने भी सूची पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि स्वेच्छा अनुदान का उद्देश्य बीपीएल और वास्तविक जरूरतमंदों (बीमारी, गरीबी, झोपड़पट्टी निवासियों) को मदद पहुंचाना था, न कि आर्थिक रूप से संपन्न भाजपा पदाधिकारियों को। इससे पार्टी की छवि धूमिल हो रही है।

न्यूज गैलरी

पटना-चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन शुरू, यात्रियों को मिलेगी कंफर्म बर्थ सुविधा

रायपुर/नवप्रदेश। ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए पटना और चर्लपल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में 15-15 फेरों के लिए संचालित की जाएगी, जिससे यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा करने में सुविधा मिलेगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 03253 पटनाङ्कचर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन 8 अप्रैल से 27 मई 2026 तक प्रत्येक सोमवार और बुधवार को पटना से दोपहर 3 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन दूसरे दिन बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और गोंदिया जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरते हुए निर्धारित समय पर चर्लपल्ली पहुंचेगी। वहीं, वापसी में गाड़ी संख्या 03254 और 03255 चर्लपल्लीङ्कपटना स्पेशल ट्रेन अलग-अलग दिनों में संचालित की जाएगी। 03254 ट्रेन 15 अप्रैल से प्रत्येक बुधवार को रात 11 बजे रवाना होगी, जबकि 03255 ट्रेन 10 अप्रैल से प्रत्येक शुक्रवार को रात 9 बजे चर्लपल्ली से चलेगी और निर्धारित समय पर पटना पहुंचेगी।

पशु क्रूरता के मामले में त्वरित कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में पशु क्रूरता एवं अनाचार के गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। डीसीपी पश्चिम जोन के अनुसार, भाठागांव क्षेत्र से प्राप्त शिकायत में एक व्यक्ति द्वारा पशु के साथ क्रूरता और अनाचार किए जाने की सूचना मिली थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 153/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को मिले वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान होरी लाल सोनकर उर्फगोगा (26 वर्ष), निवासी सोनकर पारा, थाना पुरानी बस्ती के रूप में की गई। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफभारतीय न्याय संहिता एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की है।

ग्रामीण पुलिस की बड़ी कार्रवाई जुआ खेलते 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अभनपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने मौके से मर्सिडीज कार, आईफोन और लाखों रुपये नगद सहित करीब 42 लाख रुपये की सामग्री जब्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 6 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रायपुर ग्रामीण और धमतरी जिले की सीमा पर स्थित ग्राम टोकरो के पास खेतों में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और डीएसपी नवा रायपुर के नेतृत्व में थाना अभनपुर की टीम ने तत्काल दबिश दी। पुलिस को देखते ही जुआ खेल रहे लोग मौके से भागने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो आरोपियों को पकड़ लिया, जबकि अन्य आरोपी अंधेरे और खेतों का फायदा उठाकर फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल सिंह (34 वर्ष), निवासी सेक्टर-10 भिलाई और रितेश कुमार (36 वर्ष), निवासी आनंद विहार, तेलीबांधा रायपुर शामिल हैं।

पुरानी रंजिश में चाकू से हमला पांच आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में पुरानी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के चंद घंटों के भीतर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, इमामबाड़ा के पास ईदगाह भाटा निवासी 19 वर्षीय मोहम्मद युनुस ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह 5 अप्रैल को अपने दोस्तों के साथ सातपाखर एनीकट काठाडीह पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान आरोपीगण फारूख, रियाज, उस्मान, चीकू और विशाल नायक ने पुरानी दीपावली के समय हुए विवाद को लेकर रंजिश रखते हुए उस पर गाली-गलौच की और जान से मारने की धमकी देते हुए चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक को दाहिनी ओर चोट आई। मामले में थाना मुजगहन में अपराध क्रमांक 73/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (पश्चिम जोन) संदीप पटेल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुलदेव शर्मा और सहायक पुलिस आयुक्त नवनीत पाटिल के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने जांच शुरू की।

प्रतिभा में निखार : कोमालिका बारी से अंजलि मुंडा तक

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने भविष्य की प्रतिभाओं की मजबूत राह दिखाई

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 ने देशभर के जनजातीय समुदायों के खिलाड़ियों को एक साझा मंच पर एकत्रित किया, जहाँ अलग-अलग स्तर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुछ के लिए यह बहु-खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का पहला अनुभव था, तो कुछ के लिए यह उनके उभरते हुए करियर का अगला महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

इस उद्घाटन संस्करण में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 3800 खिलाड़ियों ने नौ खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा की। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर थे, जबकि पारंपरिक खेलों जैसे मल्लखंभ और कबड्डी को प्रदर्शन खेलों के रूप में शामिल किया गया।

भारत जहां 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक की संभावित मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर रहा है, ऐसे में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने विविध जनजातीय पृष्ठभूमि के खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और विभिन्न खेलों में भारत की बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। ये खेल छत्तीसगढ़ के तीन शहरों—रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर—में आयोजित किए गए। यहाँ कुछ ऐसे खिलाड़ियों की झलक प्रस्तुत है जो पहले से ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव छोड़ रहे हैं, और कुछ ऐसे भी जिन्होंने भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन की संभावना दिखाई है।

मणिकांता एल (तैराक): खेलों के सबसे सफल खिलाड़ी के रूप में उभरे मणिकांता एल ने तैराकी प्रतियोगिता में आठ स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर कर्नाटक को समग्र चैंपियन बनने की मजबूत नींव दी। 21 वर्षीय मणिकांता पहले भी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पदक जीत चुके हैं और आगामी एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

अंजलि मुंडा (तैराक): ओडिशा के जाजपुर जिले की 15 वर्षीय अंजलि मुंडा तैराकी प्रतियोगिता की सबसे चमकदार उभरती सितारों में से एक रहीं। उन्होंने 200 मीटर फ्रीस्टाइल, 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले, 100 मीटर बैकस्ट्रोक, 50 मीटर बैकस्ट्रोक और 4×100 मेडले में कुल पांच स्वर्ण पदक जीतकर न सिर्फ अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि अपने से कहीं अधिक उम्र के खिलाड़ियों को पछाड़ने की क्षमता भी दिखाई।

कोमालिका बारी (तीरंदाज): दीपिका कुमारी के बाद विश्व कैडेट और विश्व यूथ चैंपियन बनने वाली दूसरी भारतीय कोमालिका बारी 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की प्रबल दावेदारों में से एक हैं। वह पुणे में चयन ट्रायल की तैयारी कर रही थीं और खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखते हुए उन्हें लगा कि यहां भाग लेना उनके लिए मूल्यवान मैच प्रैक्टिस साबित होगा।

किरण पिस्दा (फुटबॉल): छत्तीसगढ़ महिला फुटबॉल टीम की कप्तान किरण पिस्दा ने सामने से नेतृत्व किया और सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट के दौरान गोलकीपर के रूप में दस्ताने पहनकर अपनी टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। किरण न सिर्फअपनी टीम की सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं, बल्कि उन्होंने युवा टीम का शानदार नेतृत्व करते हुए यह भी दिखाया कि बेहतरीन नेतृत्व कैसे किसी टीम को बदल सकता है।

बाबूलाल हेम्ब्रम (वेटलिफ्टर): झारखंड के 19 वर्षीय बाबूलाल हेम्ब्रम 2024 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले अपने राज्य के पहले वेटलिफ्टर बने थे। वह अपने राज्य के पहले ऐसे अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर भी हैं जिन्होंने IWF वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप और एशियन यूथ चैंपियनशिप में पदक जीता है।

शिव कुमार सोरेन (स्प्रिंटर): झारखंड के धावक शिव कुमार सोरेन ने 100 मीटर और 200 मीटर दोनों स्पर्धाओं में आसानी से स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने 100 मीटर में 10.58 सेकंड और 200 मीटर में 21.51 सेकंड का समय दर्ज किया। बोकारो के सेंटर ऑफएक्सीलेंस के प्रशिक्षु शिव का मजबूत शारीरिक गठन है और उनमें भविष्य में और तेज दौड़ने की क्षमता दिखाई देती है।

20 एमएलडी का टर्शरी ट्रीटमेंट प्लांट, संवरेगी हसदेव की धारा

कोरबा की जीवनदायिनी को मिलेगा 'अमृत': 165 करोड़ की योजना

रायपुर/नवप्रदेश। ऊर्जाधानी कोरबा की जीवनरेखा मानी जाने वाली हसदेव नदी अब प्रदूषण के काले साये से मुक्त होकर फिर से कल-कल बहेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी 'अमृत मिशन 2.0' योजना ने कोरबा में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि जोड़ दी है। छत्तीसगढ़ शासन के प्रयासों से भारत सरकार ने शहर के दूषित जल के वैज्ञानिक उपचार हेतु 165 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है।

सालों से शहर के 11 बड़े नालों का दूषित सीवरेज जल सीधे हसदेव नदी में मिलकर उसकी शुद्धता को प्रभावित कर रहा था। इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए 20 एमएलडी क्षमता का अत्याधुनिक टर्शरी ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा रहा है। प्रतिदिन लगभग 3 करोड़ 30 लाख लीटर दूषित जल को नदी में गिरने से पहले ही रोककर अत्याधुनिक तकनीक से उपचारित किया जाएगा। इससे नदी के प्रदूषण में भारी कमी आएगी और उसका जल पुनः स्वच्छ बनेगा। परियोजना के पूर्ण होते ही कोरबा उन चुनिंदा 12 शहरों की सूची में शामिल हो जाएगा, जहाँ जल शोधन की ऐसी उन्नत और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध है। यह परियोजना केवल नदी की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि 'वेस्ट टू वेल्थ' का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी बनेगी। उपचारित किए गए करोड़ों लीटर पानी को बर्बाद करने के बजाय एनटीपीसी द्वारा निर्धारित दरों पर खरीदा जाएगा। इससे उद्योगों को स्वच्छ जल उपलब्ध होगा, नगर निगम के राजस्व में वृद्धि होगी और भू-जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने इसे कोरबा जिले के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के मानकों का पालन करते हुए नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा तैयार किए गए इस वैज्ञानिक समाधान को अब वास्तविक रूप मिलने जा रहा है। वर्तमान में निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है और जल्द ही निर्माण कार्य धरातल पर शुरू हो जाएगा। अमृत मिशन 2.0 के तहत यह प्लांट न केवल हसदेव नदी को पुनर्जीवित करेगा।

पावर कंपनी के डायरेक्टर आरए पाठक को भावभीनी विदाई

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के मुख्यालय सेवाभवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में डायरेक्टर (वाणिज्यिक एवं नियामक मामले) आर.ए. पाठक को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर ऊर्जा सचिव एवं कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और शॉल-फल भेंटकर सम्मानित किया।

डॉ. यादव ने पाठक की कार्यशैली और दक्षता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में समर्पण और निर्भीकता के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। समारोह में कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी—निदेशक एस.के. कटियार, आर.के. शुक्ला और भीमसिंह कंवर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में पाठक के चार दशक से अधिक लंबे अनुभव और विद्युत क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित किया।

प्रबंध निदेशक (जनरेशन) एस.के. कटियार ने कहा कि पाठक ग्रिड मैनेजमेंट में बेहद कुशल रहे हैं। वहीं प्रबंध निदेशक (पारेषण) राजेश कुमार शुक्ला ने उनके लंबे अनुभव को विद्युत अधोसंरचना और वाणिज्यिक मामलों में उनकी विशेषज्ञता का प्रमाण बताया। प्रबंध निदेशक (वितरण) भीमसिंह कंवर ने कहा कि उनके नेतृत्व में विद्युत विकास कार्यों को गति मिली और वित्तीय प्रबंधन में भी कई महत्वपूर्ण सुधार हुए। श्री पाठक ने अपने संबोधन में कंपनी प्रबंधन द्वारा दिए गए अवसरों के लिए आभार व्यक्त किया और सहकर्मियों के सहयोग को अपनी सफलता का आधार बताया।

बिजली कटौती के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, सीएसईबी कार्यालय का घेराव

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में लगातार हो रही बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। पहाड़ी चौक से पैदल मार्च निकालते हुए प्रदर्शनकारियों ने गुढ़ियारी स्थित सीएसईबी कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन का नेतृत्व सुबोध हरितवाल ने किया, जिसमें पूर्व महापौर एजाज ढेबर सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए। सुबोध हरितवाल ने आरोप लगाया कि रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती की जा रही है, खासकर गुढ़ियारी इलाके में रात के समय स्थिति अधिक खराब रहती है। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में लाइनमैन की समुचित व्यवस्था नहीं है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर जनता को मूलभूत सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर ध्यान भटकाने की राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता की समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरी है और जरूरत पड़ी तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान पहुंचे बिजली विभाग के अधिकारियों एसई महेश ठाकुर और ईई रामकुमार साहू ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि जल्द ही बिजली कटौती की समस्या का समाधान किया जाएगा। साथ ही संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई की बात भी कही गई। इस प्रदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष सुधा सरोज, किशन बाजारी, पूर्व पार्षद सुंदर जोगी, रमाकांत शर्मा, अमित काचलवार, विक्की साहू, जितेंद्र साहू, प्रगति वाजपेयी, रशीद खान, कुंदन सिन्हा, तोरण साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर: 6500 से अधिक लोगों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

सुकमा के मेगा स्वास्थ्य शिविर में उमड़ा जनसैलाब

रायपुर/नवप्रदेश। मेगा हेल्थ कैंप एक प्रमुख निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर है, जहाँ नामी सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर कैंसर, हृदय रोग, स्त्री रोग, और नेत्र रोग जैसी बीमारियों का मुफ्त इलाज, जांच और दवाइयां प्रदान करते हैं। इसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा, दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग वितरण और आधुनिक जांचकी सुविधाएं भी मिलती हैं। लाल आतंक की समाप्ति के इस दौर में जब क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बना है, तब प्रशासन की पहुँच अंतिम छोर के व्यक्ति तक आसान हुई है।

जिला प्रशासन सुकमा और बेंगलुरु के एनटीआर फाउंडेशन के साझा प्रयासों से आयोजित दो दिवसीय सुपर स्पेशलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर का गत दिवस आयोजन किया गया। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के द्वारा शुभारंभ पश्चात इस मेगा स्वास्थ्य शिविर में उन संवेदनशील और अंदरूनी क्षेत्रों के 3,700 से अधिक ग्रामीण बेखौफ होकर पहुँचे, जो कभी मुख्यधारा से कटे हुए थे। कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित उक्त मेगा स्वास्थ्य शिविर में कुल 6,500 से अधिक लाभार्थियों की उपस्थिति ने यह साबित कर दिया कि अब ग्रामीण बंदूकों के साये से निकलकर आधुनिक चिकित्सा और विशेषज्ञ परामर्श पर भरोसा जता रहे हैं। शिविर के दौरान 21 विशेषज्ञ डॉक्टरों और 40 स्वास्थ्य योद्धाओं की टीम ने इन वनवासियों के लिए देवदूत बनकर काम किया। बस्तर के सुदूर अंचलों में कभी लाल आतंक की धमक से सहमे रहने वाले सुकमा जिले की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है।

'ज्ञान भारतम् मिशन': पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान की शुरुआत

रायपुर/नवप्रदेश। 'ज्ञान भारतम् मिशन' के अंतर्गत जिले में पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य प्राचीन पांडुलिपियों, ताड़पत्रों एवं हस्तलिखित ग्रंथों का संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण करना है, ताकि देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखा जा सके। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि प्राचीन पांडुलिपियाँ, ताड़पत्र और हस्तलिखित ग्रंथ हमारी संस्कृति के अमूल्य खजाने हैं। इनके संरक्षण और पहचान में आमजन की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि उनके पास किसी भी प्रकार की प्राचीन पांडुलिपि, ताड़पत्र या हस्तलिखित ग्रंथ उपलब्ध हैं, तो उसकी जानकारी संबंधित विभाग को अवश्य प्रदान करें, ताकि उन्हें सुरक्षित संरक्षित किया जा सके और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान केवल दस्तावेजों के संरक्षण का प्रयास नहीं, बल्कि हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

सुविचार

जिंदगी की दौड़ में कभी जीतने की जल्दी नहीं करनी चाहिए क्योंकि वक्त से पहले और किस्मत से ज्यादा कभी किसी को कुछ नहीं मिलता।

बंगाल में चुनाव बड़ी चुनौती

वैसे तो पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं लेकिन चर्चा में सिर्फ बंगाल विधानसभा बना हुआ है। इसकी वजह यही है कि बंगाल में हर बार हर चुनाव के दौरान हिंसा होने का रिकॉर्ड दर्ज है। हालांकि इस बार चुनाव निष्पक्ष और निर्भिक हो इसके लिए चुनाव आयोग ने वहां सुरक्षा के चाक चौबंध इंतेजाम किये हैं। इसके बावजूद वहां अभी से टीएमसी की सह पर उसके पाले हुए गुंडे मतदाताओं को डराने धमकाने लगे हैं। नतीजतन मतदाताओं में खौफ का माहौल बनने लगा है। मालदा की घटना ने चुनाव आयोग की चिंता और बढ़ा दी है। गौरतलब है कि मालदा में आक्रोशित लोगों ने टीएमसी की सह पर आधा दर्जन चुनाव अधिकारियों को बंधक बना लिया था। यही नहीं बल्कि उनकी गाड़ी पर पहले पथराव भी किया था। यह गनीमत है कि इस पथराव से सिर्फ शिशे टूटे थे कोई घायल नहीं हुआ था। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन अधिकारियों को जिंदा जलाने की प्लानिंग थी किन्तु ऐन समय पर सुरक्षाबलों के पहुंच जाने से अराजक तत्व अपने हिंसक इरादों में कामयाब नहीं हो पाये और उन अधिकारियों को कई घंटों के बाद मुक्त कराया गया और अब उन अराजक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। इसके बावजूद अन्य स्थानों पर भी टीएमसी समर्थकों द्वारा मतदाताओं को डराने धमकाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इससे स्पष्ट है कि इस बार भी तमाम कड़े इंतेजामों के बावजूद बंगाल में शांतिपूर्ण चुनाव कराना चुनाव आयोग के लिए एक बड़ी चुनौती है। इस बात को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी महसूस किया है और उन्होंने बंगाल के कूच बिहार में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए लोगों से आव्हान किया है कि वे टीएमसी के गुंडों से न डरें और निर्भिक होकर अपने मताधिकार का उपयोग करें। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया है कि बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद टीएमसी के गुंडों का पूरा हिसाब किया जाएगा। कानून अपना काम करेगा। कोई भी गुंडा कितना भी बड़ा क्यों न हो उसे कानून के कटघरे में खड़े करके कड़ी सजा दी जाएगी। इधर ममता बनर्जी लगातार चुनाव आयोग पर हमलावर है और वे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी लगातार निशाना साध रही हैं और उनके खिलाफ अत्यंत आपत्तिजनक टिप्पणी करके यह आरोप लगा रही हैं कि भाजपा के इशारे पर बंगाल में चुनाव के दौरान हिंसा कराने की साजिश की जा रही है। इसे ही कहते हैं उल्टाचोर कोतवाल को डांटे। ममता बनर्जी ने पिछले तीन विधानसभा चुनाव कैसे जीते हैं यह सारा देश जानता है किन्तु इस बार चुनाव आयोग की कड़ाई के कारण ममता बनर्जी के लिए गुंडागर्दी के बल पर चुनाव जीत पाना और कोई खेला करना आसान नहीं है। नतीजतन वे अपनी संभावित हार से बौखला कर विवादास्पद बयानबाजी कर रही है। जिसकी वजह से बंगाल में इस चुनाव के दौरान भी बवाल होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। इसलिए यह आवश्यक है कि बंगाल में पूरे चुनाव के दौरान सुरक्षा के और कड़े इंतेजाम किये जायें। खासतौर पर मतदान के दिन तो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करना निहायत जरूरी है ताकि लोग निर्भिक होकर अपने मताधिकार का उपयोग कर सके और अपने पसंद सरकार चुन सकें।

मतदाताओं का अपमान करना अनुचित

पांच राज्यों के होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इन प्रदेशों में चुनावी रैलियां शुरू हो गई हैं। जिसमें बड़बोले नेताओं के बीच विवादास्पद बयान देने की होड़ भी प्रारंभ हो गई है। चुनावी सभाओं में एक दूसरे को आरोप प्रत्यारोप लगाना तो फिर भी सही है लेकिन मतदाताओं का तो अपमान नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक चुनावी सभा के दौरान केरल के मतदाताओं की प्रशंसा के पुल बांधते हुए अन्य राज्यों के मतदाताओं का अपमान कर डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात सहित देश के अन्य राज्यों के गंवार लोगों को मूर्ख बना सकते हैं लेकिन केरल के लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते क्योंकि वे पढ़े लिखे और समझदार हैं। निश्चित रूप से उनका यह बयान देश के अन्य राज्यों के मतदाताओं का घोर अपमान है। ऐसे नेता जो मतदाताओं का भी अपमान करने से बाज नहीं आते वे अपनी ही पार्टी के लिए गड्ढा खोदने का काम करते हैं ऐसा बयान यदि कोई छुटभैय्या दे तो भी वह आपत्तिजनक है यहां तो खुद एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष इस तरह की विवादास्पद बयानबाजी कर रहे हैं और जब नाराज मतदाता उनको वोट नहीं देते तो वे अपनी गलती का ठिकरा इवीएम पर या फिर चुनाव आयोग के सिर पर फोड़ने लगते हैं। बेहतर होगा कि चुनाव के दौरान ऐसे बयानवीर नेता अपनी जुबान पर लगाम रखे अन्यथा उनकी बदजुबानी का दुष्परिणाम उनकी पार्टी को भुगतना पड़ेगा। खासतौर पर वरिष्ठ नेताओं को तो किसी भी तरह का बयान देने से पहले संयम से काम लेना चाहिए अन्यथा उनकी देखा देखी छोटे नेता तो बदजुबानी की सीमा पार कर ही लेंगे।

आज का इतिहास

नई दिल्ली। 1857 - भारत के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान अंग्रेज़ों पर पहली गोली चलाने वाले मंगल पांडेय को फाँसी दी गयी। 1929 - भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान, दिल्ली सेंट्रल असेम्बली में बम फेंकने के जुर्म में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त को गिरफ़्तार किया गया। 1950 - भारत और पाकिस्तान के बीच लियाकत-नेहरू समझौता। यह समझौता दोनों देशों में रह रहे अल्पसंख्यकों के अधिकारों को सुरक्षित रखने और भविष्य में दोनों देशों के बीच युद्ध की संभावनाओं को खत्म करने के मकसद से किया गया था। 1973 - स्पेन के चित्रकार पाब्लो पिकासो का निधन। इन्हें 20वीं शताब्दी का संभवतः सबसे प्रभावी चित्रकार माना जाता है। 1988 - जनरल वेंग शांग कुन चीन के राष्ट्रपति निर्वाचित। 1999 - ड्रोर ओरपाज तथा कारमिट सुबेरा (इस्रायल) द्वारा 30 घंटे 45 मिनट तक लगातार चुंबन लिये जाने का गिनीज बुक आफ़ वर्ल्ड रिकार्ड में नया कीर्तिमान दर्ज, चीन द्वारा धान की भूसी से बिजली का उत्पादन प्रारम्भ।

नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ : अब शिक्षा के क्षेत्र में नया स्वर्णिम अध्याय

छत्तीसगढ़ ने एक ऐतिहासिक पड़ाव पार किया है। वर्षों तक नक्सलवाद की चुनौती से जूझने के बाद आज हमारा प्रदेश शांति, सुरक्षा और विकास के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह केवल सरकार और फोर्स की जीत नहीं है, बल्कि यह हर उस बच्चे के भविष्य की जीत है, जो कभी भय और असुरक्षा के वातावरण में शिक्षा से वंचित रह जाता था। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की संकल्पसिद्धि के प्रति राज्य की जनता की ओर से आभार व्यक्त करना है। दोनों नेताओं की दृढ़ इच्छाशक्ति से बस्तर में अब शांति, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास का द्वार खुलने जा रहा है।

गजेंद्र यादव, शिक्षा मंत्री

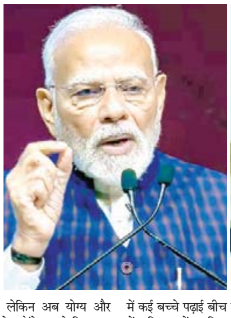

नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा लाभ अब शिक्षा के क्षेत्र में दिखाई देगा। जहां पहले दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में स्कूल खोलना और शिक्षकों की नियुक्ति करना एक चुनौती थी, वहीं अब हम बिना किसी भय के शिक्षा के विस्तार की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ सकते हैं।

सबसे पहले अब राज्य के सुदूर अंचलों में नए स्कूलों और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना संभव होगी। जिन क्षेत्रों में कभी बच्चे बंदूक की आवाज़ सुनते थे, वहां अब किताबों की सरसराहट और बच्चों की हंसी गूंजेगी। शिक्षा का यह वातावरण न केवल साक्षरता बढ़ाएगा, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव भी लाएगा।

दूसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन शिक्षकों की नियमित उपस्थिति और गुणवत्ता में सुधार के रूप में आएगा। पहले सुरक्षा कारणों से कई स्थानों पर शिक्षकों की तैनाती कठिन थी, लेकिन अब योग्य और प्रशिक्षित शिक्षक निर्भय होकर अपनी सेवाएं दे सकेंगे। इससे शिक्षा का स्तर निश्चित रूप से ऊंचा उठेगा।

तीसरा, डिजिटल शिक्षा और स्मार्ट क्लासरूम का विस्तार अब वास्तविकता बनेगा। इंटरनेट और तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर हम ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच की दूरी को कम कर पाएंगे। ई-लर्निंग, वर्चुअल क्लासेस और डिजिटल कंटेंट के माध्यम से बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ा जाएगा।

चौथा, स्कूल ड्रॉपआउट दर में कमी आएगी। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कई बच्चे पढ़ाई बीच में छोड़ देते थे, लेकिन अब सुरक्षित वातावरण में अभिभावकों का विश्वास बढ़ेगा और बच्चे निरंतर शिक्षा से जुड़े रहेंगे।

पांचवां, कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा को भी नई दिशा मिलेगी। आईटीआई, पॉलिटेक्निक और स्किल डेवलपमेंट सेंटर अब उन क्षेत्रों तक पहुंचेंगे, जहां पहले पहुंचना कठिन था। इससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में, शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। हमारा लक्ष्य केवल स्कूल खोलना नहीं, बल्कि एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करना है, जो बच्चों को ज्ञान, कौशल और संस्कार तीनों प्रदान करे।

आज का यह समय हमारे लिए एक नई शुरुआत का अवसर है। नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ में शिक्षा ही वह माध्यम बनेगी, जो प्रदेश को विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएगी। हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि हर बच्चे तक शिक्षा की रोशनी पहुंचे और छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी शिक्षा राज्यों में अपना स्थान बनाए।

जहां पहले अंधकार था, वहां अब ज्ञान का प्रकाश फैलेगा—यही नया छत्तीसगढ़ है।

(लेखक छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री हैं।)

आधी आबादी की सदन में बढ़ेगी भागीदारी

प्रेम शर्मा

सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम (106वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम) में तत्काल प्रभाव से संशोधन लाने की संभावना है, जिसके तहत लोकसभा , राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत (एक तिहाई) आरक्षण अनिवार्य है। यह कोटा अब नए परिसीमन (निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण) के पूरा होने से पहले ही लागू हो जाएगा। वर्तमान अधिनियम के अनुसार, इसे 2029 में लागू किया जाना था, इसलिए यह बदलाव किया जा रहा है। भारत ने अपनी आजादी के साथ ही महिलाओं को पुरुषों के बराबर मतदान का अधिकार देकर एक स्वच्छ राजनीति परम्परा की शुरूआत की थी। लेकिन राजनीति में उनकी बराबर भागीदारी आज भी दयनीय है। साल 1996 में एचडी देवेगौड़ा की सरकार में पहली बार महिला आरक्षण बिल लाया गया था और तब से तीन दशकों में चार असफल प्रयास हो चुके हैं। अब सरकार ने बिल पास करने के लिए 16 से 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। सम्भव है कि इस बार मोदी सरकार कुछ ऐतिहासिक कर पाए। मोदी सरकार लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की 33 प्रतिशत हिस्सेदारी की संवैधानिक व्यवस्था को शीघ्र लागू करना चाहती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 आगामी जनगणना के पश्चात होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू होना है। वर्ष 2027 में जनगणना और 2028 में परिसीमन होगा। इसमें दो वर्ष का समय लगेगा। इस स्थिति में 2030 से ही महिला आरक्षण लागू हो सकेगा और लोकसभा चुनाव में तो 2034 से लागू हो पाएगा। इस हिसाब से महिलाओं को 33 प्रतिशत राजनीतिक हिस्सेदारी देने में 8 से 11 वर्ष का समय लग सकता है लेकिन मोदी सरकार परिसीमन की अनिवार्यता से महिला आरक्षण को मुक्त कर उसे जल्द लागू करना चाहती है। वैसे भी वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5 प्रतिशत थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए।आधी आबादी को विधानसभा एवं लोकसभा में प्रतिनिधित्व देने की यह पहल स्वागतयोग्य है। लागू परिसीमन के अनुसार सभी राज्यों में अभी 4,123 विधायक हैं, जिनमें 392 महिलाएं हैं। 33 प्रतिशत आरक्षण से उनकी संख्या बढ़कर 1,300 से अधिक हो जाएगी। वर्तमान लोकसभा में 75 महिलाएं हैं। आरक्षण के प्रविधान के बाद 2029 के लोकसभा चुनाव में 181 महिलाएं चुनी जाएंगी। यह महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण का ऐतिहासिक अवसर होगा। जब सदन में ज्यादा महिलाएं होंगी, तो आधी आबादी से जुड़े मुद्दों को ज्यादा आवाज मिलेगी। उनकी समस्याओं पर ज्यादा सटीक और संवेदनशील चर्चा हो सकेगी, जिससे नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं की अनगिनत उपलब्धियों के बावजूद राजनीति उन कुछ क्षेत्रों में है, जहां उन्हें बराबर मौके नहीं मिल पाते। महिला आरक्षण बिल इस कमी को दूर करेगा। इस बदलाव का असर पूरे समाज पर पड़ेगा। महिला आरक्षण का सवाल सिर्फ सीटों का बंटवारा नहीं, भारत के लोकतंत्र को और संतुलित व न्यायपूर्ण बनाने का मुद्दा है। मौजूदा लोकसभा में महज 14 प्रतिशत महिला सांसद और विधानसभाओं में केवल 10 प्रतिशत महिला विधायक होना आधी आबादी के हिसाब से नैसार्गिक न्याय के विपरीत है। गत दिवस पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल में एक चुनावी रैली में महिलाओं से विपक्षी दलों पर दबाव बनाने की अपील करते हुए कहा कि संसद में महिला आरक्षण बिल बिना किसी विरोध के पास होना चाहिए। वैसे तो आदर्श स्थिति तो यह होगी कि बिल को हर दल का साथ मिले, दबाव बनाने और विरोध की नौबत ही न आए। देर से ही सही, कम से कम अब इस काम को अंजाम तक पहुंच जाना चाहिए।नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीति में कम हिस्सेदारी को सुधारने का प्रयास है। आबादी में लगभग आधी हिस्सेदारी के बावजूद संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद कम है। लंबे इंतजार के बाद यह कानून लोकतंत्र को संतुलित बनाएगा, नीतियों में महिलाओं की आवाज बढ़ाएगा और राजनीति में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वैसे भी 'आधी आबादी' की पूरी आज़ादी और नारी सशक्तीकरण की बात तब तक पूरी नहीं होगी जब तक संसद और राज्य विधायिका में महिलाओं के लिए कम-से-कम एक-तिहाई राजनीतिक प्रतिनिधित्व आरक्षित व सुनिश्चित न हो जाए।यह भी सुनिश्चित करना होगा कि महिलाओं की हिस्सेदारी केवल उपस्थिति तक सीमित न रहे।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

अब मुझको हंसने से लगता है डर ज़रा मुस्कराए थे बड़े दर्द पाए। दिल तो दिल ही है, सिसकते रहे हम पलकों ने रो रो कर आंसू बहाए। लगे ज़ख्म गहरे मिले हैं, कई ग़म अब तक भी देखो, पलकें हैं नम कहा जब जमाने ने कुछ गुनगुनाओ रुंधे कंठ से गीत, हमने सुनाए। भंवर तेज थीं वो , दूर थे किनारे मन को लगा था, अब हम तो हारे पतवार टूटी न कोई था मांझी दुआ की लहरों ने साहिल दिखाए।

– अजय कुमार भदौरिया कवि

लूडो के पासे... अब खड़कते सिर्फ मोबाइल पे शतरंज की नहीं बिछती बिसात समय के भंवर में अब तो... बचपन खो चला चुपचाप याद कर बचपन को,होवे पश्चाताप बड़े हुए तो शुरू हुआ,खेल जिंदगी का शह और मात।

– शत्रुंजय तिवारी

जब गांधी जी ने विदेशी-वस्त्रों को जलाने के लिए कहा था तब देश में कितनी गरीबी थी ... वो कह सकते थे... आगे से विदेशी वस्त्र मत खरीदना... लेकिन , एक बेहतर नयी शुरुआत के लिए... जलाना पड़ता है वो सब कुछ जो मंगलमय नवजीवन के लिए जरूरी हो।

– तनु देहलवी

मेरे हर मुश्किल पल में तू हाथ दुआ का लगता है जिस दर मैं महफूज़ रहूं तू वही शिवाला लगता है पूर्वजन्म का कुछ बंधन है तुझसे मेरी डोर जुड़ी कोई रिश्ता न होकर भी तू अपना सा लगता है।

– पूजा बंसल

एक "काश" हर फैसले के बाद सालता है। "शायद" यही सोच ग्लानि बनकर लौटती है। हम संभलते हैं, फिर भी ये सिलसिला रुकता नहीं। परिस्थितियाँ बदलती हैं, वक़्त गुजरता है, पर मन का एक कोना वैसा ही रहता है। आख़िर में हर "काश" यही सिखाता है कि हम फैसलों के साथ जीना सीख लेते हैं और वही एक "काश" अगली बार बेहतर बनने की वजह बन जाता है। **– सीमा नागर**

न जाने भारत में कैसे कैसे लोग हैं जिन्हें वर्तमान समय में भारत की प्रगति से भी चिढ़ मच जाती है ? स्थिति यहां तक है कि कोई सदन में जनता के हित की बात करता है तो वह भले ही उनकी पार्टी का हो दुश्मन माना जाता है। जैसे आंकड़े नहीं छिपते वैसे वर्तमान समय में किया गया इन लोगों का व्यवहार भी इतिहास में दर्ज रहेगा।

– नवीन शंकर शर्मा

प्रेम कभी मरता नहीं, मर जाता इंसान। इसीलिए मर कर अमर, हैं मीरा रसखान।। यादों के गुलदान में, रही सजाती फूल। बिन तेरे लेकिन सजन,जीवन बगिया शूल।। प्रेम उज्ज्वला वृष्टि है, गिरती तरल अबाध्य। बंजर जीवन को सदा, करती सरल असाध्य।। **– अंशु विनोद गुप्ता**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज भी आपकी दिनचर्या असामान्य रहेगी। सेहत में सुधार आएगा परन्तु आपकी लापरवाही के कारण तकलीफ दोबारा हो सकती है।

वृष: आज का दिन भी आपके अनुकूल रहेगा। फिर भी आज किसी पर भी आवश्यकता से अधिक विश्वास ना करें ना ही किसी को मन के भेद बताये बाद में परेशानी होगी।

मिथुन: आज का दिन भी धन धान्य में वृद्धिकारक बना रहेगा। दिन के आरंभ से ही कार्यो को लेकर गंभीर रहेंगे लेकिन महिलाये हर काम मे नखरे करेंगी।

कर्क: आज का दिन भी आपके लिए शुभ है लेकिन आज अतिआत्मविश्वास एवं अहम की भावना के कारण हानि एवं आपसी मनमुटाव रहेगा।

सिंह: आज आप अन्यलोगों को नैतिक आचरण सिखाएंगे परन्तु इसे अपने ऊपर लागू ना करने से हास्य के पात्र बनेंगे। महिलाये स्वार्थ वश अत्यंत मीठा व्यवहार करेंगी।

कन्या: आज के दिन आपका मुख्य उद्देश्य धन प्राप्ति के साथ सुख सुविधाओं में भी वृद्धि करना रहेगा परन्तु इसमे आंशिक सफलता ही मिल सकेगी फिर भी आध्यात्म से जुड़े रहने के कारण इच्छा पूर्ति ना होने पर भी ज्यादा विचलित नही होंगे।

तुला: आपकी आज की दिनचर्या भी उथल-पुथल रहेगी। आज आपके आचरण से किसी ना किसी को परेशानी होगी आप अपने बड़बोले पन के कारण स्वयं ही मुसीबतों को न्योता देंगे।

वृश्चिक: आज आपके मन की चंचलता एवं स्वभाव में उद्दंडता को छोड़ शेष सब उत्तम रहेगा। परिजनों अथवा बाहरी लोगों से बेबाकी से पेश आना भारी पड़ सकता है।

धनु: आज के दिन भी परिस्थितियां आपके लिये प्रतिकूल ही रहेंगी। स्वास्थ्य के साथ ही धन हानि के योग बन रहे है। नए कार्य का आरंभ फिलहाल टालें पुराने अधूरे कार्य पूर्ण करने पर अधिक ध्यान दे समय पर कार्य पूरे ना करने पर सम्मान हानि हो सकती है।

मकर: आज का दिन आपके लिए अवश्य कोई शुभ समाचार देगा। आज आप दिन भर किसी ना किसी कारण से व्यस्त ही रहेंगे व्यस्तता को धन के साथ ना जोड़े अन्यथा मानसिक संताप रहेगा।

कुंभ: आज का दिन आपके लिये सुनहरे अवसर प्रदान करेगा इसका समय रहते लाभ उठायें कल की अनुकूल परिस्थिति आज की मेहनत से ही बनेगी। आज दिन का पहला भाग थोड़ा अस्त व्यस्त रहेगा आवश्यक कार्य लेटलतीफी के कारण विलम्ब से पूर्ण होंगे।

मीन: आज के दिन आप योजनाए तो बहुत बनाएंगे परन्तु किसी ना किसी अभाव के कारण इन्हें पूरा नही कर पाएंगे।

QUIZ TIME

1) माउंट एरेबस, हाल ही में समाचारों में देखा गया, किस महाद्वीप में स्थित है?

2) हाल ही में खबरों में रही नौका बैच किस राज्य की पारंपरिक नौका दौड़ है?

3) प्रोजेक्ट नेक्सस का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

4) हाल ही में समाचारों में देखी गई एलुलोज़ क्या है?

5) सूदासरी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड ब्रीडिंग सेंटर, जो समाचारों में देखा गया था, किस राज्य में स्थित है?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) अंटार्कटिका (2) पश्चिम बंगाल (3) तत्काल सीमा पार खुदरा भुगतान सक्षम करने के लिए (4) मिठास देने वाला एजेंट (5) राजस्थान

पहेली

पावर प्लांट-2 के टर्बाइन सेक्शन में ब्लास्ट, 2 बीएसपी कर्मियों सहित 7 घायल

■ **भिलाई इस्पात संयंत्र के अंदर बढ़ाई सुरक्षा व्यवस्था**

भिलाई/नवप्रदेश। बीएसपी के पावर प्लांट-2 में मंगलवार को सुबह करीब 10 बजे भीषण आग लग गई। जानकारी के अनुसार टर्बाइन सेक्शन में ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई और पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया। घटना के समय प्लांट के भीतर मौजूद कर्मचारियों ने हालात बिगड़ने पर पीछे के रास्ते से बाहर निकलकर जान बचाई। फायर ब्रिगेड के 6 से अधिक वाहनों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का काम शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हादसे में 7 से अधिक बीएसपी कर्मियों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टर्बाइन में अचानक तेज आवाज के साथ ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद आग की लपटें तेजी से फैल गईं। कुछ ही मिनटों में पावर प्लांट का बड़ा हिस्सा धुएं से भर गया। आसमान में धुएं और आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। दो बीएसपी कर्मचारी और तीन ठेका श्रमिक घायल हुए हैं, जबकि एक कर्मचारी के पैर में फ्रैक्चर होने की खबर मिली है। सभी घायलों को सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ घायलों को पहले मेन मेडिकल पोस्ट में प्राथमिक उपचार दिया गया।

आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। शुरुआती अनुमान के अनुसार टर्बाइन सेक्शन में तकनीकी खराबी या दबाव बढ़ने से ब्लास्ट होने की संभावना जताई जा रही है। घटना के बाद प्लांट के अंदर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। आग पूरी तरह बुझने और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही नुकसान और घटना के कारणों की सटीक जानकारी सामने आएगी।

कर्मचारियों को सुरक्षित निकाला गया

आग लगने के दौरान स्विचगियर कक्ष और कंट्रोल रूम में मौजूद सभी कर्मचारियों और श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, बाहर निकलने के दौरान भगदड़ में एक संविदा कर्मचारी के पैर में फ्रैक्चर हो गया।

7 कर्मचारियों को अस्पताल भेजा गया

एहतियात के तौर पर 2 नियमित कर्मचारियों और 5 संविदा श्रमिकों को सेक्टर-9 अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज किया गया। सभी की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

न्यूज गैलरी

अत्याधुनिक मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन से होगी सड़कों की सफाई

दुर्ग। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में नगर निगम प्रशासन ने अहम कदम उठाया है। शहर में बढ़ती धूल की समस्या को नियंत्रित करने और वायु गुणवत्ता सुधारने के लिये निगम द्वारा अत्याधुनिक मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों से सड़क की सफाई शुरू की गई है। आज महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकार, पार्षद देव नारायण तांडी, अभियंता विनीता वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, कर्म शाला अधीक्षक शोएब अहमद सहित निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना कर मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अत्याधुनिक मशीन वैक्यूम वायु तकनीक पर आधारित है, जो सड़कों पर जमा धूल, रेत व छोटे मलबे को प्रभावी ढंग से हटाती है। इससे न केवल सफाई बेहतर होगी, बल्कि धूल प्रदूषण में भी कमी आएगी। अब मुख्य सड़कों सहित शहर की सभी चौड़ी सड़कों और कॉलोनियों में मैन्युअल झाड़ू के स्थान पर मशीनों से सफाई की जाएगी। गलियों में सफाई की जिम्मेदारी कर्मियों को दी जाएगी। शुभारंभ के दौरान महापौर ने कहा कि नगर निगम शहर को स्वच्छ, सुंदर और धूल मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। मशीनीकृत सफाई व्यवस्था से शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर होगी।

आईआईटी भिलाई के शोधकर्ताओं ने जीता कॉमेंडेबल आइडिया अवार्ड

भिलाई। आईआईटी भिलाई के रसायन विज्ञान विभाग के एक शोध समूह के प्रयासों को एचपीसीएल (एनजीआईसी 2025) में कॉमेंडेबल आइडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम 30 मार्च को बेंगलुरु में आयोजित किया गया था, जिसका आयोजन एचपीसीएल ग्रीन आर एंड डी सेंटर द्वारा किया गया। इस समूह में भानेंद्र साहू, सुब्रत दोलुई, स्वरूप माईती, देबाशीष दास, केसी गुरजाला और डॉ. संजीब बैनर्जी शामिल हैं। एचपीसीएल एनजीआईसी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड का एक प्रमुख नवाचार मंच है, जिसका उद्देश्य ऊर्जा, पर्यावरण और सततता से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों के समाधान हेतु उन्नत विचारों की पहचान और प्रोत्साहन करना है। यह मंच देशभर के शोधकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाकर वैज्ञानिक विचारों को वास्तविक और प्रभावी समाधानों में बदलने के लिए एक प्रतिस्पर्धात्मक और गतिशील वातावरण प्रदान करता है। यह पुरस्कार वेस्ट टू वेल्थ शीर्षक वाले शोध कार्य के लिए प्रदान किया गया, जिसे सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलर इकोनॉमी थीम के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया था। यह शोध कार्य टीम द्वारा किया गया, जिसमें स्वरूप माईती ने कार्यक्रम में समूह का प्रतिनिधित्व करते हुए कार्य प्रस्तुत किया और टीम की ओर से पुरस्कार प्राप्त किया। इस शोध से संबंधित दो वैज्ञानिक प्रकाशन हो चुके हैं और इस तकनीक को एक भारतीय पेटेंट भी प्राप्त हुआ है। यह मान्यता इस शोध की वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार क्षमता और वास्तविक जीवन में इसके प्रभावी अनुप्रयोग को दर्शाती है, जो महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान की दिशा में एक सशक्त कदम है।

कॉमेडियन गौरव कपूर का खास शो 11 को

भिलाई। ट्विनसिटी में इस बार हंसी सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि किसी का भविष्य संवारने का जरिया बनने जा रही है। 11 अप्रैल की शाम को हर ठहाका शिक्षा के उजाले से जुड़ जाएगा। मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन गौरव कपूर अपने दमदार अंदाज और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग के साथ दुर्ग के पृथ्वी पैलेस (शिवनाथ नदी रोड) में लाइव परफॉर्म करेंगे। यह खास चैरिटी फंड रेजर शो रोटरी क्लब दुर्ग और भिलाई राउंड टेबल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस फैमिली एंटरटेनमेंट शो में दर्शकों को हंसी का फुल डोज मिलेगा। शो से मिलने वाली पूरी राशि नर्धा स्थित उच्चतर माध्यमिक शाला में 8 नए क्लासरूम बनाने के लिए इस्तेमाल की जाएगी। आयोजन को सफल बनाने में रुंगटा यूनिवर्सिटी और सिल्क रूट की अहम भूमिका है। रोटरी क्लब दुर्ग वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में सक्रिय है। भिलाई राउंड टेबल ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। संस्था ने बिरेभाट, कोडिया, समोदा, कोसा नगर, बापू नगर, भसीन, ननखट्टी, धौर और बोरी सहित कई क्षेत्रों में अब तक 48 कक्षाएं और शौचालय ब्लॉक बनवाए हैं। बच्चों को भोजन के बर्तन, जूते, मफलर और वाटर फिल्टर जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। अब तक संस्था करीब 2 करोड़ रुपये समाज सेवा में खर्च कर चुकी है। शो की टिकट बुक माई शो और मो. 9302636635 पर संपर्क कर आसानी से बुकिंग कर सकते है।

प्रयास आवासीय विद्यालय के लिए ऑनलाइन आवेदन 17 अप्रैल तक

दुर्ग। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रयास आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9 वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 17 अप्रैल तक निर्धारित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट और एनडीए की तैयारी कराना है। प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

पार्ट-टाइम जॉब के नाम पर 10.60 लाख की ठगी, आरोपियों को 7-7 साल की सजा

दुर्ग/नवप्रदेश। टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब के नाम पर 10.60 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों को दोषी करार दिया है। इस मामले में दोनों आरोरियों को 7-7 साल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने तीन आरोपियों को बरी कर दिया।

25 जून 2025 को टेलीग्राम के माध्यम से शिकायतकर्ता की पत्नी के टेलीग्राम आईडी पर पार्ट टाइम जॉब का झांसा दिया गया था। यूट्यूब वीडियो को लाइक और कमेंट करने के बदले पैसे मिलने का लालच दिया गया। शुरुआत में आरोपियों ने छोटे-छोटे भुगतान किये। इसके बाद टास्क पूरा करने के नाम पर पीड़ित से बड़ी रकम जमा कराने का झांसा दिया गया। रकम अलग-अलग यूपीआई आईडी और बैंक खातों के माध्यम से ट्रांसफर कराई गई।

कोर्ट के समक्ष पेश साक्ष्यों से स्पष्ट हुआ कि आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से पीड़ित को पहले लाभ दिखाया और फिर उसे बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया। पीड़ित से पहले 1010 रुपए, फिर 28,500 रुपए और उसके बाद 78,888 रुपए मांगे गए। इसके बाद लाखों रुपए की मांग की गई। हर बार अकाउंट फ्रीज होने या क्रेडिट स्कोर कम होने जैसे नए बहाने बताकर रकम वसूली गई। पीड़ित से कुल 10,60,912 रुपए की ठगी की गई, जिसे अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई माध्यमों से ट्रांसफर किया गया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना दुर्ग में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, बैंक स्टेटमेंट और डिजिटल ट्रेल से आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि आरोपी महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश से जुड़े हैं। आरोपियों ने फर्जी टेलीग्राम आईडी, बैंक खाते और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर ठगी की। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 9 गवाहों को पेश किया, जिनमें पीड़ित स्वराज बेनर्जी और पत्नी प्रमुख थे। अदालत ने डिजिटल अपराध की प्रकृति को देखते हुए पहचान न होने को अपराध नकारने का आधार नहीं माना। बैंक खातों के स्टेटमेंट और लेनदेन रिकॉर्ड महत्वपूर्ण साक्ष्य माने गए, जिससे ठगी की पुष्टि हुई। न्यायालय ने कहा कि साइबर अपराध में प्रत्यक्ष पहचान आवश्यक नहीं। टेलीग्राम और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म की बातचीत, बैंक ट्रांजैक्शन और तकनीकी साक्ष्य पर्याप्त आधार हैं।

साक्ष्य के आधार पर सचिन नलगे और हेमंत कुशवाहा को दोषी पाया गया। दोनों को 7-7 साल का सश्रम कारावास और जुर्माना सुनाया गया। आईटी एक्ट के तहत अतिरिक्त 3 वर्ष की सजा भी दी गई। तीन आरोपी रोहित राजेंद्र राउत, साहिल संतोष गोडसे और समीर सुभाष शिंदे साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त हुए।

गैस सिलेंडर न मिलने पर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

भिलाई/नवप्रदेश। भिलाई-3 के ग्राम करसा में एचपी गैस सिलेंडर की सप्लाई न होने से नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार को सुबह चक्काजाम कर दिया। ग्रामीण सड़क पर बैठ कर गैस एजेंसी के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित होने के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही पुरानी भिलाई थाना पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।

ग्रामीणों को समझाइश देकर चक्काजाम समाप्त कराया गया। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 20 दिनों से गांव में गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है। कई बार एजेंसी के चक्कर लगाने के बावजूद ग्रामीण खाली हाथ लौट रहे हैं। घरों में खाना बनाने में कठिनाई हो रही है और लोगों को लकड़ी और अन्य विकल्पों का सहारा लेना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर विरोध जताया।

ग्रामीणों ने बताया कि शताक्षी गैस एजेंसी से समय पर गैस सिलेंडरनहीं मिल रही है। कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। कुछ दिन पहले इसी गैस एजेंसी में बाउंसर ने ग्राहकों से मारपीट की थी, जिससे लोगों में नाराजगी थी।

महापौर ने पेश किया 223 करोड़ का बजट, कार्यकाल के अंतिम वर्ष में 12.08 लाख लाभ

रिसाली/नवप्रदेश। महापौर शशि सिन्हा ने मंगलवार को 223 करोड़ 51 लाख का 2026-27 के लिए बजट प्रस्तुत की। सभापति केशव बंछोर की अध्यक्षता में महापौर के बजट अभिभाषण प्रस्तुत करने के सवा तीन घंटे बाद विशेष सभा में बजट संकल्प पारित किया गया।

महापौर शशि सिन्हा ने बजट पेश करते हुए कहा कि वर्ष 2026-27 नगर पालिक निगम रिसाली के वित्तीय योजनाओं का महत्वपूर्ण बजट है। रिसाली को स्वच्छ सुंदर व्यवस्थित और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है। उन्होंने अपने बजट अभिभाषण में वर्ष 2025-26 में हुए कार्यों को उपलब्धि पूर्ण बताया। महापौर शशि सिन्हा ने बजट अभिभाषण में अब तक किए कार्यो का उल्लेख करते हुए उपलब्धियां भी गिनाई। चर्चा के बाद सभापति केशव बंछोर ने शाम 6:15 बजे बजट को विशेष सभा में अंगीकार कराया। महापौर के बजट अभिभाषण के बाद सभापति केशव बंछोर ने बजट पर चर्चा के लिए सदन के विशेष सभा में उपस्थित पार्षदों को चर्चा के लिए आमंत्रित किया। कुछ देर बाद सभापति ने 20 मिनट टी ब्रेक करने अवकाश की घोषणा की।

सदन के पुनः आरंभ होने पर विशेष सभा में नेता प्रतिपक्ष विधि यादव और सत्तापक्ष के पार्षद चन्द्रभान ठाकुर के बीच काफी बहस हो गई। प्लेसमेंट कर्मचारी की दुर्घटना में मृत्यु पर जिम्मेदारी के मामले में विपक्ष ने कई सवाल दागे। इसी दौरान गुस्साए विपक्षी पार्षद गर्भगृह में आकर बैठ गए। सत्तापक्ष के पार्षद चन्द्रभान ठाकुर ने ईडब्ल्यूएस की जमीन का विवरण बजट पुस्तिका में न होने का उल्लेख करते हुए सदन में प्रश्न उठाया था। अधोसंरचना मद के तहत 182 निर्माण कार्यो के लिए 13 करोड़ 36 लाख का प्रावधान किया गया है। केन्द्र प्रवर्तित योजना 15वें वित्त अंतर्गत 21 करोड़ 47 लाख की लागत से कार्य कराए जाऐंगे। इस कार्य में डामरीकरण, मार्ग संधारण, सड़क पेच रिपेयरिंग, पाइप लाइन विस्तारीकरण, ओवर हेड टैंक निर्माण, वाहन आदि कार्य शामिल है। नगरोत्थान योजनांतर्गत 17 करोड़ 23 लाख की लागत से विकास कार्य पूर्ण किए जाएंगे। सीएसआर मद से 1 करोड़ 32 हजार की लागत से अलग-अलग वार्डो में कार्य किए जाऐंगे। पार्षद निधि से 2 करोड़ 40 लाख की स्वीकृति दी गई है। महापौर निधि से 1 करोड़ 12 लाख के निर्माण और विकास कार्य सामाग्री क्रय स्वीकृत किया गया है।

रिसाली निगम क्षेत्र में 6 महिला समूहों द्वारा वुमेन फॉर ट्री योजना के तहत पौध रोपण कर उसकी देखभाल करने की जानकारी दी। महापौर शशि सिन्हा ने सदन को अवगत कराया कि नागरिकों को घर बैठे टैक्स भुगतान सुविधा उपलब्ध कराया गया है। यूपीआई, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड के माध्यम से नागरिक टैक्स भुगतान कर रहे है। नागरिकों को निगम प्रशासन वाटसएप के माध्यम से टैक्स संबंधी जानकारी दे रहे है। उपरोक्त सुविधा से लगभग 27 हजार लोग लाभान्वित हुए है।

एक नजर आय व्यय पर

कुल प्राप्तियां 223 करोड़ 51 लाख
कुल व्यय-223 करोड़ 38 लाख 92 हजार
बजट लाभ- 12 लाख 8 हजार

हनुमान जयंती पर सेवा वाहिनी का विशाल भंडारा

भिलाई/नवप्रदेश। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा आज विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सेवा वाहिनी द्वारा लगातार 15 वें वर्ष भंडारे का आयोजन किया गया है, जिसमें हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धा, सेवा और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला। जय हनुमान सेवा वाहिनी एक गैर-राजनीतिक संगठन है, जो निरंतर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। संस्था के मुख्य संरक्षक भिलाई शहर के युवा विधायक देवेंद्र यादव हैं, जिनके मार्गदर्शन में यह सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर भिलाई के प्रमुख चौक सेक्टर 1 चौक, बीएसएनएल चौक, 25 मिलेनियम चौक, सीसी चौक, ग्लोब चौक, सेक्टर 8 चौक और सेक्टर 9 चौक को भगवा रंग से भव्य रूप से सजाया गया। मंदिरों की विशेष सजावट भी सेवा वाहिनी द्वारा कराई गई। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धूप से बचाव हेतु सुव्यवस्थित पंडाल की व्यवस्था की गई। विशाल भंडारे में लगभग 30,000 लोगों के प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। समिति के सदस्य एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, सुमित सिंह पवार, राकेश श्रीवास्तव,अफरोज खान, आशीष शुक्ला, अभय प्रताप सिंह, शरद मिश्रा, दीपांशु वर्मा सक्रिय रहे।

बीएसपी में व्यवहारिक सुरक्षा और सहभागिता पर विशेष जोर

भिलाई/नवप्रदेश। बीएसपी के बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) विभाग में मार्च के अंतिम सप्ताह में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया। सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष योगेश शास्त्री द्वारा किया गया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग) डी. सतपथी और मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम) योगेश शास्त्री की गरिमामयी उपस्थिति रही। सामूहिक सुरक्षा शपथ के साथ सुरक्षा जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसके माध्यम से सभी कर्मियों ने सुरक्षित कार्य व्यवहार को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर ठेका कर्मी भानबाई ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। विभागीय सुरक्षा अधिकारी शशांक शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का सुरक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विभाग में संचालित विभिन्न सुरक्षा पहलों और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सुरक्षा से समझौता करके एक टन का उत्पादन भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से सुरक्षा को अपनी कार्यशैली एवं जीवनशैली में आत्मसात करने का आह्वान किया। सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत संविदा श्रमिकों व बीएसपी कर्मचारियों के लिये प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन यंत्रों का सजीव प्रशिक्षण प्रदान किया गया। राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड एनओएचएससी के दिनेश ग्वाल ने प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया। टूल बॉक्स टॉक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

उपलब्धि: रूंगटा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने प्लास्टिक का देसी विकल्प खोजा, रिसर्च के लिए मिले 32 लाख

खेतों के कचरे से तैयार होगा नया पैकेजिंग प्लास्टिक

भिलाई/नवप्रदेश। प्लास्टिक की पानी की बोतल और उसके ढक्कन या खाने का डिब्बा इस्तेमाल करने के बाद इसे कचरे में नहीं फेंका जाएगा। भिलाई की रूंगटा यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ने खेतों के कचरे से नई तकनीक विकसित की है। इस तकनीक से प्लास्टिक की बोतल या खाने के डिब्बे कुछ ही महीनों में मिट्टी में मिलकर खाद बन जाएंगे।

प्लास्टिक का सस्ता, मजबूत और पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल विकल्प बनेगा। इस तकनीक में बांस के रेशे, इमली के बीज का पाउडर, स्टार्च और बायोपॉलिमर (पीएलए) मिलाकर एक खास बायोकॉम्पोजिट तैयार किया गया है। यह पूरी तरह स्वदेशी और प्राकृतिक संसाधनों से बना है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह उपयोग के समय मजबूत रहे और उपयोग के बाद आसानी से मिट्टी में मिल जाए। यानी अभी तक जो काम प्लास्टिक कर रहा है, वही अब यह नई तकनीक करेगी। इससे पानी की बोतल से लेकर सब कुछ बनाया जा सकेगा।

इस प्रोजेक्ट को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की रिसर्च प्रमोशन स्कीम के तहत 32.56 लाख रुपए का सहयोग मिला है, जिससे इसे बाजार तक लाने की प्रक्रिया तेज हुई है। इसके साथ ही इसको कर्मशियल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर रिसर्च भी की जा रही है। तकनीक का ईजाद करने वाले एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अग्निवेश सिन्हा ने बताया कि इस मटेरियल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह लगभग 170 दिनों में 90 प्रतिशत से ज्यादा जैव-अपघटित हो जाता है। यानी यह प्लास्टिक की तरह सालों तक नहीं रहता, बल्कि कुछ महीनों में ही मिट्टी में मिलकर खाद बन जाएगा। यह नया पैकेजिंग उत्पाद प्लास्टिक के बराबर मजबूत हैं। इनमें अच्छी ताकत, लचीलापन और नमी व ऑक्सीजन को रोकने की क्षमता है। साथ ही यह खाने-पीने की चीजों के लिए सुरक्षित हैं, इसलिए खाद्य पैकेजिंग के लिए भरोसेमंद विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। यह तकनीक खासतौर पर पैकेजिंग सेक्टर के लिए विकसित की गई है। इसके जरिए बोतलों के ढक्कन, छोटे कंटेनर और खाद्य पैकेजिंग जैसे कठोर उत्पाद बनाए जा रहे हैं।

पर्यावरण को मिलेगी राहत

इस तकनीक से प्लास्टिक का कचरा कम होगा, जिससे जमीन और पानी का प्रदूषण घटेगा। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। यह सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देगा, जिसमें कचरे को ही उपयोगी चीजों में बदल दिया जाएगा। इस कोशिश से खेती का बचा हुआ कचरा अब बेकार नहीं जाएगा। इससे किसानों को अतिरिक्त आय मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर बनेंगे। साथ ही पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

उद्योग के लिए आसान और सस्ता

रूंगटा यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. एजाजुद्दीन ने बताया कि, इस तकनीक को मौजूदा इंजेक्शन मोल्डिंग मशीनों पर ही बड़े पैमाने पर तैयार किया जा सकता है। यानी कंपनियों को नई मशीनों पर खर्च नहीं करना पड़ेगा। इससे उत्पादन सस्ता और आसान रहेगा। यह पूरी तरह स्वदेशी तकनीक है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी और देश में ही उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। फिलहाल यह तकनीक परीक्षण और पायलट स्तर पर है। इसे जल्द ही व्यावसायिक स्तर तक ले जाकर बाजार में उतारने की योजना पर काम तेज हो गया है।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगी है रोक

आज प्लास्टिक दुनियाभर में सबसे बड़ी समस्या बन चुका है। यह आसानी से खत्म नहीं होता और जमीन, पानी व हवा को लंबे समय तक नुकसान पहुंचाता है। सिंगल यूज प्लास्टिक के कारण नदियां गंदी हो रही हैं, फसलें प्रभावित हो रही हैं और लोगों की सेहत पर भी असर पड़ रहा है। इसी वजह से सरकार ने 2022 में इस पर रोक लगाई, लेकिन इसके बेहतर विकल्प की कमी अब तक बनी हुई थी। इस तकनीक के जरिए इस गैप को सही करने की कोशिश दोबारा से शुरू की गई है।

नेशनल हाईवे पर कांग्रेस का चक्काजाम, बेलाट नाला में पुलिया और बैंक की मांग

■ पुलिया के अभाव में ग्रामीणों को होती है भारी परेशानी

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी गरियाबंद के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवभोग के नेतृत्व में सोमवार को नेशनल हाईवे पर जोरदार चक्का जाम कर दो प्रमुख जनहित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया।इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी सड़क पर उतर आएए जिससे काफी समय के लिए यातायात बाधित रहा।

प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग 36 गांवों को जोड़ने वाले बेलाट नाला पर पुलिया निर्माण और झाखरपारा में जिला सहकारी बैंक की स्थापना है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा का कहना है कि पुलिया के अभाव में ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी होती है, खासकर बारिश के दिनों में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं। वहीं झाखरपारा में सहकारी बैंक नहीं होने से किसानों और आम लोगों को बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर जाना पड़ता है।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा सहित जिला पदाधिकारी, क्षेत्रीय विधायक जनक ध्रुव, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष व पदाधिकारी, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। विधायक जनक ध्रुव ने कार्यकर्ताओं के साथ एक स्वर में प्रशासन से जल्द से जल्द इन मांगों को पूरा करने की मांग की।साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गईएतो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। इस दौरान जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा जनक धुव विधायक भुपेंद्र मांझी महेश्वर बघेल कुंजल यादव लोकेंद्र सिंह कोमर्रा महामंत्री सोदर कश्यप राजेश तिवारी नगर पंचायत अध्यक्ष जयकुमार यादवएरामकृष्ण धुव ललिता यादव ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गा चरण अवस्थी उमेश डोंगरे निराकार डोंगरे मानसिंह दुर्गा सांनदो धुर्वा राजकुमार प्रधान गोवर्धन प्रधान मंडल अध्यक्ष बालकृष्ण मोंगराज सुर्यकांत सिंदुर पार्षद दमयंती सोनी अरूण कुमार सोनवानी दिवाधर चुरपाल भंवर सिन्हा उपस्थित थे।

शादी के निमंत्रण को लेकर पीटा

महासमुंद। सरायपाली पुलिस ने मारपीट के मामले में दो लोगों के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि ग्राम कोयलारीडीह निवासी गंगाधर यादव (62) 05 अप्रैल को गांव के नीलमणी पटेल के किराना दुकान गया था, इसी दौरान मोहर साय यादव, धोबीलाल यादव ने अपनी लड़की की शादी में घासीराम को क्यों निमंत्रण दिये हो, कहते हुए गाली- गलौज कर डंडे से पीटा।

न्यूज गैलरी

संत श्रीराम बालक दास का नगरी सिहावा प्रवास, लोगों को किया जागरूक

नगरी/नवप्रदेश। गौ सम्मान आवाहन अभियान के तहत संत श्री राम बालक दास जी का नगरीङ्कसिहावा क्षेत्र में प्रवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर दोपहर 1:00 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के बड़ी संख्या में युवा एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संत श्री राम बालक दास जी ने गोवंश संरक्षण, संवर्धन एवं उनकी वर्तमान स्थिति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने उपस्थित लोगों को गोवंश के महत्व, भारतीय संस्कृति में उनकी भूमिका तथा उनके संरक्षण के लिए समाज की जिम्मेदारी के बारे में प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। साथ ही उन्होंने क्षेत्र के गांव रक्षकों को अपने-अपने गांवों की स्थिति, समस्याओं एवं आवश्यकताओं के बारे में जानकारी साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में डेविड, भारत, ओम, रेखराज, विकास पूनू, देवरथ, बंटी, हितू, नमन, हिमांशु कोसरे, हरिओम एवं निखिल सहित नगरी अंचल के अनेक युवा सक्रिय रूप से शामिल हुए। युवाओं ने भी गो संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाने और अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने गौ सम्मान आवाहन अभियान को सफल बनाने तथा गोवंश की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। क्षेत्र में इस तरह के आयोजनों से युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ती नजर आ रही है।

इनोवा की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम खरोरा में सड़क किनारे खड़ी एक कार को इनोवा कार ने टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को वेंकटेश चंद्राकर ने बताया कि वह कार क्रमांक सीजी 04 एमएन 8888 से 05 अप्रैल की रात करीब 07.45 बजे बजे खरोरा चाय दुकान गया था। उसने कार सड़क किनारे खड़ी की थी। इसी दौरान महासमुंद की ओर से आ रही कार टोयोटा ईनोवा क्रमांक सीजी 04 डीसी 7861 के चालक ने अपने वाहन को तेज व लापरवाही पूर्वक चलाते हुए उसके वाहन को पीछे से टक्कर मार दिया, जिससे कार पेड़ से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। मामले की रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध धारा 281 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

बालिका के अपहरण का आरोपी फरार

महासमुंद/नवप्रदेश। बालिका के अपहरण का आरोपी शौचालय जाने के बहाने पुलिस को चकमा देकर थाने से फरार हो गया। बलौदा पुलिस ने बताया कि ग्राम किसड़ी से लापता एक बालिका के अपहरण मामले के आरोपी लखन उर्फ भोला कुमार को ग्राम बरडीह से गिरफ्तार कर 05 अप्रैल को चिकित्सकीय जांच के लिए सीएचसी सरायपाली लाया गया। जहां डॉक्टर ने संदेही का मुलाहिजा किया। बाद उसे वापस थाना बलौदा लाया गया, जहां संदेही शौचालय गया। जब वह 5-6 मिनट तक नहीं निकला, तब पुलिस ने उसे आवाज दी। कोई जवाब न मिलने पर दरवाजा को धक्का दिया गया, दरवाजा खुलने पर शौचालय के अंदर संदेही नहीं था वह रोशन दान से बाहर निकलकर फरार हो चुका था। खोजबीन के बाद आरोपी के न मिलने पर उसके खिलाफ धारा 262 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

60 हजार का गांजा जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना पुलिस ने परसकोल चौक पुलिया के पास एक व्यक्ति से 60 हजार रुपए का गांजा बरामद किया है। मामले में आरोपी के विरूद्ध नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि परसकोल चौक पुलिया के पास ग्राम परसकोल का राजेश साहू गांजा बिक्री करने ग्राहक की तलाश रहा है। पुलिस ने मौके पर आरोपी के कब्जे से 1.20 किलो गांजा बरामद किया। मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा 20 (ख) नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

नगरीय निकाय कर्मचारियों को केंद्रीय दर का लाभ दिलाने नपाध्यक्ष ने लिखा पत्र

महासमुंद/नवप्रदेश। नगरीय निकाय के कर्मचारियों को नवीन श्रम संहिताओं के अंतर्गत केंद्रीय दर का लाभ प्रदान करने की मांग को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन विकास विभाग मंत्री अरुण साव को पत्र लिखकर कर्मचारियों को शीघ्र राहत देने की मांग की है। नपाध्यक्ष श्री साहू ने पत्र में उल्लेख किया है कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए 4 नवीन श्रम कोड के तहत कर्मचारियों को केंद्रीय वेतनमान एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने का प्रावधान है। इसके बावजूद नगर पालिका एवं अन्य नगरीय निकायों के कर्मचारियों को इनका लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष की स्थिति बनी हुई है।

उन्होंने मंत्री से इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया है, ताकि कर्मचारियों को उनका अधिकार मिल सके। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व ही नगर पालिका के प्लेसमेंट कर्मचारियों ने नपाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर श्रम कानून लागू कर वेतन प्रदान करने की मांग की थी। कर्मचारियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए नपाध्यक्ष ने तत्परता दिखाते हुए मंत्री को पत्र के माध्यम से अवगत कराया।

अब बारिश के दिनों में ग्रामीण कर सकेंगे आना-जाना, सीएम विष्णुदेव साय से उद्घाटन की तैयारी

विष्णु के सुशासन में कमाल, 30 साल संघर्ष के बाद हुआ पुल निर्माण, नहीं होगी दिक्कत

■ मुख्यमंत्री साय से ग्रामीणों ने की पुल के उद्घाटन करने की मांग

जीवन एस साहू

गरियाबंद/नवप्रदेश। अब करोड़ो रूपये की लागत से उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से आदिवासी विकासखण्ड क्षेत्र के मैनपुरकला सहित एक दर्जन गांव पाराटोला के ग्रामीणो को बारिश के दिनो मे परेशानियो का सामना नही करना पड़ेगा और स्कूल बच्चे आसानी से पढ़ाई करने मैनपुर मुख्यालय तक पहुंच पायेंगे साथ ही गांव व क्षेत्र मे अन्य विकास कार्य तेजी से होंगे।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन मे ग्रामीण क्षेत्रो की कनेक्टिविटी को मजबूत करने लगभग 6 करोड़ से भी अधिक की लागत से पुल का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है जिससे ग्रामीणो मे भारी उत्साह देखने को मिल रहा है और ग्रामीणो ने इसके लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मांग किया है कि सीएम विष्णुदेव साय के हाथो इस करोड़ो के पुल का शुभारंभ किया जाये तो इस क्षेत्र मे और भी विकास कार्य होंगे।

पुल उद्घाटन के लिए सीएम को आमंत्रित करेंगे : अनिल चंद्राकर

भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा मुख्यमंत्री विष्णुदेव के नेतृत्व मे पूरे प्रदेश मे तेजी से विकास कार्य हो रहे है मैनपुरकला पुल निर्माण से ग्रामीणो मे भारी उत्साह है और ग्रामीणो के मंशा अनुसार राज्य सरकार को अवगत कराया जायेगा निश्चित रूप से मुख्यमंत्री के आगमन से क्षेत्र मे और विकास कार्यो की सौगाते मिलेगी। श्री चंद्राकर ने कहा राजापड़ाव गौरगांव क्षेत्र मे वर्षो पुराने पुल पुलिया निर्माण की मांग पर भाजपा सरकार ने करोड़ो रूपये के पुल पुलिया की स्वीकृति दिया है।

कई बार चक्काजाम, धरना प्रदर्शन आंदोलन किए

मैनपुर से महज 03 किमी दूर मैनपुरकला नदी में पुल निर्माण की मांग तीन दशक पुराना है यहां वर्षो पहले लोक निर्माण विभाग द्वारा छोटा सा रपटा का निर्माण किया गया था लेकिन वह रपटा वर्ष 2007 में भारी बारिश टूटकर बह गया जिसके बाद से यह मार्ग में आवागमन अवरूद्ध हो गया जहां एक ओर ग्रामीण विभिन्न परेशानियो को झेलते हुए जान की बाजी लगाकर उफनते नदी पार करने मजबुर हो रहे थे वही स्कूल में पढ़ाई करने वाले छात्र . छात्राएं जान जोखिम में डालकर नदी पारकर मैनपुर हाईस्कूल पढ़ाई करने आने मजबुर हो रहे थे और तो और पुराना रपटा टूटने के कारण नदी 20 फीट गहरी हो गई जिसके कारण मरीजो को अस्पताल तक लाने में भारी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा था। गांव तक संजीवनी एक्सप्रेस 108 एवं एंबुलेंस भी आपातकालीन स्थिति में नही पहुंच पाती। गर्भवती महिलाओ को अस्पताल तक पहुंचाने मे भारी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा था लेकिन अब पुल निर्माण हो जाने से सभी समस्याओ का आसानी से समाधान हो गया है।

बागबाहरा में 40 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन

बागबाहरा/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद बागबाहरा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न वार्डों में लगभग 40 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन आज विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल एवं पार्षदगण उपस्थित रहे। भूमिपूजन के अंतर्गत नगर के अलग-अलग वार्डों में सड़क एवं नाली निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे।

प्रमुख स्वीकृत कार्य इस प्रकार हैं: वार्ड क्रमांक 02 (व्यापारी तालाब) में सामुदायिक भवन से राजकुमार पटेल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण (5.61 लाख रुपये) तथा जैन इलेक्ट्रॉनिक से जगतराम साहू के घर तक सी.सी. रोड मरम्मत (7.35 लाख रुपये) की जाएगी। वार्ड क्रमांक 07 में बस स्टैंड से फिरोज खान के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य (9.96 लाख रुपये) किया जाएगा।

वार्ड क्रमांक 13 में नयकिन तालाब से राजकुमार महानंद के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण (8.11 लाख रुपये) होगा। वार्ड क्रमांक 14 में राजकुमार किराना स्टोर्स से बेलो बाई यादव के घर तक सी.सी. रोड निर्माण (4.71 लाख रुपये) तथा आनंद साहू के घर से अनिल अग्रवाल के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण (4.05 लाख रुपये) कराया जाएगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल ने कहा कि नगर में सड़क एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण से नागरिकों को जल निकासी की समस्या से राहत मिलेगी तथा आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होगा।

बूथ 99 में कांग्रेस की बड़ी सेंध, बीजेपी के 20 कार्यकर्ताओं ने थामा हाथ का दामन

गरियाबंद/नवप्रदेश। बूथ गठन को लेकर आयोजित बैठक में राजिम क्षेत्र के बूथ क्रमांक 99 पर राजनीतिक माहौल अचानक गरमा गयाएजब भारतीय जनता पार्टी के 20 सदस्यों ने पार्टी की विचारधारा से दूरी बनाते हुए कांग्रेस का दामन थाम लिया।इस घटनाक्रम से क्षेत्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

बैठक के दौरान पूर्व पंचायत मंत्री अमितेश शुक्ला ने संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया।इसी बीच बीजेपी से जुड़े 20 कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक रूप से कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा कर दी।सभी नवप्रवेशी सदस्यों का कांग्रेस नेताओं द्वारा फूल.माला पहनाकर अमितेश शुक्ला ने स्वागत किया गया। नवप्रवेशी कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे कांग्रेस की नीतियों और जनहितकारी सोच से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। कांग्रेस नेताओं ने इसे संगठन की बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि लगातार लोग पार्टी की विचारधारा से जुड़ रहे हैंएजिससे आने वाले समय में कांग्रेस और मजबूत होगी।वहीं इस घटनाक्रम से बीजेपी खेमे में भी हलचल मच गई है। स्थानीय राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बूथ स्तर पर इस तरह की टूट.फूट आने वाले चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

तीन माह का राशन देने का दावा फेल!

छुरा में अप्रैल का ही पूरा आबंटन नहीं, खाली हाथ लौट रहे हितग्राही : सलीम

छुरा/नवप्रदेश। प्रदेशभर में बड़े जोर-शोर से मनाए जा रहे चावल उत्सव की जमीनी हकीकत छुरा में पूरी तरह अलग नजर आ रही है। जहां सरकार अप्रैल से जून तक तीन माह का राशन एक साथ वितरित करने का दावा कर रही है, वहीं स्थानीय राशन दुकानों में अप्रैल माह का ही पूरा आबंटन नहीं पहुंच पाया है।

वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद एवं राशन दुकान निगरानी समिति के अध्यक्ष सलीम मेमन ने स्थिति पर सवाल उठाते हुए बताया कि वे चावल उत्सव के दौरान वार्ड की राशन दुकान पहुंचे, जहां जानकारी लेने पर जय मां शीतला स्व सहायता समूह के अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि अभी केवल अप्रैल माह का चावल ही प्राप्त हुआ है। न तो शक्कर आई है और न ही चना।

सलीम मेमन ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब एक माह का ही पूरा राशन उपलब्ध नहीं है, तो तीन माह का एक साथ वितरण कैसे संभव होगा।

उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। उन्होंने आगे बताया कि राशन की कमी के चलते हितग्राही निराश होकर वापस लौट रहे हैं। स्थिति यह है कि एपीएल कार्डधारियों का राशन भी अब तक दुकानों तक नहीं पहुंचा है, जिससे आम लोगों में भारी असंतोष देखा जा रहा है।

बेलर-जैतपुरी मार्ग जर्जर, दुर्घटना होने से ग्रामीणों में आक्रोश

नगरी /नवप्रदेश। नगरी विकासखंड के अंतिम छोर पर स्थित बेलर से जैतपुरी तक जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों बेहद जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है विभाग द्वारा पिच रिपेयरिंग का कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है मगर आधे अधूरे किया जा रहा है कई बड़े बड़े गड़े को जगहों को छोड़ दिए हैं ग्रामीण लोगों ने कहा आधे अधूरे कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा रिपेयरिंग कार्य किया जाता रहा है साथ रोड पर छोटे छोटे बड़े गड़े को नहीं भरे जाए कई जगहों पर दिखाई दे रहे हैं कहा जिसमे छोटे छोटे स्कूल बच्चे को परेशानी हो रहा है बड़े वाहन बस जैसे मोटर साइकिल विभिन्न साइड देने में कापी परेशानी होती है कि आवागमन करना ग्रामीणों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। जगह-जगह बड़े गड्ढे, उखड़ी डामर रास्तों के कारण आए दिन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से बेलर, घुरावड़, बरबाधा,भुरसीडोगरी होते हुए जैतपुरी (जिला कांकेर) तक का संपर्क बना हुआ है, लेकिन लंबे समय से सड़क की मरम्मत नहीं होने के कारण स्थिति बद से बदतर हो गई है। खासकर बरसात के मौसम में यह मार्ग पूरी तरह से कीचड़ में तब्दील हो जाता है, रात्रि में आने जाने वाले मोटर साइकिल सवार रोड से दुर्घटना होकर कई लोग की घायल हो चुके है कुछ लोगों की दुर्घटनाम मौत भी हो चुकी है ग्रामीणों ने बताया कि वे कई बार प्रशासन को इस समस्या से अवगत करा चुके हैं और पिच रिपेयरिंग व नए निर्माण की मांग कर चुके हैं।

खट्टी जंगल में मिले शव की हुई पहचान, पुलिस जांच तेज

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम खट्टी के जंगल में सोमवार सुबह मिली अज्ञात युवक की लाश की शिनाख्त हो गई है। मृतक की पहचान ग्राम खैराभांठा, गायत्री मंदिर के पास रहने वाले प्रकाश पटेल (22) के रूप में की गई है। प्रकाश महासमुंद में एक ऑटो पाट्र्स की दुकान में मैकेनिक के रूप में कार्यरत था।

पुलिस के अनुसार, मृतक के संपर्क में रहने वाले लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के माध्यम से उसकी अंतिम लोकेशन और संदिग्ध व्यक्तियों का पता लगाया जा रहा है। जिन लोगों के साथ उसका विवाद हुआ था, उनकी तलाश भी जारी है। उल्लेखनीय है कि सोमवार सुबह खट्टी शराब दुकान के पीछे जंगल में ग्रामीणों ने एक युवक का क्षत-विक्षत शव पेड़ के नीचे पड़ा देखा था। हत्या इतनी बेरहमी से की गई थी कि मृतक का चेहरा पूरी तरह कुचल दिया गया था, जिससे पहचान करना मुश्किल हो गया था।

स्वास्थ्य: उपाध्यक्ष बिजेंद्र दानी ने कहा- महिलाओं का स्वास्थ्य हमारे लिए सर्वोपरि

धमधा स्वास्थ्य केंद्र में एचपीवी टीकाकरण शुरू, सर्वाइकल कैंसर की दी जानकारी

धमधा/नवप्रदेश। स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ के निर्देशन एवं जिला चिकित्सा अधिकारी दुर्ग के मार्गदर्शन में धमधा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 6 अप्रैल से एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखना है।

अभियान के तहत स्वास्थ्य केंद्र में टीकाकरण की विशेष व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम की शुरुआत धमधा नगर पंचायत के उपाध्यक्ष बिजेंद्र दानी द्वारा की गई। इस अवसर पर पार्षद लक्ष्मीनारायण यादव भी उपस्थित रहे। साथ ही इस अवसर पर 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाएं भी बड़ी संख्या में मौजूद रहीं।

इस दौरान उपाध्यक्ष बिजेंद्र दानी ने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य हमारे लिए सर्वोपरि है और इस तरह के टीकाकरण अभियान समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को समय पर टीकाकरण के लिए अवश्य लाएं, ताकि उन्हें गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके।

बीएमओ डॉ. रचना अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्सों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश दिए गए हैं, ताकि टीकाकरण प्रक्रिया सुचारु और व्यवस्थित रूप से संचालित हो सके।

उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाली एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है, जिससे बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अत्यंत प्रभावी साबित होती है। यह टीका बालिकाओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के संक्रमण से बचाकर भविष्य में कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम करता है।

अभियान के अंतर्गत 14 से 15 वर्ष की आयु वर्ग की बालिकाओं को टीका लगाया जाएगा। टीकाकरण का समय प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित किया गया है। टीकाकरण के दौरान अभिभावकों को बालिका का फोटोयुक्त पहचान पत्र एवं आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य होगा।

स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बालिकाओं को अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराएं, ताकि उन्हें भविष्य में गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके।

इस अवसर पर डॉ. प्रफुल्ल धिवर, बीपीएम ऋचा मेश्राम सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

पुलिस का बड़ा एक्शन: अवैध शराब और गांजा कारोबार पर ताबड़तोड़ छापेमारी, 6 गिरफ्तार

एक दर्जन से ज्यादा ग्रामीण है अवैध कारोबार में संलिप्त

बालोद/नवप्रदेश। बालोद थाना क्षेत्र अंतर्गत जगन्नाथपुर और सांकरा में लंबे समय से चल रहे अवैध शराब और गांजा कारोबार पर मंगलवार को बालोद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस कार्रवाई में जगन्नाथपुर से 4 और सांकरा से 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कई अन्य आरोपी अब भी फरार हैं।

नामजद शिकायत के बाद हरकत में आया प्रशासन : गौरतलब है कि ग्राम विकास समिति और पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा 13 से ज्यादा लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत पुलिस को दी गई थी। गांव का माहौल बिगड़ने और युवाओं के भविष्य पर पड़ रहे असर को देखते हुए यह शिकायत की गई थी। अब पुलिस ने उसी आधार पर कार्रवाई शुरू करते हुए कई संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की है। हालांकि सुबह-सुबह हुई छापेमारी में किसी के पास शराब या गांजा बरामद नहीं हुआ। लेकिन लंबे समय से लगातार उन लोगों की शिकायत के चलते उन्हें प्रतिबंधात्मक धारा के तहत गिरफ्तार किया गया।

महिलाओं की भी संलिप्तता की शिकायत : सूत्रों के मुताबिक, इस अवैध कारोबार में दो महिलाओं के शामिल होने की भी शिकायत मिली थी। उनके घर पर भी छापेमारी की गई। बताया जा रहा है कि वे एक रिश्तेदार युवक के जरिए शराब मंगाकर बिक्री करवाती हैं।

10 से ज्यादा घरों पर छापा, मची अफरा-तफरी

पुलिस ने सुबह-सुबह 10 से अधिक घरों पर दबिश दी, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस के पहुंचते ही कई शराब कोचिए वाहन सहित फरार हो गए, जबकि कुछ को मौके से गिरफ्तार किया गया।

घर में चलता है 'चखना सेंटर', 80 की शराब 150 में

सूत्रों के अनुसार, एक आरोपी के घर की छत में चकना सेंटर जैसा माहौल बना हुआ था, जहां भारी मात्रा में खाली शराब की बोतलें मिलीं। जहां सरकारी शराब एक पौवा ?80 में मिलती है, वहीं अवैध रूप से इसे कोचियों द्वारा करीब दुगुने ?150 में प्रति पौवा बेचकर मुनाफा कमाया जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपी कौन-कौन?

जगन्नाथपुर से गिरफ्तार हुए आरोपियों में त्रिभुवन विश्वकर्मा, रेखुलाल साहू, रामा देशमुख और सांकरा से गिरफ्तार आरोपियों में सुरेश ठाकुर, देवनाथ पारधी, जीवन पारधी आदि शामिल हैं। वही जगन्नाथपुर के गोविंद देशमुख को भी हिरासत में लिया गया था। पर उसके खिलाफशराब बेचे जाने का सबूत नहीं मिला । बल्कि मामला यह निकला कि उनका बेटा भूपेंद्र उर्फ पिंटू देशमुख शराब बेचता है, जिस थाने बुलाया गया है, इस शर्त पर उसके पिता को पुलिस ने रिहा किया। अन्य सभी आरोपियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

न्यूज गैलरी

6 कृषि केन्द्रों की जांच में मिली खामी एक में बिक्री पर लगाया प्रतिबंध

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिले के किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री उपलब्ध कराने , अनियमितताओं पर अंकुश लगाने कृषि विभाग द्वारा जिले के विभिन्न कृषि केन्द्रों मे सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान कृषि विभाग उपसंचालक एवं निरीक्षक की संयुक्त टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित 6 कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुछ कृषि केंद्रों में रिकॉर्ड संधारण, स्टॉक रजिस्टर, विक्रय पंजी एवं लाइसेंस संबंधी अनियमितताएं पाई गईं। अधिकारियों ने मौके पर ही संबंधित संचालकों से जवाब तलब किया तथा नियमों के पालन के निर्देश दिए। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कृषि केंद्र संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विभागीय अधिकारियो ने कहा कि संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एक कृषि केंद्र में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर उसके उपलब्ध स्टॉक के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। विभाग ने संबंधित संचालक को सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उपसंचालक कृषि राजकूमार सोलंकी ने बताया कि किसानों को गुणवत्ता युक्त खाद, बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने कृषि केन्द्रो का निरीक्षण अभियान लगातार जारी है।

राजनांदगांव निगम में 8 की सामान्य सभा और 9 की बजट बैठक स्थगित

राजनांदगांव/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम की सामान्य सभा 8 अप्रैल को एवं बजट बैठक 9 अप्रैल 2026 को आहुत की गई थी है। उक्त दोनो बैठक अपरिहार्य कारणो से स्थागित की गयी है। अब सामान्य सभा की बैठक 21 अप्रैल दिन मंगलवार को एवं बजट की बैठक 22 अप्रैल 2026 बुधवार को आहुत की गयी है। बैठक के संबंध में निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा ने बताया कि दिनांक 8 अप्रैल को 7 विषयो की स्वीकृति के लिए आहुत सामान्य सभा की बैठक अपरिहार्य कारणो से स्थगित किया गया है। उक्त बैठक अब संशोधित तिथि 21 अप्रैल 2026 दिन मंगलवार को निर्धारित समय 11:00 बजे से टाउन हॉल में आहुत की जावेगी। बैठक में पूर्व निर्धारित 7 विषयो पर चर्चा उपरांत निर्णय लिया जावेगा।

भाजपा सरकार ने शिक्षा की दुर्गति कर परीक्षा को बनाया बोझ: कुसुम दुबे

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शहर जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव की महामंत्री अधिवक्ता कुसुम दुबे ने भाजपा सरकार में शिक्षा व्यवस्था की दुर्गति नीति को उजागर करते हुए कही कि अब शिक्षा सत्र प्रारंभ हो गया है पर 57 हजार शिक्षक पद रिक्त होने पर भी शिक्षक भर्ती नहीं करना, दसवीं, बारहवीं की परीक्षा शुल्क सहित अन्य 22 मदों में फीस वृद्धि करना, निजी स्कूलों द्वारा पुस्तक कापी के लिए एक चिन्हांकित दुकान के एकाधिकार के लिए उन्हें खुली छूट देने से गरीब सहित सर्वहारावर्ग के पालक परेशान है वहीं मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार शिक्षा के अधिकार की राशि ना देकर शिक्षा को बाधित कर रही है और छ ग सरकार परीक्षा फीस को वसूली का माध्यम बनाए बैठी है।

रद्द हुआ 12वीं हिन्दी का पर्चा 10 अप्रैल को, केन्द्राध्यक्षों का दिया प्रशिक्षण

खैरागढ़/नवप्रदेश। माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा 14 मार्च को आयोजित हुई कक्षा 12वीं की हिन्दी विषय की परीक्षा को रद्द कर 10 अप्रेल को होने वाली इस परीक्षा की तैयारियों और संचालन को लेकर विज्ञान भवन मे सभी केन्द्राध्यक्षों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला शिक्षा विभाग परीक्षा की तैयारी में जुटा है। केन्द्राध्यक्षों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर रेणुका रात्रे, डीईओ मुकुल के.पी. साव, समन्वयक केन्द्र प्राचार्य अनुराग सिंह उपस्थित थे। उन्होंने परीक्षा के बेहतर संचालन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देते परीक्षा पूरी पारदर्शिता और अनुशासन के साथ सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। मास्टर ट्रेनर संजय श्रीवास्तव रविन्द्र कुमार चावडा ने उपस्थित जिले के 40 परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों को प्रश्नपत्र वितरण, वन टाइम लॉक (टिन पेटी), उत्तर पुस्तिका संधारण, परीक्षार्थियों की उपस्थिति, गोपनीयता बनाए रखने एवं परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को लेकर आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

कामठी गांव में फिर गरमाया धार्मिक विवाद घटना सीसीटीवी में कैद, कार्रवाई की मांग

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के कामठी में एक बार फिर धार्मिक मामले को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक महिला को हनुमान जी की प्रतिमा से वस्त्र निकालते हुए देखा जा रहा है, जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। घटना के बाद

आक्रोशित ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र की शांति और सौहार्द को बिगाड़ने का काम करती हैं, इसलिए प्रशासन को तत्काल सख्त कदम उठाना चाहिए।

साथ ही संबंधित थाना क्षेत्र से भी मांग की जा रही है कि वायरल वीडियो की गंभीरता से जांच कर जल्द से जल्द उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बताया जा रहा है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी दुर्गा पंडाल को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद की स्थिति बन चुकी है। वहीं हाल ही में हनुमान जयंती के बाद इस घटना के सामने आने से क्षेत्र में माहौल और अधिक संवेदनशील हो गया है। फिलहाल प्रशासन की ओर से मामले की जांच की जा रही है और स्थिति पर नजर बनाए रखी गई है।

जिला अस्पताल में न विशेषज्ञ डॉक्टर, न पर्याप्त सेटअप: ऋषि

राजनांदगांव/नवप्रदेश। युवा नेता एवं पूर्व पार्षद ऋषि शास्त्री ने कहा कि देशभर में ÷प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान÷ संचालित किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, ताकि टीबी जैसी गंभीर बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सके, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है।

उन्होंने कहा कि राजनांदगांव जिले में भी इस अभियान के अंतर्गत प्रतिवर्ष बड़ी राशि खर्च की जाती है। जिला चिकित्सालय द्वारा लगभग 100 दिनों तक चलने वाले इस अभियान में मरीजों की खोज, जांच, निःशुल्क उपचार, दवा वितरण, पोषण सहायता एवं जन-जागरूकता जैसे कार्य किए जाते हैं, इसके बावजूद अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं। ऋषि शास्त्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ÷टीबी मुक्त भारत÷ का नारा तो दे रही है, लेकिन वास्तविकता में मरीजों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति सरकार की नाकामी को उजागर करती है।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष शहरी क्षेत्र में कई लोगों की टीबी से मृत्यु ककी बात सामने आती है साथ ही श्रमिक क्षेत्र में टीबी का प्रकोप अधिक है जो अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय है।

तीन माह का राशन एक साथ देने के निर्देश

जिले की राशन दुकानों में एकसाथ इतना स्टाक रखने की जगह ही नहीं

खैरागढ़ /नवप्रदेश। जिले मे एक साथ तीन माह के राशन वितरण मे परेशानी आ रही है । सरकार ने अप्रेल माह मे अप्रेल मई जून माह का राशन एक साथ देने के निर्देश दिए है । लेकिन जिले के राशन दुकानों मे इतनी जगह नही है कि तीन माह का राशन एकसाथ स्टोर किया जा सके । जिसके चलते फिलहाल एक माह के राशन का ही परिवहन दुकानों मे किया गया है । दुकानदारो को निर्देश दिए गए है कि वितरण होते ही दूसरे माह का राशन भी परिवहन कराया जाएगा । इसके चलते जिले मे एक बार मे ही तीन माह का राशन वितरण कार्य अटक गया है ।

130 दुकानें खैरागढ़ ब्लाक मे जगह की कमी: खैरागढ़ ब्लाक मे ही राशन वितरण करने शहर और ग्रामीण मिलाकर कुल 130 राशन दुकानों का संचालन होता है । इसमे से शहर के 20 वार्डो मे बीपीएल, एपीएल कार्डधारको को राशन वितरण करने दस दुकानें संचालित होती है । शहर मे संचालित किसी भी राशन दुकान मे इतनी पर्याप्त जगह नही है कि एक साथ तीन माह का राशन रखा जा सके । इसके चलते दुकान संचालको ने भी एक साथ तीन माह के राशन का स्टाक करने से हाथ खड़े कर दिए है । ग्रामीण इलाको मे भी अधिकांश दुकानों मे राशन रखने जगह नही है । पिछले बार भी एक साथ दो माह का राशन भंडारण की जरूरत पड़ी थी तो दुकान संचालक दो माह का राशन एकसाथ नही रखवा पाए थे । अप्रेल माह के राशन का भंडारण भी दुकानों मे किया जा चुका है । इसके कारण एक माह का राशन ही भंडारण हो पाया है । अब परिवहनकर्ताओ को तीन बार मे तीन माह का राशन दुकानों मे भंडारण करना होगा ।

पंडरिया ब्लॉक में युद्ध स्तर पर संगठन सृजन

बूथ-पंचायत और बीएलए गठन को लेकर कांग्रेस का अभियान तेज

पण्डरिया/नवप्रदेश। पांडातराई मण्डल में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में पण्डरिया ब्लॉक में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का अभियान युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष *घनश्याम साहू* के निर्देश पर सभी मण्डलों में जा-जाकर बूथ, पंचायत एवं बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) का गठन किया जा रहा है।

इसी क्रम में पांडातराई मण्डल में मण्डल अध्यक्ष *आशीष दास* की अगुवाई में संगठन सृजन का कार्यक्रम चारभाठा खुर्द में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रभारी *अमन पाटस्कर* एवं सह प्रभारी *दौलत गिरी गोस्वामी* विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान मण्डल के प्रत्येक बूथ और पंचायत में सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपकर BLA का गठन किया गया।

संगठन मजबूती पर बोले ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम साहू

कांग्रेस पार्टी की रीढ़ उसका बूथ कार्यकर्ता होता है। प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर हम पण्डरिया ब्लॉक के एक-एक गाँव, एक-एक बूथ तक पहुँच रहे हैं। युद्ध स्तर पर चल रहे इस संगठन सृजन अभियान का एक ही लक्ष्य है – हर घर में कांग्रेस का सिपाही खड़ा करना। जब बूथ मजबूत होगा, पंचायत मजबूत होगी, तभी संगठन मजबूत होगा और तभी हम जनता की लड़ाई मजबूती से लड़ पाएँगे। पांडातराई मण्डल के साथियों का जोश बता रहा है कि कांग्रेस का कारवाँ रुकने वाला नहीं है। मण्डल अध्यक्ष आशीष दास जी ने कहाँ हर घर से कांग्रेस कार्यकर्त्ता निकालने का काम करेंगे जिससे आने वाले विधानसभा चुनाव में बहुत मजबूती मिलेगा।

भीषण गर्मी पर जिला प्रशासन अलर्ट

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिले में लगातार बढ़ते तापमान एवं गर्म हवाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने लू से बचाव हेतु विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान प्रारंभ करते एडवाइजरी जारी की गई है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र.202604100400041 /अ-02/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्री देवेन्द्र किशोर आ. श्री बंशीलाल, निवासी ग्राम जुनवानी पोस्ट सिकोसा जिला बालोद द्वारा नीचे वर्णित ÷अनुसूची ÷में उल्लेखित ग्राम, खसरा, रकबा भूमि के दर्शित प्रयोजन अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटलनगर के द्वारा जारी अधीसूचना दिनांक 22.12.2025 के अनुसार छत्तीसगढ़ भू- राजस्व संहिता (व्यपवर्तित भूमि के लिए भू-राजस्व का निर्धारण तथा पुनर्निर्धारण) नियम 2025 में दिये गये निर्धारित प्ररूप-एक में भूमिस्वामी द्वारा भूमि उपयोग के व्यपवर्तन तथा स्वनिर्धारण की सूचना व घोषणा पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 यथासंशोधित 2022 की धारा 59/172 के तहत् इस न्यायालय में अन्य दस्तावेजों सहित प्रस्तुत किया गया है :-

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	आवेदि.भू. खसरा नं.	रकबा हे. वर्गमीटर	प्रयोजन
ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 52 तह. व जिला दुर्ग	453/10	0.020	आवासीय

अतएव उपरोक्त उपर वर्णित भूमि के व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा जारी होने की तिथि से 07 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति अथवा दावा स्वयं अथवा अपने अधिकृत व्यक्ति/अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि में दावा आपत्ति के पश्चात् दावा आपत्ति प्राप्त होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 06.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल कसारीडीह तहसील व जिला-दुर्ग

-: सूचना- सीमांकन बाबत् :-

प्रति,

आवेदक 1. नितिन कुमार साहू, 2. वासुकी वर्मा, 3. वाय पदमावती

आवेदक/आवेदिका नन्हे लाल पिता रामऊ के सीमांकन प्रकरण तहसीलदार दुर्ग के आदेश क्रमांक 1739 दिनांक 19.08.2025 में ग्राम बोरसी प.ह.न. 39 स्थित भूमि खसरा नं. 195/61 रकबा 0.1200 हे. का सीमांकन मेरे द्वारा किया जाना है। चूंकि उक्त खसरा नंबर आपकी भूमि से लगी हुई/बेची गई है। अतः आप सभी मूल दस्तावेजों के साथ मौके पर दिनांक 16.04.2026 को पूर्वान्हे/अपरान्ह 02.30 बजे तक उपस्थित होवें।

अतः आप सभी हितबद्ध पक्षकार अपने दस्तावेज सहित नियत तिथि एवं समय में उपस्थित होवे। बाद की आपत्ति स्वीकार नहीं होगा।

दिनांक 06.04.2026

मुहर

राजस्व निरीक्षक कसारीडीह तह. व जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र.202604100400034 /अ-02/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्री किशोर वर्मा आ. श्री चतुरदास वर्मा, निवासी ग्राम कोहका भिलाई जिला दुर्ग द्वारा नीचे वर्णित ÷अनुसूची में उल्लेखित ग्राम, खसरा, रकबा भूमि के दर्शित प्रयोजन अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटलनगर के द्वारा जारी अधीसूचना दिनांक 22.12.2025 के अनुसार छत्तीसगढ़ भू- राजस्व संहिता (व्यपवर्तित भूमि के लिए भू-राजस्व का निर्धारण तथा पुनर्निर्धारण) नियम 2025 में दिये गये निर्धारित प्ररूप-एक में भूमिस्वामी द्वारा भूमि उपयोग के व्यपवर्तन तथा स्वनिर्धारण की सूचना व घोषणा पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 यथासंशोधित 2022 की धारा 59/172 के तहत् इस न्यायालय में अन्य दस्तावेजों सहित प्रस्तुत किया गया है :-

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	आवेदि.भू. खसरा नं.	रकबा हे. वर्गमीटर	प्रयोजन
ग्राम कोहका प.ह.न. 45 तह. व जिला दुर्ग	3970	0.020	आवासीय

अतएव उपरोक्त उपर वर्णित भूमि के व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा जारी होने की तिथि से 07 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति अथवा दावा स्वयं अथवा अपने अधिकृत व्यक्ति/अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि में दावा आपत्ति के पश्चात् दावा आपत्ति प्राप्त होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 06.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

नाम-परिवर्तन

मैं सपना (SAPNA) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पत्नी मनोज कुमार रमाणी, निवासी- ई.डब्ल्यू.एस. 225, वैशाली नगर भिलाई तह. व जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ ने अपना नाम सपना (SAPNA) (पुराना नाम) से बदल कर सपना रमाणी (SAPNA RAMANI) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ती
सपना पत्नी मनोज कुमार रमाणी, निवासी- ई.डब्ल्यू.एस. 225, वैशाली नगर भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं संमुख राव पिचकोल्लू (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) पिता स्व. शास्त्रैया पिचकोल्लू निवासी- ब्लॉक नबर-02/ए स्ट्रीट नंबर-20 सेक्टर-04, भिलाई-1, भिलाई नगर जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में अपना स्वयं का नाम संमुख राव पिचकोल्लू, पी. संमुख राव (Sanmukh Rao Pichkollu, P Sanmukh Rao) पिता पी. शास्तैया (P Shastrayya) (पुराना नाम) से बदलकर पिचकोल्लू संमुख राव (Pichkollu Sanmukh Rao) पिता पिचकोल्लू शास्त्रैया (Pichkollu Shastrayya) निवासी ब्लॉक नबर-02/ए स्ट्रीट नंबर-20 सेक्टर-04, भिलाई-1, भिलाई नगर जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
संमुख राव पिचकोल्लू
पिता स्व. शास्त्रैया पिचकोल्लू
निवासी-ब्लॉक नबर-02/ए स्ट्रीट नंबर-20 सेक्टर-04, भिलाई-1, भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं भारती पेय्यला, पी भारती (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) पति वेंकट राव निवासी मकान नबर-10-ए स्ट्रीट नंबर-28 सेक्टर-07, भिलाई नगर सिविंक सेंटर भिलाई जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में अपना स्वयं का नाम भारती पेय्यला, पी भारती (Bharathi Peyyala, P Bharathi) (पुराना नाम) से बदलकर पेय्यला भारती यादव (PEYYALA BHARATHI YADAV) पति वेंकट राव (VENKAT RAO) निवासी मकान न. 10-ए स्ट्रीट न.-28 से 07, भिलाई नगर सिविंक सेंटर भिलाई जिला दुर्ग में (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ती
भारती पेय्यला, पी भारती
पति वेंकट राव निवासी मकान नबर-10-ए स्ट्रीट नंबर-28 सेक्टर-07, भिलाई नगर सिविंक सेंटर भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर
भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर
EMail: eocghbzone1@gmail.com

// आम सूचना //

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना के अंतर्गत, भवनों में से फ्लैट / भवन क्रमांक **एल.आई.जी.-40/474 प्रथमतल में श्री वैभव कुमार सिन्हा पिता श्री मुरली मनोहर सिन्हा** को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 27.02.2007 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी के द्वारा उक्त फ्लैट/भवन के विक्रय हेतु दिनांक **20.02.2026** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट / भवन **श्रीमती क्षमा तिवारी पति श्री मनोज कुमार तिवारी** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **30052** दिनांक **07.04.2026**

वार्ड का नाम- **2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **2** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR802J00018** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **SAMBIT KUMAR BISWAL** पिता / पति श्री/ श्रीमती **BHAGWAN BISWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **SACHIN DASHRATH SURYARAO** पिता /पति श्री/श्रीमती **SHRI DASHRATH RAMCHANDRA SURYARAO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "

श्रीमति राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर, प्लॉट नं. 71, सेक्टर- 24 अटल नगर, नवा रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492018

दृष्टिबंधक समझौते के तहत वाहनों की बिक्री के लिए नीलामी बिक्री सूचना

बोली प्राप्त करने की अंतिम तिथि: 10.05.2026 शाम 5.00 बजे तक

बोली खोलने की तारीख और समय 11.05.2026 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे के बीच

सभी संबंधितों को यह सूचित किया जाता है कि नीचे उल्लिखित चल संपत्ति यूनियन बैंक ऑफ इंडिया रायपुर के पक्ष में सुरक्षित है, और सुरक्षित लेनदार ने दृष्टिबंधक समझौते के तहत अधिकार प्राप्त होने पर कब्जा ले लिया है। चूंकि उधारकर्ता बैंक का बकाया चुकाने में विफल रहा है। जब्त की गई चल संपत्ति को बैंक बकाया की वसूली के लिए दिनांक 11.05.2026 को "जैसा है जहां है" "जैसा है" और "जो कुछ है" पर नीलामी द्वारा बेचा जाएगा। इसके द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ताओं और गारंटीकर्ताओं को नोटिस दिया जाता है, यदि उनका बकाया बकाया एवं अन्य खर्च 10.05.2026 से पहले पूरा नहीं चुकाया जाता है, तो वाहनों की नीलामी 11.05.2026 को की जाएगी।

नीलामी की तिथि एवं समय: 11.05.2026 प्रातः 11.00 बजे से दोप. 3.00 बजे तक

क्र. सं.	ऋणी/ शाखा का नाम	चल संपत्तियों का संक्षिप्त विवरण	आरक्षित मूल्य	बोली वृद्धि राशि	कुल देयताएं
01	सतीश पुत्री प्रकाश चांदनीडीह शाखा	TATA HARRIER XZA ENGINE NO. 46354451-4261578	₹ 13,00,000/-	₹ 15,000/-	₹ Rs 18.37 Lac + 31.03.2026 से ब्याज
02	राजेश कुमार मंगवानी राजनांदगांव शाखा AB	TATA PUNCH ADV 1.2 P MT BS6PH2	₹ 4,00,000/-	₹ 5,000/-	₹ Rs 5.316 lac + 31.03.2026 से ब्याज

वाहन की बिक्री एवं निरीक्षण की अधिक जानकारी के लिए (10.05.2026 तक) कृपया चांदनीडीह शाखा- 9769306558, राजनांदगांव AB- 9284013315 पर कार्यालयीन समय में संपर्क करें।

दिनांक : 07.04.2026, स्थान: रायपुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

कार्यालय नगर पंचायत सहसपुर लोहारा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

क्रमांक /636 / लो.नि.वि./न.पं./2026-27 सहसपुर लोहारा, दि. 07.04.2026

-: मैनुअल निविदा (प्रथम) आमंत्रण सूचना :-

नगर पंचायत सहसपुर लोहारा द्वारा लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो / अधिकृत विक्रेताओं / दुकानदारों से निम्नलिखित कार्यो हेतु **दो-लिफाफा पद्धति** से प्रपत्र **"ए"** में **PWD (BUILDING SOR 01.01.2015/ROAD SOR 2025) कम/समान/अधिक प्रतिशत दर** पर एवं प्रपत्र **"ब" व "स" आईटम दर** पर पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	कार्य का विवरण	कुल अनुमानित लागत (राशि लाख में)	निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि
1	चबुतरा निर्माण/छोटा उद्यान निर्माण/पेवर ब्लाक / सार्वजनिक भवन में नयी सुविधाओं का विस्तार कार्य/सी.सी. रोड निर्माण / कांक्रीटीकरण कार्य (अध्यक्ष/पार्षद निधि द्वारा)	19.50	20.04.2026
2	चौंक निर्माण एवं प्रतिमा स्थापना कार्य (अधोसंरचना मद)	42.97	20.04.2026
3	सिविल कार्य (मरम्मत निर्माण) लघु मूलक कार्य वार्ड क्रमांक 01 से 15 तक वार्षिक निविदा (वित्तीय वर्ष 2026-27)	9.00	20.04.2026
4	लोक निर्माण/विद्युत/पेयजल एवं नलजल / सफाई एवं स्वच्छता सामाग्री / उपकरण, विभिन्न प्रारूप मुद्रण/ छपाई, विभिन्न स्टेशनरी एवं कम्प्यूटर सामाग्री प्रदाय व मरम्मत सामाग्री प्रदाय / टेण्ट सामाग्री किराया, पंप मरम्मत / संधारण/रिवाईडिंग कार्य वार्षिक निविदा (वित्तीय वर्ष 2026-27)	45.00	20.04.2026

नोट:- निविदा संबंधी नियम व शर्तें कार्यालयीन दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर एवं संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास की वेबसाईट http:/www.uad.cg.gov.in/ में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत, सहसपुर लोहारा

शहर कांग्रेस की नई कार्यकारिणी घोषित, 'सोशल इंजीनियरिंग' की दिखी झलक

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश और जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष द्वारकाधीश यादव के मार्गदर्शन में शहर कांग्रेस कमेटी महासमुंद की बहुप्रतीक्षित नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। इस नई टीम के गठन में अनुभवी नेताओं और युवाओं के बीच संतुलन साधने के साथ-साथ सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

नई कार्यकारिणी की सबसे बड़ी विशेषता इसका सर्वसमावेशी स्वरूप है, जिसमें सामान्य, पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया गया है।

शहर अध्यक्ष गुरमीत चावला ने कार्यकारिणी की सूची जारी करते हुए कहा कि यह टीम पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ शहर के जनमुद्दों को उठाएगी तथा पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएगी।

प्रमुख पदाधिकारी इस प्रकार हैं:

उपाध्यक्ष: तुलसी साहू, मुस्ताक खान विक्की, डॉ. तरुण साहू।

महामंत्री: निर्मल जैन, अजय थवाईत, मेहुल सूचक, देवेश शर्मा।

सचिव: राजेश नेताम, गोपी तारक, अनीश राजवानी, राहुल लालवानी।

कोषाध्यक्ष: गुरप्रीत सिंह धनवा (मोंटू)।

कार्यकारिणी सदस्य: पार्षद जय देवांगन, राजेश डडसेना, श्रीमती ओमिन कागजी सहित कुल 31 सदस्य शामिल किए गए हैं।

इस नियुक्ति पर जिलाध्यक्ष द्वारकाधीश यादव, पूर्व प्रदेश प्रभारी महामंत्री अमरजीत चावला, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर, पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर, पूर्व जिलाध्यक्ष आलोक चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू, जिला महामंत्री लक्ष्मण पटेल समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने खुशी जाहिर करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वे कांग्रेस की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को शहर के हर घर तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इस संतुलित और सर्वसमावेशी कार्यकारिणी से कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

- टेस्ट वास्थ्य

विधायक साहू की अनुशंसा पर मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए 27 लाख स्वीकृत

गरियाबंद/नवप्रदेश। क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू के विशेष प्रयासों के फलस्वरूप क्षेत्र के ग्राम पतोरा, मड़वाडीह, गनियारी, राँवड़, कोसमखूंटा और सेंदर में स्थित विभिन्न छह मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य के लिए कुल 26.95 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय से क्षेत्र के ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों में हर्ष व्याप्त है क्योंकि लंबे समय से इन मंदिरों के मरम्मत और सौंदर्यीकरण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। विधायक रोहित साहू की पहल पर शासन द्वारा जिन गांवों के मंदिरों को जीर्णोद्धार कार्य की स्वीकृति मिली है उनमें ग्राम पतोरा में रामजानकी मंदिर जीर्णोद्धार कार्य हेतु 05 लाख रुपएएग्राम मड़वाडीह में शाकंभरी मंदिर जीर्णोद्धार कार्य हेतु 4ण्98 लाख रुपएए ग्राम गनियारी में बजरंग मंदिर जीर्णोद्धार कार्य हेतु 05 लाख रुपएए ग्राम रावंड़ में शिव मंदिर जीर्णोद्धार कार्य हेतु 4ण्98 लाख रुपए ए ग्राम कोसमखूंटा में शिव मंदिर जीर्णोद्धार हेतु 05 लाख रुपए तथा ग्राम सेन्दर में शिव मंदिर जीर्णोद्धार कार्य हेतु 01.99 लाख रुपए की स्वीकृति शामिल है। विधायक रोहित साहू ने इस स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ये सभी मंदिर हमारी आस्थाए संस्कृति और परंपरा के जीवंत केंद्र हैं। लंबे समय से ग्रामीण जन इन मंदिरों के जीर्णोद्धार की मांग कर रहे थे। विकास का अर्थ सड़कों के साथ साथ अपनी जड़ों और अपनी संस्कृति को भी सुरक्षित रखना है।आज मुझे अत्यंत संतोष है कि शासन ने इन कार्यों के लिए बजट को मंजूरी दी है। यह राशि क्षेत्र की खुशहाली और आध्यात्मिक उन्नति के काम आएगी। मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूँ कि विकास की यह धारा हर गांव और हर देवस्थान तक पहुँचेगी। स्वीकृति मिलने के बाद ग्राम पतोरा, मड़वाडीह, गनियारी, राँवड़अ कोसमखूंटा और सेंदर के ग्रामीणों ने विधायक रोहित साहू का आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि वर्षों से मंदिर की मरम्मत के लिए प्रतीक्षारत थे।

आक्रोश: 2 दिन में कार्रवाई नहीं तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

महिला सरपंचों से दुर्व्यवहार के विरोध में सरपंच संघ का प्रदर्शन

नगरी/नवप्रदेश। विकासखंड नगरी में महिला सरपंचों के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में 102 सरपंच संघ नगरी ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। सर्व आदिवासी समाज भवन से रैली निकालते हुए बड़ी संख्या में सरपंच एवं जनप्रतिनिधि जनपद पंचायत नगरी पहुंचे, जहां उन्होंने नारेबाजी करते दिखाई दिए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सचिव हटाओ के नारे भी लगाए गए।

सरपंच संघ ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत सेमरा, भीतरराज, आमगांव सहित अन्य पंचायतों में पदस्थ कुछ सचिवों द्वारा महिला सरपंचों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। साथ ही उनके कार्यों में सहयोग नहीं करने, दबाव बनाने एवं समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने जैसी शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। संघ का कहना है कि इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से जनप्रतिनिधियों में आक्रोश व्याप्त है। संघ ने विशेष रूप से ग्राम पंचायत सेमरा के सचिव को नगरी ब्लॉक से हटाकर उनके मूल ब्लॉक में वापस भेजने की मांग की है। संघ का कहना है कि अन्य ब्लॉकों से आए सचिवों द्वारा आदिवासी एवं महिला जनप्रतिनिधियों के साथ अनुचित व्यवहार किया जा रहा है, जो न केवल जनप्रतिनिधियों का अपमान है, बल्कि पंचायत व्यवस्था की गरिमा के भी खिलाफ है। सरपंच संघ अध्यक्ष श्री उमेश देव ने कहा कि महिला सरपंचों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 2 दिनों के भीतर संबंधित सचिव के खिलाफ उचित कार्रवाई एवं स्थानांतरण नहीं किया गया, तो सरपंच संघ उग्र आंदोलन एवं चक्का जाम करने को बाध्य होगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान अध्यक्ष उमेश देव, महासचिव नरेश कुमार, कोषाध्यक्ष उत्तम नेताम, संरक्षक अकबर मंडावी, डोमार सिंह नेताम, सोमनाथ सोम, रामकुमार सामस्थ, उपाध्यक्ष राधेश्याम नेताम, रेमन्त साहिल्य, नगीना सोग, रोमी ध्रुव, सहित संत कुमार मरकाम, नागेन्द्र बोरझा, कन्हैया लाल नाग, यशवंत मंडावी, संतोष कुंजाम, कलेन्द्री कश्यप, अंजना नेताम, माखनलाल, कुसुमलता, सुरेश कुमार, राधा बाई,केशव टेकाम, रूपेश नेताम, उमेश्वरी समस्त सरपंच संघ के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

> स्थानांतरण का अधिकार उच्च स्तर का विषय है। जिला पंचायत सीईओ को प्रतिवेदन भेजकर अवगत करा दिया गया है। शीघ्र ही उचित निराकरण किया जाएगा।
> **- रोहित बोरझा**, सीईओ, जनपद पंचायत नगरी

> सरपंच संघ ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग किया है। यदि निर्धारित समयसीमा में समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन किया जाएगा।
> **- उमेश देव**, अध्यक्ष, सरपंच संघ

अधूरी जल योजना, ठेकेदारों पर कार्रवाई करने और जिम्मेदारी तय करने की मांग

महासमुंद/नवप्रदेश। पूर्व जनपद सदस्य एवं वर्तमान जनपद प्रतिनिधि सुधा योगेश्वर चन्द्राकर ने क्षेत्र में अधूरी पड़ी नल-जल योजनाओं को लेकर पीएचई विभाग के अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर स्वच्छ जल अधिकारियों की लापरवाही और ठेकेदारों की मनमानी के कारण प्रभावित हो रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जहां सरकार ग्रामीण क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए अरबों रुपये खर्च कर रही है, वहीं विभागीय अधिकारियों की कमजोर मॉनिटरिंग के चलते कई जगह पानी टंकियों का निर्माण अधूरा पड़ा है और पाइपलाइन भी पूरी नहीं हो पाई है। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है, जो आज भी पेयजल संकट से जूझ रही है।

योगेश्वर चंद्राकर ने कहा कि ठेकेदारों द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है और कुछ मामलों में अधिकारियों द्वारा उन्हें संरक्षण भी दिया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि अपूर्ण कार्य करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अधूरे कार्यों के चलते पंचायत प्रतिनिधियों को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने में उदासीन बने हुए हैं। श्री चंद्राकर ने सुझाव दिया कि अधूरे पड़े निर्माण कार्यों को निरस्त कर पंचायतों को ही निर्माण एजेंसी बनाते हुए आवश्यक राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि तय समयसीमा में कार्य पूर्ण हो सके और हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया जा सके।

भाजपा स्थापना दिवस: विचारधारा संगठन और राष्ट्रसेवा का प्रतीक

महासमुंद/नवप्रदेश। सांसद रूपकुमारी चौधरी ने कहा भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में विचारधारा, संगठन और राष्ट्रनिष्ठा की मजबूत परंपरा का प्रतीक है। यह अवसर आत्ममंथन का भी है, जहां यह समझने की जरूरत होती है कि किसी भी दल की असली ताकत उसकी विचारधारा में निहित होती है। सांसद ने कहा कि भारतीय राजनीति में विचारधारा की इस धारा को मजबूत करने में पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय का विशेष योगदान रहा है। एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उनका उद्घोष राष्ट्रीय एकता का स्पष्ट संदेश था। वहीं 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' के सिद्धांतों ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की दिशा तय की।

उन्होंने कहा कि समय के साथ इन विचारों को आगे बढ़ाने में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं ने अहम भूमिका निभाई। वाजपेयी ने समावेशी और मर्यादित राजनीति को बढ़ावा दिया, जबकि आडवाणी ने संगठन को जन-जन तक पहुंचाया।

भारतीय अग्निवीर थल सेना भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि 10 तक बढ़ी

जुलाई-अगस्त 2026 में हो सकती है कॉमन एंट्रेंस परीक्षा

गरियाबंद/नवप्रदेश। भारतीय अग्निवीर थल सेना भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 10 अप्रैल 2026 कर दी गई है। पहले यह तिथि 13 फरवरी से 1 अप्रैल 2026 तक निर्धारित थी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट ज्वॉइन इंडियन आर्मी डॉट इन के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। जिले के अविवाहित पुरुष एवं महिला उम्मीदवार जिनकी जन्मतिथि 1 जुलाई 2005 से 1 जुलाई 2009 के बीच है। अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क, स्टोर कीपर एवं अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं एवं 10वीं) के पदों के लिए पात्र हैं।

सिपाही (फार्मा) पद के लिए पुरुष अभ्यर्थियों की जन्मतिथि 1 जुलाई 2002 से 1 जनवरी 2008 के बीच होनी चाहिए।

सेवा-समर्पण की भावना पर आधारित है भाजपा: रवि

नगरी/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर नगरी मंडल द्वारा कार्यक्रम बड़े ही उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वार्ड क्रमांक 13 स्थित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से की गई। इसके पश्चात पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

इसके बाद रावण भाटा स्थित पार्टी कार्यालय में वरिष्ठ भाजपा नेता रवि शंकर दुबे द्वारा ध्वजारोहण किया गया। एवं महा उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नगर वासियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी गई इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करने वाला संगठन है। प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, यही कारण है कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हुई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि संगठन की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाएं। साथ ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके देश और पार्टी के प्रति योगदान को स्मरण किया।

सेंदर के किसान रामाधार साहू बने बहुफसली खेती के प्रेरक उदाहरण

■ कलेक्टर एवं जिपं सीईओ ने पहुंचकर की सराहना

गरियाबंद/नवप्रदेश। फिंगेश्वर विकासखण्ड के ग्राम सेंदर के किसान रामाधार साहू अपने आसपास क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। जिले के अधिकांश किसान परंपरागत रूप से धान की खेती पर निर्भर हैं, वहीं रामाधार साहू ने बदलते परिवेश और गिरते भूमिगत जल स्तर को ध्यान में रखते हुए दलहन, तिलहन एवं साग भाजी की बहु-फसली खेती कर रहे है।

रामाधार साहू ने लगभग 26 एकड़ खेत में विविध फसलों का उत्पादन कर केवल पानी की बचत ही नहीं की, बल्कि अच्छी आमदनी भी अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने 8 एकड़ में मक्का, 5 एकड़ में सरसों, 1 एकड़ में चना, 2 एकड़ में तिवरा, 2 एकड़ में बटरी, 2 एकड़ में मूंग, 2 एकड़ में धनिया, 1.5 एकड़ में कुम्हड़ा तथा 1 एकड़ में भिंडी की खेती की है। जिससे उन्हें काफी मुनाफा हो रहा है।

उन्होंने कहा कि इन सभी फसलों में धान की तुलना में पानी की आवश्यकता काफी कम होती है।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

■ अधिकारियों को अवैध कब्जों पर कार्रवाई और योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति लाने के दिए निर्देश

गरियाबंद/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री बीएस उइके ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर श्री पंकज डाहिरे सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए विभागीय समन्वय करते हुए कार्य करने को कहा।

कलेक्टर ने ई-ऑफिस, ई-एचआरएमएस और स्पैरो पोर्टल की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इन सभी ऑनलाइन प्रणालियों के शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि सभी फाइलों का समयबद्ध निपटान ई-ऑफिस के माध्यम से ही किया जाए। ई-एचआरएमएस में कर्मचारियों से संबंधित डाटा को अद्यतन करने पर जोर दिया गया। स्पैरो पोर्टल में लंबित एपीएआर शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए गए।

श्री उइके ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों को समय पर प्रस्तुत करें। जिससे प्रशासनिक कार्यों की पारदर्शिता बनी रहे। सभी शिक्षकों का अद्यतन विवरण सत्यापन के साथ पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दूरस्थ अंचलों में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने के निर्देश दिए। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो सके।

कलेक्टर ने शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे कर मकान बनाने वाले के खिलाफ नोटिस जारी कर कानूनी कार्रवाई करें। इसी तरह शासकीय कर्मचारियों द्वारा अवैध निर्माण या कब्जे की स्थिति में भी नोटिस देकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने 'कैच द रेन' अभियान के तहत वर्षाजल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण और अधिक करने पर जोर दिया।

भाजपा स्थापना दिवस पर भव्य आयोजन

महासमुंद/नवप्रदेश। महासमुंद जिले के सिरपुर बाजार चौक में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर सिरपुर पटेवा मंडल द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और संगठन के प्रति अपनी निष्ठा व समर्पण को दोहराया। पूरे आयोजन के दौरान जोश और संगठनात्मक एकता का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिशा रामस्वरूप दीवान उपस्थित रहे, वहीं मुख्य वक्ता परमसम्मानीय धरम पटेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत बनाने और राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष डिगेश्वरी चन्द्राकर, मंडल महामंत्री सुनील पटेल एवं गोपी ध्रुव, युवा मोर्चा अध्यक्ष उमेश गोल्डी साहू, नंदकिशोर यादव, रामेश्वरी चेलक (मंडल उपाध्यक्ष), दुलरुवा धीवर, सुखीराम हिरवानी, मनोहर साहू, लीलाधर नायक, अजय साहू, डॉ. सोहन साहू, चैतराम ध्रुव, राधे नायक, प्रकाश पटेल (जिला पंचायत प्रतिनिधि), महिला मोर्चा की निशा जोगी, कुंती देवी साहू, गोस्वामी दीदी, टीकाराम पटेल, रामस्वरूप दीवान, लक्की टावरी, कुबेर निषाद, रवि सोनकर, चंद्रशेखर पटेल, बाबूलाल ध्रुव, नंदलाल पटेल, तीरथ दीवान, नंदलाल सिन्हा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेज 1 का शेष...

जिनके खौफ से थर्राती रही...

कॉलेज में नए सिरे से अपना भविष्य गढ़ने की शुरुआत कर रहे हैं।

इन युवाओं के आदर भाव और अनुशासन की बानगी देखिये। जब तक प्रिंसिपल सर के साथ नवप्रदेश संवाददाता के प्रवेश के बाद दशकों तक खौफ का दूसरा नाम कहे जाने वाले ये युवा उसी मुद्रा में खड़े रहे। अभिवादन का जवाब देने के बाद इन युवाओं ने हाथ नीचे कर लिये। लेकिन, अपनी सीट पर बैठे नहीं। वहीं खड़े रहे। इशारा करने पर अनुशासित बच्चों की तरह अपनी-अपनी सीट पर बैठ गए। लाइवलीहुड कॉलेज में इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के साथ ही प्लंबर, आर्क वेल्डिंग, रेफ्रिजरेटर टेक्नीशियन जैसे कार्य सीखने का आप्शन दिया जाता है। आत्मसमर्पित युवा अपने पसंदीदा ट्रेड को चुनकर प्रशिक्षण लेते हैं। शांतिपूर्वक सामान्य जीवन जीने की ललक का ही नतीजा है कि घने जंगलों में सालों-साल से भटकते रहे इन युवाओं ने अनुशासित छात्रों की तरह प्रशिक्षण लेने का फैसला किया।

ट्रंप की धमकी: ईरान...

अमेरिका और इजराइल ने मंगलवार को ईरान में कई जगहों पर हमला किया। सबसे बड़ा हमला खार्ग आइलैंड पर हुआ, जहां ऑयल टर्मिनल को निशाना बनाया गया। ईरान का करीब 80 से 90% कच्चा तेल यहीं से एक्सपोर्ट होता है। इसी दौरान कोम और कशान में भी पुलों को निशाना बनाया गया। काशान के पास यहयाबाद रेलवे पुल पर हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम ईरान में तबरीज-जंजान हाईवे के पुल पर भी हमला किया गया। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान ने मंगलवार को रात 8 बजे (अमेरिका समयानुसार) तक होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला, तो उसके जरूरी ठिकानों पर हमला किया जाएगा। इन हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए यूएई के शारजाह में हमला किया। ईरान पहले ही कह चुका था कि अब वह चुप नहीं बैठेगा। अमेरिका और उसके सहयोगियों के ठिकानों को निशाना बनाएगा।

लाल आतंक से शांत हुआ...

तहत बस्तर रोडमैप 2.0 में एग्रो एवं एग्रो-फॉरेस्ट सेक्टर, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, और पर्यटन विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

'नियद नेल्लानार' योजना की सफलता पर पीएम ने जताई खुशी: मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बस्तर में अब तक किए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार सैचुरेशन, कनेक्ट, फैसिलिटेट, एम्पावर और एंगेज की रणनीति पर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से 'नियद नेल्ला नार योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना की और कहा कि इससे गंभीर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है।

दुर्ग जिले में अफ्रीकन स्वाइन...

गया। इस वायरस से फार्म मालिक को करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। दरअसल सोमवार को पशुपालन विभाग की टीम बड़ी संख्या में मुडपार गांव पहुंची थी।

अधिकारी और डॉक्टर पीपीई किट पहनकर फार्म के अंदर गए और बचे हुए सूअरों को इंजेक्शन देकर मार दिया। इसके बाद फार्म के पीछे सभी मृत सूअरों को गड्ढा खोदकर दफनाया गया। फिलहाल पूरे फार्म को सील करने की तैयारी की जा रही है। बता दें कि मुडपार गांव सूअर पालन का एक प्रमुख केंद्र है। यहां लंबे समय से बड़े पैमाने पर सूअर पालन किया जा रहा था। इस फार्म से न केवल दुर्ग-भिलाई, बल्कि प्रदेश के कई अन्य हिस्सों और पड़ोसी राज्यों में भी पोर्क (सूअर मांस) की सप्लाई की जाती थी।

सबरीमाला मंदिर में...

विधानसभा के पास है, न कि अदालत के पास। जस्टिस नागरत्ना ने कहा- इस मामले में 'अनुच्छेद 17' यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को 'अछूत' माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई 'अछूतपन' न रह जाए।

सरकार ने कहा, 'हर धार्मिक समूह की प्रथाओं का सम्मान करना चाहिए और हर चीज को गरिमा या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी मजार या गुरुद्वारे में सिर ढकना जरूरी है, तो इसे अधिकारों का हनन नहीं कहा जा सकता।

सड़क हादसे में 4 मौतें...

के अन्य लोगों के साथ सोमवार को नारायणपुर जिले के ओरछा ब्लॉक अंतर्गत रेंगाबेड़ा गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। सभी लोग मंगलवार (7 अप्रैल) सुबह पिकअप में सवार होकर गांव लौट रहे थे। इस दौरान ढाबामारी के पास ड्राइवर ने अचानक कंट्रोल खो दिया, जिससे तेज रफ्तार पिकअप सड़क पर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि लोग इधर-उधर फेंका गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

प्रदेश में मौसम का बदलेगा मिजाज, हल्की बारिश और अंधड़ की संभावना

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय मौसम प्रणालियों के कारण आगामी दिनों में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इसके प्रभाव से जहां कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है, वहीं गरज-चमक, अंधड़ और वज्रपात की भी आशंका जताई गई है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर लगभग 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके साथ ही एक अन्य चक्रवाती परिसंचरण उड़ीसा और उससे लगे क्षेत्रों में लगभग 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक सक्रिय है। इन दोनों प्रणालियों का संयुक्त प्रभाव प्रदेश के मौसम को प्रभावित कर रहा है। इसके अलावा एक द्रोणिका, जिसे हवा की अनियमित गति भी कहा जाता है, गंगेटिक पश्चिम बंगाल से लेकर मन्नार की खाड़ी तक फैली हुई है। यह द्रोणिका उड़ीसा, तेलंगाना, रायलसीमा और तमिलनाडु से होकर गुजर रही है और लगभग 0.9 किलोमीटर की ऊंचाई तक विस्तारित है। इस कारण वातावरण में नमी बढ़ रही है, जिससे बादल बनने और हल्की वर्षा की स्थितियां बन रही हैं। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि 8 अप्रैल को प्रदेश के एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने या गरज-चमक के साथ छींटे पडने़ की संभावना है। इसके साथ ही कुछ इलाकों में तेज अंधड़ चलने और वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, विशेषकर खुले स्थानों पर जाने से बचने और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है।

द्रोणिका का प्रभाव

छत्तीसगढ़ में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, 8 अप्रैल को प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की वर्षा और गरज-चमक के साथ छींटे पडने़ की संभावना है। वातावरण में सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण और द्रोणिका के प्रभाव से कई जिलों में तेज अंधड़ चलने और वज्रपात (बिजली गिरना) की आशंका जताई गई है। नागरिकों को खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

क्यों बदल रहा है मिजाज?

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, वर्तमान में दो चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय हैं—एक पूर्वी उत्तर प्रदेश और दूसरा ओडिशा के ऊपर। इसके साथ ही, गंगेटिक पश्चिम बंगाल से मन्नार की खाड़ी तक एक द्रोणिका (ट्रफ लाइन) गुजर रही है। इन प्रणालियों के कारण वातावरण में नमी बढ़ रही है, जिससे बादलों का निर्माण हो रहा है और प्रदेश के एक-दो स्थानों पर वर्षा की स्थिति बन रही है।

तापमान और कृषि पर प्रभाव

आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, हालांकि 8 अप्रैल के बाद पारा बढने़ की संभावना है जिससे गर्मी का असर तेज होगा। यह मौसम किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण है; जहाँ हल्की बारिश कुछ फसलों को राहत दे सकती है, वहीं तेज आंधी और बिजली गिरने से नुकसान का खतरा है। किसानों को मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार ही कृषि कार्य करने का सुझाव दिया गया है।

अभिभावकों को मिलेगा पारदर्शिता का अधिकार

निजी स्कूलों पर कलेक्टर सख्त, कहा- मान्यता दिखाओं नहीं तो होगी कार्रवाई

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। साप्ताहिक टीएल बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब जिले के सभी निजी स्कूलों को अपने परिसर में मान्यता प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करना होगा। यह कदम उन अभिभावकों और विद्यार्थियों के हित में उठाया गया है, जो अक्सर स्कूलों की वास्तविक मान्यता को लेकर असमंजस में रहते हैं।

जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने दो टूक कहा कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता या भ्रम की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक निजी स्कूल यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करे कि वह सीबीएसई या छत्तीसगढ़ बोर्ड से मान्यता प्राप्त है या नहीं। इससे फर्जी दावों पर रोक लगेगी और अभिभावकों को अपने बच्चों के भविष्य को लेकर सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए और जिन स्कूलों के पास मान्यता प्रमाण पत्र नहीं है या वे इसे प्रदर्शित नहीं करते, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। प्रशासन का यह कदम शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही अनियमितताओं पर सीधा

शिक्षा ही नहीं, विकास कार्यों पर जोर

बैठक में केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि जनसुविधाओं और विकास कार्यों को भी प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने साप्ताहिक जनसमस्या निवारण शिविर शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। इसके साथ ही जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया, ताकि आने वाले समय में जल संकट से निपटा जा सके। प्रशासन की इस पहल को जिले में शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि निजी स्कूल इस आदेश का कितनी गंभीरता से पालन करते हैं और प्रशासन अपनी सख्ती को जमीनी स्तर पर कितना प्रभावी बना पाता है।

शहरभर में सीसीटीवी नेटवर्क का होगा विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था होगी हाईटेक

शहर में अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से त्रिनेत्र सेवा समिति की अहम बैठक इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमाण्ड सेंटर, तारबाहर में आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर में अधिक से अधिक स्थानों पर जनसहभागिता के माध्यम से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे अपराधों पर त्वरित नियंत्रण और अपराधियों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित की जा सके। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा, सुगम यातायात व्यवस्था और नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई को भी प्राथमिकता दी जाएगी। समिति के संरचनात्मक विस्तार के तहत सांसद एवं विधायकों के साथ आयुक्त बिलासपुर संभाग और पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज को पदेन मुख्य संरक्षक बनाया जाएगा। वहीं कलेक्टर, एसएसपी, नगर निगम आयुक्त, जिला पंचायत सीईओ, रेलवे, एसईसीएल, एनटीपीसी, अपोलो अस्पताल और रेडक्रॉस के वरिष्ठ अधिकारियों को पदेन संरक्षक बनाए जाने का निर्णय लिया गया। तकनीकी समिति में साइबर सेल के अधिकारियों के साथ स्मार्ट सिटी के प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। प्रबंध कार्यकारिणी में रामावतार अग्रवाल को अध्यक्ष, नवदीप अरोरा को कार्यकारी अध्यक्ष, सतीश शाह को सचिव, मनीष सखूजा को कोषाध्यक्ष तथा ललित अग्रवाल को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संरक्षा, क्षमता और समयबद्धता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उल्लेखनीय उपलब्धियां

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के विस्तार से संरक्षित, तीव्र और निर्बाध रेल परिचालन को मिला नया आयाम

बिलासपुर/नवप्रदेश: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग वित्तीय वर्ष 2025-26 में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक सिग्नलिंग प्रणालियों के व्यापक विस्तार के माध्यम से रेल परिचालन को और अधिक संरक्षित, तीव्र एवं समयबद्ध बनाने में महत्वपूर्ण सफ्लता प्राप्त की है।

रेलवे संरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से परंपरागत सिग्नलिंग प्रणाली के स्थान पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) एवं ऑटोमेटिक सिग्नलिंग जैसी उन्नत तकनीकों का तीव्र गति से विस्तार किया गया है, जिससे मानवीय त्रुटियों की संभावना न्यूनतम हुई है तथा ट्रेनों का संचालन अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय बना है।

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (नई स्थापना) - 11 स्टेशन

वर्ष 2025-26 में 11 स्टेशनों पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की गई, जिससे जटिल यार्ड संरचनाओं में भी सुरक्षित एवं निर्बाध ट्रेन संचालन सुनिश्चित हुआ।

प्रमुख स्टेशन हैं -

गोंदिया (506 रूट), उरगा (46 रूट), किरोड़ीमल नगर (223 रूट), कोथारी रोड (41 रूट), रायगढ़ (286 रूट), सारागांव देवरी (117 रूट), चक्रधर नगर (174 रूट), कुरुद (32 रूट), बाराद्वार (198 रूट), पेंड्रा रोड (226 रूट) एवं बालपुर रोड (26 रूट)।

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (संशोधन) - 25 स्टेशन

25 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में उन्नयन/संशोधन कार्य कर संरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ किया गया। इससे सिग्नलिंग सिस्टम की विश्वसनीयता में वृद्धि हुई तथा निर्बाध परिचालन सुनिश्चित हुआ है।

पैनल इंटरलॉकिंग (संशोधन) -09 स्टेशन

9 स्टेशनों पर पैनल इंटरलॉकिंग प्रणाली में संशोधन कर उसे अधिक संरक्षित एवं कुशल बनाया गया, जिससे ट्रेन परिचालन में सुगमता एवं संरक्षा सुनिश्चित हुई।

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग -186 किलोमीटर

वर्ष 2025-26 में कुल 186 किलोमीटर में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली का विस्तार किया गया, जो संरक्षा एवं क्षमता वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

प्रमुख सेक्शन निम्नलिखित हैं

दगोरी-निपनिया (18 कि.मी.), गुदमा-गंगाझरी (26 कि.मी.), उरकुरा-सरोना (11 कि.मी.), कोतरलिया-जामगा (27 कि.मी.), चांपा-सारागांव (20 कि.मी.), रायगढ़-चक्रधर नगर-कोतरलिया (30 कि.मी.), निपनिया-भाटापारा (30 कि.मी.), रायगढ़- जेएसपीएल-किरोड़ीमल नगर (24 रूट किमी)।

संरक्षा में गुणात्मक सुधार: ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली के माध्यम से अब एक ही सेक्शन में एक साथ एक से अधिक ट्रेनें संरक्षित रूप से संचालित की जा रही हैं। प्रत्येक ब्लॉक सेक्शन को छोटे-छोटे खंडों में विभाजित कर सिग्नलिंग व्यवस्था को और अधिक सटीक बनाया गया है, जिससे ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी स्वतः सुनिश्चित होती है।

इस प्रणाली के लागू होने से– ट्रेनों के बीच सुरक्षित अंतराल बना रहता है।

सिग्नल फेल होने की स्थिति में स्वतः संरक्षा सुनिश्चित होती है।

मानवीय त्रुटियों की संभावना अत्यंत कम हो जाती है।

विफ्लता में उल्लेखनीय कमी आती है। क्षमता एवं समयबद्धता में वृद्धि

'रूचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित

बिलासपुर/नवप्रदेश। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के अंतर्गत राज्य में संचालित उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों के इम्पैनलमेंट हेतु ''रूचि की अभिव्यक्ति'' 23 अप्रैल 2026, शाम 5 बजे तक आमंत्रित की गई है। इच्छुक संस्थाओं को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय बिलासपुर में जमा करना होगा। योजना के दिशा-निर्देश एवं मापदंड विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सहायक आयुक्त संजय चंदेल ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, उन्हें बेहतर करियर के अवसर उपलब्ध कराना तथा प्रतिस्पर्धी वातावरण में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन 13 तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में संचालित 4 डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल देवरीखुर्द, गोढ़ी, वेदपरसदा, गोबरीपाट में केजी 1 में शिक्षा के अधिकार के तहत एवं शासन कोटा की रिक्त सीट पर प्रवेश दिया जा रहा है। आरटीई के तहत प्रवेश के लिए संबंधित नोडल अधिकारी के समक्ष एवं शासन कोटा अंतर्गत प्रवेश हेतु आवेदन पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग बिलासपुर में स्थित कार्यालय समग्र शिक्षा, कक्ष क्रमांक 21 में 13 अप्रैल 2026 शाम 5 बजे तक जमा किये जा सकते है।

चर्लपल्ली-पटना के मध्य 15-15 फेरों के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

बिलासपुर/नवप्रदेश। ग्रीष्मकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये पटना-चर्लपल्ली-पटना के मध्य 15-15 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित हो कि मैं DEEPAK KUMAR JAIN S/o MODI SAMPAT LAL JAIN R/o-5/4, NEHRU NAGAR EAST BHILAI DIST. DURG (C.G.) की हूं कि मेरा पुराना नाम DEEPAK KUMAR JAIN है जो मेरे कुछ दस्तावेजो में दर्ज है, कि मैं आज दिनांक से अपना नाम परिवर्तन कर लिया हूं तथा अब मेरा नाम DEEPAK JAIN S/o SAMPAT LAL MODI है एवं यही नाम मेरे पासपोर्ट संबंधित दस्तावेज एवं अन्य समस्त दस्तावेजो में दर्ज किया जायेगा एवं मैं इसी नाम से जाना व पहचाना जाउंगा।

हस्ताक्षर,
DEEPAK JAIN
R/o-5/4, NEHRU NAGAR EAST BHILAI DIST. DURG (C.G.)

नाम परिवर्तन/सूचना

मैं बिसन बाई (BISAN BAI) पिता श्री श्रीराम (SHRI SHRIRAM) उम्र 55 वर्ष, पता-म.नं 49, पाडे पारा, बोरतरा, पो.बोरतरा, तह. साजा जिला बेमेतरा (छ.ग) की हूं मैं अपना पुराना नाम बिसन बाई (BISAN BAI) पिता श्री श्रीराम (SHRI SHRIRAM) को बदलकर नया नाम चंचल प्रजापति (CHANCHAL PRAJAPATI) पति श्री चतुर राम प्रजापति (CHATUR RAM PRAJAPATI) रख लिया है।

शपथकर्ता
बिसन बाई पिता श्री श्रीराम
पता-म.नं 49, पाडे पारा, बोरतरा, पो.बोरतरा, तह. साजा
जिला बेमेतरा (छ.ग)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202603103800025/31 /अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदक कुलजीत सिंह चहल आ. वरियाम सिंह निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई के आवेदन अनुसार आमदी नगर हुडको भिलाई स्थित नजूल भूमि खसरा नं. 1/2, 2/2 का भाग, प्लाट नं. एल.आई.जी. 246, क्षेत्रफ्ल 96.00 वर्गमीटर भूमि धारक वरयाम सिंह आ0 तारासिंह के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक की मृत्यु दिनांक 25.11.2025 को हो चुकी है। धारक द्वारा अपने जीवन काल मे पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 17.04.2025 को आवेदक के पक्ष में निष्पादित किया गया है। उक्त आधार पर आवेदक द्वारा स्वयं के नाम पर फौती नामांतरण किये जाने आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय मे विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 15.04.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर
नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202603101000159 /अ-27/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुमंत कुमार मिश्रा आ. गंगाप्रसाद मिश्रा निवासी शांति नगर भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 9064 रकबा 0.01 हे. 1425 वर्गफीट हे. भूमि सुमंत कुमार मिश्रा के नाम पर शामिलात खाते में दर्ज है। उपर वर्णित भूमि को खातेदारों द्वारा आपसी सहमति के अनुसार खाता विभाजन किए जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 16.04.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या आने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदक पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 24.03.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर के जारी किया गया है।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202603100700071 /अ-21/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती चित्रांशीमणी बिसेन पति स्व. भैखज बिसेन निवासी गणपति विहार कालोनी दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम बघेरा, प.ह. नं.-18 स्थित भूमि खसरा नंबर 299/88 रकबा 0.028 हे./ 2900 वर्गफीट भूमि जो कि भूमिस्वामी हक में आवेदिका के नाम पर दर्ज है, में से भूमि खसरा नंबर 299/88 रकबा 0.028 हे. 12900 वर्गफीट भूमि को गैर आदिवासी श्रीमती वन्दना सिंह पति नरेन्द्र सिंह निवासी वार्ड नं. 15, मोहन नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) के पास रूपये 69,00,00/- रूपये में बेचने का सौदा कर लिया गया है। जिसके संबंध में केता के साथ ईकरारनामा निष्पादित कर बयाना के तौर पर नगद 15,00,000/-रूपये, दिनांक 30/01/2026 को आर.टी.जी.एस. के माध्यम प्राप्त कर ली है एवं शेष राशि को पंजीयन के समय दिया जाना है। आवेदिका जो अनुसूचित जनजाति की है, को रकम की आवश्यकता होने से विधिवत विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 08.04.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.03.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202603100800014 /अ-06/वर्ष 2025-26
ग्राम बिरोदा, प.ह.न. 23

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं, कि आवेदक दिनेश्वर साहू पिता रमेश्वर साहू निवासी ग्राम बिरोदा, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग (छ.ग.) द्वारा फौती नामांतरण का आवेदन किया गया है कि ग्राम बिरोदा, प.ह.नं. 23 में स्थित खसरा नंबर 442/2, 489/5, 942/9, 1010/6, 1046/1 रकबा क्रमशः 0.23, 0.13, 0.05, 0.10, 0.12 हे. कुल खसरा 05 कुल रकबा 0.63 हे. भूमि रामेश्वर पिता फिरतू के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है, जो कि भूमिस्वामी रामेश्वर पिता फिरतू की दिनांक 15/09/2024 को मृत्यु हो गया है, फौत भूमिस्वामी की वारिसान (पुत्र) 1. दिनेश्वर साहू, 2. आदेश, 3. स्व. मोहन साहू व (पुत्री) नहीं तथा (पत्नी) रूखमणी बाई है, एवं स्व. मोहन साहू की वारिसान एक मात्र पुत्री ना.बा. अर्पणा साहू है। इसके अलावा मृतक का कोई वैद्य वारिस नहीं होना लेख किया जाकर उक्त भूमि पर से भूमिस्वामी स्व. रामेश्वर पिता फिरतू का नाम को विलोपित कर उनके वैद्य वारिसानों का नाम दर्ज करानें का निवेदन किया गया है। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा /आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी दिनांक 17.04.2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202512101000013 /अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.कें. 202512101000013/अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक प्रदीप कुमार वर्मा आ. उमाशंकर निवासी सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 293/1 रकबा 0.022 हे. भूमिस्वामी श्री बाबूलाल वर्मा आ. भोलाराम वर्मा के नाम पर दर्ज है। जिसे भूमिस्वामी अपने श्री बाबूलाल वर्मा आ. भोलाराम वर्मा को पंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया गया है। इस आधार पर वसीयत प्राप्तकर्ता अपना नाम दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र मय वसीयतनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को वसीयत प्राप्तकर्ता के नाम पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 28.04.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या आने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदक पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 07.04.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर के जारी किया गया है।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 20260410100006/अ-6अ/सन्- 2025-26

मामले की श्रेणी-राजस्व

कुरुद प.ह.न. 00046 हे.
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- बलविंदर सिंह /अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलविंदर सिंह पिता/पति/ विभाग गुरुवचन सिंह पता सेक्टर 06 भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद. प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 1594/32 रकबा 0.010 है./1500 वर्गफीट आवेदक द्वारा क्रय कर नामान्तरण कराया जा चूका है लकिन रकबा त्रुटिपूर्ण दर्ज हो गया है जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त भूमि का नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनाक 20.04.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02.04.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाईनगर (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर, रायपुर (छ.ग.)
एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

-:: अधिसूचना :: -

धारा-04, भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013

क्र./4035 /भू-अर्जन/2025 — रायपुर, दिनांक 30/03/2026

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2023 की धारा 04 में सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु लोक निर्माण विभाग, विधानसभा संभाग, रायपुर (छ.ग.) द्वारा आशयित है, अर्थात् -

भूमि का विवरण					लोक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/नगर	खसरा क्र.	क्षेत्रफल (व.मी. में)	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायपुर	रायपुर	जरवाय उर्फ हीरापुर, प.ह.नं. 35	781/115, 781/116,	220.46	टाटीबंध-हीरापुर मार्ग चौड़ीकरण एवं उन्नतीकरण हेतु।
योग				220.46	

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु समाजिक सामाघात निर्धारण सहमति तथा जन सुनवाई दिनांक 09.04.2026 को समय 11:30 बजे स्थान पटवारी कार्यालय टाटीबंध, जोन 8 के सामने में नियत की गई है। प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है -

01 लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण - टाटीबंध-हीरापुर मार्ग चौड़ीकरण एवं उन्नतीकरण हेतु।
02 प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या - 01
03 अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की सख्या - निरंक
04 प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या - निरंक
05 प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या - निरंक
06 क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है - हॉं
07 क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है - हॉं
08 परियोजना की कुल लागत - निरंक
09 परियोजना से होने वाला लाभ - सुगम यातायात
10 प्रस्तावित सामाजिक सामाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय - 5.00 लाख
11 परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक - निरंक

उपरोक्त भूमि के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी सुझाव देना हो तो विहित तिथि / समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

(डॉ. गौरव कुमार सिंह)
कलेक्टर, रायपुर एवं पदेन उप सचिव,
छ.ग. शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी- 262700083/1

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
नगर निगम मुख्यालय, रंग मंदिर के पास, गांधी चौक, छोटापारा, रायपुर (छ.ग.)
Pho. no. 0771-2535780,90, Fax. 0771-72227395, E-mail- dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांक 39/भ.नि.अ.प्र./ न.पा.नि./ 2026 — रायपुर दिनांक 02/04/2026

//आम-सूचना//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवदेक मेसर्स अगस्त प्रोजेक्ट द्वारा भागीदार श्री ईश्वराज सिंह भाटिया पिता श्री गुरप्रीत सिंह भाटिया पता-35-75 सोना हाउस, पंजाबी कालोनी. एस.बी.आई. जोनल आफिस, रायपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम लांभाडी प.ह.नं. 65 स्थित भूमि खसरा क्र. 15047 कुल रकबा 3.8779 हेक्टेयर अर्थात 38779.00 वर्गमीटर में से प्रायवेट रेसिडेंस रकबा 7874.71 वर्गमीटर तथा MEP service Area 537.00 Sqm. को छोड़कर शेष रकबा 30904.29 वर्गमीटर भूमि पर आवासीय (भूखण्डीय) कालोनी में विकास कार्य प्रारम्भ करने हेतु कालोनी विकास अनुमति जारी की जा रही है। उक्त कालोनी में आंतरिक विकास कार्य पूर्ण करने के एवज में बंधक रखे गये भूखण्डों, समाज के निम्न आय वर्गों हेतु आरक्षित भूखण्डों एवं EWS के लिए आरक्षित भूखण्डों का विवरण आम लोगो की जानकारी हेतु दी जा रही है। जो निम्नानुसार है-

(अ) बंधक भूखण्डों का विवरण :-

क्र	भूखण्ड क्रमांक	संख्या	रकबा प्रति बंधक भूखण्ड	रकबा कुल बंधक भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र. 01	01	358.12 Sqm.	358.12 Sqm.
2	भूखण्ड क्र. 14	01	320.22 Sqm.	320.22 Sqm.
3	भूखण्ड क्र. 15	01	320.22 Sqm.	320.22 Sqm.
4	भूखण्ड क्र. 30	01	320.22 Sqm.	320.22 Sqm.
5	भूखण्ड क्र. 31	01	320.22 Sqm.	320.22 Sqm.
6	भूखण्ड क्र. 48	01	320.22 Sqm.	320.22 Sqm.
7	भूखण्ड क्र. 49	01	320.22 Sqm.	320.22 Sqm.
8	भूखण्ड क्र. 64	01	320.22 Sqm.	320.22 Sqm.
	योग	08		2599.62 Sqm.

(ब) निम्न आय वर्गो (एल.आई.जी.) के लिए आरक्षित भूखण्डों का विवरण :-

क्र.	भूखण्ड क्र.	संख्या	रकबा प्रति LIG भूखण्ड	रकबा कुल LIG भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र-1	01	74.72 Sqm.	74.72 Sqm.
2	भूखण्ड क्र-2	01	74.72 Sqm.	74.72 Sqm.
3	भूखण्ड क्र-3	01	74.72 Sqm.	74.72 Sqm.
4	भूखण्ड क्र-4	01	74.72 Sqm.	74.72 Sqm.
	योग	04		298.88 Sqm.

(स) E.W.S. के लिए आरक्षित भूखण्डों का विवरण :-
प्रस्तावित कालोनी में EWS के लिए आरक्षित 02 भूखण्डों का विवरण :-

क्र	भूखण्ड क्र.	संख्या	रकवा प्रति EWS भूखण्ड	एकबा कुल EWS भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र-05	01	49.80 Sqm.	49.80 Sqm.
1	भूखण्ड क्र-06	01	47.60 Sqm.	47.60 Sqm.
	योग	02		97.40 Sqm.

(द) प्रस्तावित कालोनी सीमा से 2.5 कि.मी. त्रिज्यक दूरी पर ग्राम जोरा में EWS के लिए आरक्षित 04 भूखण्डों का विवरण :-

क्र.	भूखण्ड क्र	संख्या	रकबा प्रति EWS भूखण्ड	रकबा कुल EWS भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र-1	01	39.58 Sqm.	39.58 Sqm.
2	भूखण्ड क्र-2	01	36.56 Sqm.	36.56 Sqm.
3	भूखण्ड क्र-3	01	36.56 Sqm.	36.56 Sqm.
4	भूखण्ड क्र-4	01	36.56 Sqm.	36.56 Sqm.
	योग	04		149.26 Sqm.

उपरोक्तानुसार बंधक भूखण्डों को क्रय करने के पूर्व नगर निगम रायपुर द्वारा बंधक मुक्त किया गया है अथवा नहीं; इसके संबंध में कालोनाईजर से बंधक मुक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करें तथा बंधक मुक्त नहीं होने की स्थिति में बंधक भूखण्डों को क्रय न किया जावें।

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

नगर निवेशक
नगर पालिक निगम, रायपुर

लोकल ट्रेनों की लेटलतीफी से हलाकान दैनिक रेल यात्रियों में गहराने लगा आक्रोश

रायपुर/नव प्रदेश। हाल ही में मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने एक पत्रकार वार्ता लेकर चालू वित्त वर्ष मे रायपुर मंडल की उपलब्धियां गिनाई थी और दावा किया था कि राजस्व, सुरक्षा, तकनीकी नवाचार तथा यात्री सुविधाओं के मामले में रायपुर रेल मंडल ने एक आदर्श मंडल के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और सर्वाधिक राजस्व जुटाकर देश के टाप टेन रेल मंडलों में नौवां स्थान प्राप्त कर एक नया इतिहास रचा है। यह छत्तीसगढ़ के लिए निश्चित रुप से गर्व और हर्ष की बात है किंतु यह खुशी उस समय काफूर हो जाती है जब लोकल और पैसेंजर ट्रेनों को दरकिनार कर माल गाड़ियों को ही ज्यादा तरजीह दी जाती है। इससे सर्वाधिक परेशानी उन दैनिक रेल यात्रियों को होती है जिनके लिए लोकल ट्रेनें जीवन रेखा का दर्जा रखती हैं। प्रति दिन हजारों दैनिक रेल यात्री जिनमें नौकरी पेशा लोग, व्यापारी और छात्र छात्राओं के साथ ही खुद रेलवे के कर्मचारियों के अलावा सरकारी दफ्तरों में अपने काम के सिलसिले में जाने वाले आम लोग भी शामिल हैं लोकल ट्रेनों की लेटलतीफी के कारण समय पर अपने गंतव्य पर नहीं पहुंच पाते। खासतौर पर नौकरी पेशा लोगों की नौकरी भी खतरे में पड़ जाती है। मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में लोकल ट्रेनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है लेकिन छत्तीसगढ़ में लोकल ट्रेनों को उपेक्षा का दंश झेलना पड़ रहा है। लोकल ट्रेन अक्सर लेट चलती है और कई बार रद्द भी कर दी जाती है। रायपुर से बिलासपुर के बीच दैनिक रेल यात्रियों की निरंतर बढ़ती संख्या के अनुपात में पहले ही लोकल और पैसेंजर ट्रेनों की संख्या कम है। उपर से उनके घंटो विलंब से चलने, जगह जगह रोककर मालगाड़ी को पास क्रासिंग देने और अक्सर लोकल ट्रेनों के रद्द हो जाने से दैनिक रेल यात्रियों को जो कष्ट उठाना पड़ता है यह भुक्तभोगी ही समझ सकता है। लोकल ट्रेनों पर यात्रियों का दबाव बढ़ता जा रहा है। भेड़ बकरियों की तरह ठूंस - ठूंस कर वे यात्रा करने पर बाध्य हैं। ऐसे में लोकल लेट हो जाए या रद्द हो जाए तो एमएसटी धारक दैनिक रेल यात्रियों की पीड़ा का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है जो ईमानदारी से रेल किराए का अग्रिम भुगतान करते हैं। यह ठीक है कि मालगाड़ी के परिचालन से रेलवे को मुनाफा होता है लेकिन क्षमता से अधिक यात्रियों को ढोने वाली लोकल ट्रेनों से भी तो रेलवे को कमाई होती ही है। रायपुर और बिलासपुर के बीच लोकल ट्रेनों के फेरे बढ़ाने और उंन्हें सही समय पर चलाने खासतौर पर फस्ट लोकल को राइट टाईम चलाने की मांग कई बार की जा चुकी है लेकिन रेलवे प्रबन्धन इस मामले में उदासीन है। नतीजतन दैनिक रेल यात्रियों में व्याप्त असंतोष अब कभी भी आक्रोश के रुप में तब्दील हो सकता है। इसके पहले कि दैनिक रेल यात्रियों का गुस्सा फूटे रेलवे प्रबंधन को लोकल ट्रेनों की सुध लेकर उनके परिचालन की व्यवस्था में तत्काल सुधार करना चाहिए।

न्यूज गैलरी

सतनाला व्यपवर्तन योजना के लिए 6.81 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा बिलासपुर जिले के विकासखण्ड-कोटा की सतनाला व्यपवर्तन योजना के कार्यों के लिए 6 करोड़ 81 लाख 52 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। योजना से 158 हेक्टेयर खरीफ क्षेत्र में सिंचाई किया जाना प्रस्तावित है। मुख्य अभिययंता हसदेव कछार, जल संसाधन विभाग बिलासपुर को पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में राजधानी रायपुर के शासकीय अस्पताल, पंडरी में चिकित्सा उपकरणों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए शासन लगातार प्रयासरत है और इसी कड़ी में आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि इन आधुनिक उपकरणों के माध्यम से मरीजों को बेहतर, त्वरित एवं प्रभावी उपचार का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के कुल 2,250 चिकित्सा उपकरण स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराए गए, जिससे अस्पतालों में उपचार सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस प्रकार की पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं, बल्कि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में भी सहायक होती हैं। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे सतत प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उक्त चिकित्सा उपकरण भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी मद के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए हैं, जो समाज और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति संस्थागत सहयोग का एक सराहनीय उदाहरण है।

बारिश से पहले सीसी रोड, नाली इत्यादि निर्माण कार्य पूर्ण करें,

रायपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने निर्देश दिए हैं कि बारिश से पहले आवश्यक निर्माण कार्य से पूर्ण करने का प्रयास किया जाएं, ताकि वर्षा के दौरान किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने विशेष रूप से सीसी रोड, नाली एवं अन्य निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ बारिश के पहले समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर आज सभाकक्ष में अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण एवं सांसद विकास निधि के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। कलेक्टर ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण के निर्माण कार्यों में शीघ्र प्रगति लाई जाए। उन्होंने कहा कि रंग मंच एवं मंगल भवन के जो कार्य स्वीकृत हुए हैं, उन्हें जून माह तक पूर्ण किया जाए। कलेटर ने कहा कि कार्य पूर्ण होने पर निर्धारित समय पूर्णतः प्रमाण पत्र प्रदान करना सुनिश्चित किया। उन्होंने प्रधिकरण कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से किए जाने पर जोर दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

आवासीय विद्यालयों के इम्पैनलमेंट हेतु 'रूचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित

रायपुर/नवप्रदेश। वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों के इम्पैनलमेंट हेतु 'रूचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित की गई है। इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, उन्हें बेहतर करियर विकल्पों के लिए तैयार करना तथा उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करना है। योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा की सुविधा प्रदान की जाती है। चयनित संस्थाओं को विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाएगी। इच्छुक संस्थाओं को निर्धारित प्रारूप में अपने प्रस्ताव संबंधित जिले के सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय में जमा करना होगा। रायपुर जिले के लिए प्रस्ताव सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, जिला रायपुर के कार्यालय में प्रस्तुत किए जा सकते हैं। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल 2026, अपरान्ह 5 बजे तक निर्धारित की गई है। योजना से संबंधित मापदंड एवं विस्तृत जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.tribal.gov.in पर उपलब्ध है।

आयुष्मान भारत और महारानी अस्पताल से कैंसर मरीजों को मिली नई उम्मीद

रायपुर/नवप्रदेश। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी आज भी चिकित्सा जगत के सामने एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जो मरीजों को शारीरिक के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी प्रभावित करती है। ऐसे कठिन समय में आयुष्मान भारत योजना और जगदलपुर स्थित महारानी अस्पताल कैंसर पीड़ितों के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभरे हैं। यहां इलाज करा रहे कई मरीजों की कहानियां इस बात की गवाही दे रही हैं कि अब सीमित संसाधनों के बावजूद बेहतर उपचार संभव हो पा रहा है। जगदलपुर की निवासी अनीता महावर, जो एक छोटी किराना दुकान संचालित करती हैं, कैंसर के उन्नत (चौथे) चरण से जूझ रही हैं।

25 बीटों में विभाजित है, की सुरक्षा के लिए 'फायर अलर्ट' सिस्टम सक्रिय

तकनीक और तत्परता से सुरक्षित हो रहे कवर्धा के जंगल

■ **अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समन्वय के लिए सोशल मीडिया समूह बनाए**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के कवर्धा परियोजना मंडल द्वारा वनों को आग से बचाने के लिए आधुनिक तकनीक और त्वरित कार्रवाई की प्रभावी व्यवस्था लागू की गई है। लगभग 25 हज़ार 436 हेक्टेयर वन क्षेत्र, जो 25 बीटों में विभाजित है, की सुरक्षा के लिए 'फायर अलर्ट' सिस्टम सक्रिय किया गया है।

मानव संसाधन और आधुनिक साधनों का उपयोग

वनों की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक बीट में अग्नि सुरक्षा श्रमिकों की नियुक्ति की गई है, जो पूरे फायर सीजन में सक्रिय रहते हैं। इसके साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में पहले से फायर लाइन तैयार की गई है। सभी परिक्षेत्रों में फायर ब्लोअर जैसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। त्वरित प्रतिक्रिया के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम गठित की गई है। अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समन्वय के लिए सोशल मीडिया समूह बनाए गए हैं, जिससे आग की सूचना तुरंत साझा की जा सके। साथ ही, वन क्षेत्र के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को जागरूक कर उनकी सहभागिता भी सुनिश्चित की जा रही है। अग्नि नियंत्रण के बाद पूरी जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर दर्ज की जाती है, जिससे कार्यों में पारदर्शिता बनी रहती है। विभाग की सतर्कता और ग्रामीणों के सहयोग का ही परिणाम है कि मार्च 2026 तक इस क्षेत्र में केवल 23 अग्नि घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें से कई घटनाएं राजस्व भूमि और वन अधिकार पत्र वाली जमीन से संबंधित थीं। सभी मामलों में समय पर कार्रवाई कर आग पर नियंत्रण पाया गया, जिससे वन संपदा और वन्यजीवों को होने वाली क्षति को काफी हद तक रोका जा सका है। वन विकास निगम की यह पहल वनों की सुरक्षा के लिए तकनीक और सामुदायिक सहयोग का एक सफल उदाहरण बनकर सामने आई है।

तकनीक से त्वरित सूचना और कार्रवाई

वन विभाग द्वारा एफएमआईएस पोर्टल के माध्यम से सभी मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों के मोबाइल नंबर दर्ज किए गए हैं। जैसे ही किसी क्षेत्र में आग लगती है, संबंधित कर्मचारियों को तुरंत अलर्ट संदेश मिल जाता है। इससे मौके पर मौजूद टीम तत्काल पहुंचकर आग पर नियंत्रण पा लेती है।

ग्रीष्मकालीन तिलहन खेती से समृद्धि की ओर अग्रसर किसान

रायपुर/नवप्रदेश। महासमुंद जिले के विकासखंड सरायपाली अंतर्गत ग्राम सिरशोभा के प्रगतिशील किसान श्री गौतम पटेल ने पारंपरिक धान खेती के स्थान पर ग्रीष्मकालीन सूर्यमुखी अपनाकर समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। कृषि विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन तिलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है। श्री पटेल ने बताया कि पूर्व में वे धान की खेती करते थे, जिसमें अधिक जल एवं लागत की आवश्यकता होती थी। बीते वर्ष जल की कमी के कारण फसल प्रभावित होने से उन्हें आर्थिक हानि उठानी पड़ी। इसके पश्चात कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने इस वर्ष लगभग 1.5 एकड़ क्षेत्र में सूर्यमुखी की खेती की है। सूर्यमुखी फसल में कम पानी एवं कम लागत की आवश्यकता होती है, जिससे यह किसानों के लिए लाभकारी विकल्प सिद्ध हो रही है। वर्तमान में फसल की स्थिति संतोषजनक है तथा प्रति एकड़ 8 से 10 क्विंटल उत्पादन का अनुमान है। कुल उत्पादन 12 से 15 क्विंटल होने की संभावना है। बाजार मूल्य 4500 से 5500 रुपए प्रति क्विंटल के अनुसार लगभग 54 हजार से 82 हजार 500 रुपए की आय संभावित है, जिसमें 40 से 65 हजार रुपए तक शुद्ध लाभ प्राप्त होने का अनुमान है। गौरतलब है कि कृषि विभाग द्वारा उन्नत बीज, तकनीकी परामर्श एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराए जाने से किसान नवीन खेती पद्धति को सफलतापूर्वक अपना रहे हैं।

पीएम जनमन योजना ने बदली कमार जनजाति के लोगों का जीवन

रायपुर/नवप्रदेश। कभी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करने वाली कमार जनजाति के जीवन में अब बदलाव की नई तस्वीर नजर आने लगी है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन ने कांकेर जिले के नरहरपुर विकासखंड के मावलीपारा, बिहावापारा, मारवाड़ी, धनोरा, साईमुण्डा, मुसुरपुट्टा, दुधावा, बासनवाही, गंवरसिल्ली, भैंसमुण्डी, दलदली, बादल और डोमपदर गांव में रहने वाले विशेष रूप से पिछड़े कमार समुदाय के जीवन स्तर को नई दिशा दी है। इन 13 गांवों में रहने वाले 72 परिवारों की 283 की आबादी अब योजनाओं के जरिए मुख्यधारा से जुड़ रही है। इस समुदाय के लोगों को स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। हर घर तक नल-जल योजना का लाभ पहुंचा है, वहीं मोबाइल मेडिकल यूनिट और आंगनबाड़ी सेवाओं से स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति भी सुधरी है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 22 परिवारों को पक्के मकान मिल चुके हैं। सड़कों के निर्माण से गांवों की कनेक्टिविटी मजबूत हुई है, जिससे बाजार और अन्य सेवाओं तक पहुंच आसान हुई है। केंद्र और राज्य की योजनाओं के समन्वय से आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जनधन खाते, पीएम किसान सम्मान निधि और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाओं से भी कमार परिवारों को जोड़ा गया है। 09 केंद्रीय मंत्रालयों के सहयोग से संचालित 11 गतिविधियों के माध्यम से इन पीवीटीजी परिवारों तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया गया है।

वेंकटेश सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

रायपुर/नवप्रदेश। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर श्री वेंकटेश सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा 7 अप्रैल 2026 को "सेहत का उत्सव" के तहत एक भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

यह शिविर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें शहर के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर विभिन्न रोगों के लिए निःशुल्क परामर्श प्रदान करेंगे।

अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन पंजीयन के लिए अभी कॉल करें और अपना स्लॉट सुरक्षित करें।

शिविर में निम्न विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे

प्रो. डॉ. संदीप चंद्राकर - जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
डॉ. संजीव गुप्ता - न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन
डॉ. निमेष नेभानी - ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन
डॉ. चंद्रकांत उसेंडी -इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
डॉ. वर्षा विश्वनाथ -रेस्पिरेटरी मेडिसिन
डॉ. शिवम पटेल - नेफ्रोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट फिजिशियन
डॉ. शीतल इंगले - इंटरनल मेडिसिन
डॉ. नलिनेश शर्मा -फिजियोथेरेपी एवं रिहैबिलिटेशन

इस अवसर पर मरीजों के लिए सभी आवश्यक जांचों पर 25% तक की विशेष छूट भी प्रदान की जाएगी। यह सुविधा नए पंजीकृत मरीजों के लिए उपलब्ध रहेगी। अस्पताल प्रबंधन ने आमजन से अपील की है कि वे इस स्वास्थ्य शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें।

'प्रोजेक्ट धड़कन' के तहत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना "प्रोजेक्ट धड़कन" के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज अभनपुर टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 खंडवा में 154 बच्चों की स्क्रीनिंग, आरंग टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 उमरिया में 134 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 धनेली में 120 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 टिकरापारा नगर में 132 बच्चों की स्क्रीनिंग एवं 01 बच्चा सस्पेक्टेड, अर्बन टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 3 एवं 4 भाठागांव में 191 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप से युवाओं को मिलेगा प्रशासनिक क्षेत्र में करियर का अवसर

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के युवाओं को सुशासन और पब्लिक पॉलिसी के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से "मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप" के तहत संचालित दो वर्षीय MBA इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस क्रम में भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के प्रतिनिधि श्री बिनॉय टी एवं श्री एस.एन. मंडल द्वारा जशपुर सहित प्रदेश के उत्तरी जिलों का दौरा कर विद्यार्थियों को इस कोर्स की जानकारी दी जा रही है। टीम द्वारा विभिन्न इंजीनियरिंग एवं स्नातक महाविद्यालयों में पहुंचकर कार्यक्रम की विशेषताओं, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। साथ ही पंपलेट वितरण के माध्यम से भी अधिक से अधिक युवाओं तक जानकारी पहुंचाई जा रही है। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ शासन एवं IIM रायपुर के संयुक्त प्रयास से संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों की पूरी फीस राज्य शासन द्वारा वहन की जाएगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को प्रति माह 50 हजार रूपए की छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम की विशेषता यह है कि अभ्यर्थियों को IIM रायपुर में उच्च स्तरीय कक्षा शिक्षण के साथ-साथ राज्य शासन के विभिन्न विभागों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण का अवसर भी मिलेगा, जिससे उन्हें नीति निर्माण और प्रशासनिक कार्यों का वास्तविक अनुभव प्राप्त होगा।

वन विभाग ने की मीडिया से अपील- केवल प्रमाणित और तथ्यात्मक जानकारी ही साझा करें

घायल बायसन की स्थिति स्थिर, वैज्ञानिक तरीके से किया जा रहा है उपचार

रायपुर/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के पंडरिया क्षेत्र में घायल बायसन (गौर) को लेकर सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में प्रसारित खबरों को छत्तीसगढ़ वन विभाग ने भ्रामक और तथ्यहीन बताया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बायसन की हालत स्थिर है और उसका उपचार विशेषज्ञों की निगरानी में वैज्ञानिक पद्धति से लगातार किया जा रहा है।

घाव में संक्रमण की खबरें गलत

वन विभाग के अनुसार बायसन के घाव में कीड़े पड़ने और संक्रमण फैलने की खबरें पूरी तरह निराधार हैं। विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम ने 30 मार्च और 05 अप्रैल 2026 को मौके पर जांच की, जिसमें घाव साफ पाया गया। बायसन को पहले ही एंटी-मैगॉट दीर्घकालिक इंजेक्शन दिया जा चुका है और घाव में नए ऊतक बन रहे हैं, जो उसके स्वस्थ होने का संकेत है। बायसन को दूसरे स्थान पर ले जाने की मांग पर विभाग ने कहा कि फिलहाल ऐसा करना सुरक्षित नहीं है। ट्रेंकुलाइज करने से 'कैप्चर मायोपैथी' का खतरा रहता है, जिससे उसकी जान को नुकसान हो सकता है। साथ ही, परिवहन के दौरान चोट बढ़ने और नए स्थान पर भोजन छोड़ने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार मौके पर ही उपचार (इन-सीटू) किया जा रहा है।

लगातार निगरानी और उपचार जारी

वन विभाग द्वारा बायसन को एंटी-बैक्टीरियल दवाएं और दर्द निवारक उपचार दिए जा रहे हैं। विशेषज्ञों की टीम उसकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और आवश्यकता अनुसार उपचार किया जा रहा है। वन विभाग ने मीडिया से अपील की है कि वन्यजीवों से जुड़े मामलों में केवल प्रमाणित और तथ्यात्मक जानकारी ही साझा करें। विभाग ने आश्वस्त किया है कि बायसन के पूर्ण स्वस्थ होने तक निगरानी और उपचार जारी रहेगा।

प्राकृतिक व्यवहार के तहत नाले के पास रहना

विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बायसन का नाले के पास रहना कमजोरी नहीं, बल्कि उसका प्राकृतिक व्यवहार है। जोड़ों में चोट के कारण वह कम गतिविधि कर रहा है और ठंडे व सुरक्षित स्थान पर रह रहा है। वह जरूरत के अनुसार पानी पी रहा है और सीमित रूप से चल-फिर रहा है।

ब्लैक कार्बन से पिघल रहे ग्लेशियर...

पाकिस्तान-अफगानिस्तान का पॉल्यूशन कैसे हिमालय के लिए बन रहा मुसीबत

हिमालय की बर्फीली चोटियां और ग्लेशियर दुनिया के सबसे बड़े ताजे पानी के भंडार हैं, जो भारत, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और चीन जैसे देशों को नदियों के रूप में पानी देते हैं। लेकिन अब यह क्षेत्र गंभीर संकट की ओर जा रहा है. पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आने वाला ब्लैक कार्बन हिमालय के ग्लेशियरों को तेजी से पिघला रहा है। ब्लैक कार्बन एक छोटा कण है जो पूरी तरह से नहीं जलता यानी अधूरा जलने से बनता है - जैसे डीजल वाहनों, ईंट भट्टों, बायोमास जलाने और औद्योगिक धुएं से यह हवा में उड़कर हिमालय पहुंचता है. बर्फपर जमा हो जाता है। इससे बर्फका रंग काला पड़ जाता है, जो सूरज की किरणों को ज्यादा सोख लेता है। बर्फतेजी से पिघलने लगती है।

ब्लैक कार्बन एक शॉर्ट-लिव्ड क्लाइमेट पॉल्यूटेंट है। यह कार्बन डाइऑक्साइड की तरह लंबे समय तक हवा में नहीं रहता, लेकिन इसका गर्म करने का प्रभाव बहुत तेज और खतरनाक है. पाकिस्तान और अफ्गानिस्तान में ईंट भट्ठों, पुरानी डीजल गाड़ियों, घरों में लकड़ी-कोयला जलाने और खुले में कचरा जलाने से बहुत ज्यादा ब्लैक कार्बन निकलता है. प्री-मानसून मौसम में हवा की दिशा इसे इंडो-गंगा मैदान से होते हुए हिमालय की ओर ले जाती है।

लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

श्रीनगर। श्रीनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में दो पाकिस्तानी आतंकियों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक सुनियोजित अभियान के तहत राजस्थान और हरियाणा सहित कई राज्यों में कुल 19 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को मॉड्यूल से जुड़े कई आपत्तिजनक और महत्वपूर्ण सबूत भी बरामद हुए हैं। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

भारतीय एयरलाइंस की अब तक 10 हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द

नई दिल्ली/ए.। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का सीधा असर हवाई यात्रा पर पड़ा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को इस बारे में एक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब से पश्चिम एशिया क्षेत्र में युद्ध शुरू हुआ है, तब से भारतीय विमानन कंपनियों की 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव असंगबा चुबा आओ ने मीडिया से बातचीत में ये आंकड़े पेश किए। उन्होंने कहा कि पहले भारतीय एयरलाइंस पश्चिम एशिया के लिए हर दिन 300 से 350 उड़ानें संचालित करती थीं।

असम की बराक घाटी में कांग्रेस ने घुसपैठियों को शरण दी: शाह

नई दिल्ली/ए.। गृह मंत्री अमित शाह ने असम के श्रीभूमि जिले के पाथरकांडी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी असम को घुसपैठियों का गढ़ नहीं बनने देगी और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार बनाने की अपील की। शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल बाबा, साफ सुन लीजिए, हम असम को घुसपैठियों का गढ़ नहीं बनने देंगे। उन्होंने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने असम की बराक घाटी की उपेक्षा की, उसके विकास के लिए कुछ नहीं किया।

करिमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि करने का संकल्प

सांस्कृतिक मुद्दों पर बात करते हुए शाह ने कहा कि केवल भाजपा में करिमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि करने का संकल्प है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह सत्ता हासिल करने के लिए घुसपैठियों पर निर्भर रहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा असम में जाति, माट्टी और बेटी की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा सरकार ने घुसपैठियों की पहचान कर ली है

गृह मंत्री ने दावा किया कि भाजपा ने घुसपैठियों की पहचान कर ली है और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनाइए, हमने घुसपैठियों की पहचान कर ली है। अब समय आ गया है कि उन्हें एक-एक कर बाहर किया जाए। शाह ने यह भी कहा कि अगर असम, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में भाजपा-एनडीए की सरकारें बनती हैं तो घुसपैठ पूरी तरह रोकी जा सकेगी।

सीएए का किया बचाव

शाह ने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने असमिया और बांग्ला भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया। साथ ही उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (C) का बचाव करते हुए कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए इसका विरोध करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन के बयान पर दी प्रतिक्रिया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शाह ने कहा कि गुजरात को अनपढ़ों का राज्य बताना अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि यही भूमि दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार पटेल और विक्रम साराभाई जैसी महान हस्तियों की जन्मभूमि रही है। असम में 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए 9 अप्रैल को मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का पाकिस्तान पर तीखा पलटवार

बैरकपुर। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के भड़काऊ बयान पर तीखा पलटवार किया है। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि वे 55 साल पहले के अंजाम को न भूलें जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था। उन्होंने साफ लहजे में चेतावनी दी कि अगर इस बार पाकिस्तान ने बंगाल की तरफ आंख उठाकर भी देखा तो खुदा ही जाने उसके कितने टुकड़े होंगे। पाकिस्तानी नेतृत्व को संयम बरतने और इतिहास से सीख लेने की सलाह दी है। बैरकपुर में चुनावी रैली के दौरान राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान की धमकी और उस पर तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के बयान पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। अभिषेक बनर्जी ने सवाल उठाया था कि पाकिस्तानी धमकी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं। इस पर पलटवार करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि देश का रक्षा मंत्री होने के नाते वह खुद इस मुद्दे पर अपनी बात रख रहे हैं और यह जरूरी नहीं कि हर बात पर प्रधानमंत्री ही बोलें।

पाकिस्तान को राजनाथ सिंह का करारा जवाब

दरअसल, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफने हाल ही में भारत को लेकर एक विवादित बयान दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक आसिफने कहा था कि अगर भारत की ओर से कोई भी कार्रवाई होती है तो पाकिस्तान कोलकाता पर हमला करके उसका जवाब देगा। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री को इस तरह की भड़काऊ बातें नहीं करनी चाहिए।

अमेरिका-ईरान तनाव: ट्रंप की चेतावनी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल

वाशिंगटन/ए.। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तीन प्रतिशत का भारी उछाल आया है। इस दौरान एमसीएक्स पर क्रूड अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। ब्रेंट क्रूड, होर्मुज जलमार्ग और शेयर बाजार पर इसके प्रभाव की पूरी रिपोर्ट यहां पढ़ें। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई मंगलवार की समयसीमा के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई है। इस तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान के लिए फिर से खोलने की समयसीमा के सीधे असर से मंगलवार को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से अधिक का भारी उछाल दर्ज किया गया, जिससे कीमतें नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। एमसीएक्स पर भी क्रूड 300 रुपये बढ़कर 10,888 रुपये प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। मंगलवार को वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतें 300 रुपये बढ़कर 10,888 रुपये प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। यह वृद्धि लगातार आपूर्ति संबंधी चिंताओं और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बीच मजबूत वैश्विक ऊर्जा मानकों के अनुरूप रही।

कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि

कच्चे तेल के बाजार में दर्ज किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स 3 प्रतिशत या 4.15 डॉलर से अधिक बढ़कर 116.56 डॉलर पर पहुंच गया है। वहीं, सुबह 9:57 बजे तक ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 1.69 प्रतिशत या 1.86 डॉलर की बढ़त के साथ 111.63 डॉलर के इंट्राडे उच्च स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रेंट क्रूड ने इस संघर्ष की शुरुआत के बाद से 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है, जो 27 फरवरी के 72.48 डॉलर के स्तर से उछलकर 9 मार्च तक 119.50 डॉलर तक पहुंच गया था।

91 लाख मतदाताओं के नाम हटने की संभावना

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया संपन्न

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाताओं के नामों को हटाने की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया न्यायिक अधिनिर्णय के बाद सोमवार की मध्यरात्रि को संपन्न हो गई है। चुनाव आयोग के अनुमान के अनुसार, राज्य में कुल हटाए गए मतदाताओं की संख्या लगभग 91 लाख तक पहुंच गई है। हालांकि, अंतिम आंकड़े आने के बाद इसमें मामूली वृद्धि हो सकती है, क्योंकि न्यायिक अधिकारियों द्वारा ई-हस्ताक्षर की प्रक्रिया अभी भी कुल मामलों के एक छोटे से हिस्से के लिए पूरी की जानी बाकी है। मुख्य चुनाव अधिकारी, पश्चिम बंगाल के कार्यालय द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के अनुसार, न्यायिक अधिनिर्णय के लिए संदर्भित कुल 60,06,675 मामलों में से 59,84,512 मामलों की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और उन पर न्यायिक अधिकारियों के ई-हस्ताक्षर लगा दिए गए हैं। इन 59,84,512 मामलों में से, न्यायिक अधिकारियों द्वारा 'हटाए जाने योग्य' माने गए और इसलिए हटाए गए मतदाताओं की संख्या 27,16,393 है। इसका अर्थ है कि वर्तमान में पश्चिम बंगाल में हटाए गए मतदाताओं की कुल संख्या 90,83,345 है।

पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पहुंची पुलिस

दिसपुर/नई दिल्ली(वार्ता)। असम में चुनाव के बीच कांग्रेस और भाजपा के बीच घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा पर लगाए गए आरोपों के बाद उनके दिल्ली स्थित आवास पर असम पुलिस की टीम पहुंची है। माना जा रहा है कि यह कार्रवाई फर्जी पासपोर्ट को लेकर लगाए गए गंभीर आरोपों के आधार पर हुई है। हाल ही में पवन खेड़ा ने असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा और उनकी पत्नी रिंकी के पास तीन पासपोर्ट होने के आरोप लगाए थे। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बाद कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। आज असम पुलिस की एक टीम दिल्ली पुलिस के साथ उनके आवास पहुंची। हालांकि, सीएम हिमंत ने पुलिस की कार्रवाई के बीच कहा कि खेड़ा अपना दिल्ली का घर छोड़कर हैदराबाद चले गए हैं, उन्हें ये जानकारी मीडिया से मिली है। दिल्ली में पुलिस की कार्रवाई के बीच असम के शिवसागर में पत्रकारों के सवाल के जवाब में राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा मामले में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, वह कल गुवाहाटी से दिल्ली भाग गए। कानून अपना काम करेगा। इससे पहले सीएम हिमंत ने एक दिन पहले ही राज्य में चढ़ते सियासी पारे के बीच कांग्रेस के नेताओं पर चुनाव प्रभावित करने के लिए पाकिस्तान से जुड़े सोशल मीडिया ग्रुप की मदद लेने का आरोप लगाया था।

ईरान के लिए जासूसी करने के आरोप में दो हिरासत में

दोहा(स्पुतनिक/वार्ता)। बहरीन के लोक अभियोजक कार्यालय ने कहा कि ईरान के लिए जासूसी करने की कथित योजना में दो संदिग्धों को बहरीन के कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने हिरासत में लिया है। बहरीन में अभियोजक कार्यालय ने सोमवार को एक बयान में कहा, ÷जासूसी करने और खुफिया सेवाओं तथा आतंकवादी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के लिए काम करने के आरोप में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

चांदी में 5000 रुपए का भारी उछाल सोना 1.53 लाख रुपए के पार पहुंचा

नई दिल्ली/ए.। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने का सीधा असर घरेलू सर्राफा बाजार पर देखने को मिला है। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मूल्यवान धातुओं की कीमतों में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई, जिसमें चांदी 5,000 रुपये की भारी छलांग लगाकर 2.42 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई। वहीं, सोने की कीमतों में भी जोरदार उछाल देखने को मिला है। विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और मूल्य खरीदारी इस उछाल के प्रमुख कारण हैं।

'ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन' की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार के 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर के मुकाबले सोमवार को चांदी की कीमत 2.11 प्रतिशत (5,000 रुपये) बढ़कर 2,42,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई।

इसी तरह, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी 1.52 प्रतिशत या 2,300 रुपये की जोरदार बढ़त दर्ज की गई। यह पिछले सत्र के 1,51,500 रुपये से उछलकर 1,53,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के स्तर पर पहुंच गया है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटी) सौमिल गांधी के अनुसार, कीमती धातुओं में हालिया गिरावट के बाद व्यापारियों द्वारा की गई 'वैल्यू बाइंग' (बार्गेन हंटिंग) के साथ-साथ डॉलर तथा कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट ने इस तेजी को समर्थन दिया है। घरेलू बाजार की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कीमती धातुओं में चमक दिखी है, जहां हाजिर चांदी 0.5 प्रतिशत बढ़कर 73.37 डॉलर प्रति औंस और सोना 0.14 प्रतिशत बढ़कर 4,682.80 डॉलर प्रति औंस हो गया। मीरा एसेट शेयरखान के कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने बताया कि हाजिर सोना लगभग 0.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,680 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 7 अप्रैल की समयसीमा से पहले ईरान संघर्ष में युद्धविराम की संभावना के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट ने सोने को सहारा दिया है।

नेशनल क्रिकेट एकेडमी के लिए छग स्टेट क्रिकेट संघ के तीन खिलाडियों का चयन

रायपुर/ए.। ऑल इंडिया जुनीयर चयन समिति द्वारा नेशनल क्रिकेट एकेडमी के अंडर 16 एलीट कैंप एवं हाई परर्फामेंस कैंप हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के 3 खिलाडियों का चयन किया गया है। हाई परफारमेंस कैंप हेतु अर्षवीर सिंह भाटीया का चयन किया गया है। कैंप दिनांक 18 मई 2026 से 13 जून 2026 तक बैगलुरु स्थित बी सी सी आई के सेन्टर ऑफएक्सीलेंस में आयोजित किया जायेगा। अंडर 16 एलीट कैंप हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के निम्न 2 खिलाडियों का चयन किया गया है, जो 11 मई 2026 से 06 जून 2026 तक होने वाले एलीट कैप में हिस्सा लेगें । प्रतिक गंर्धव एवं देहरादून, अरहम नाहर अनंतपुर उक्त खिलाडी बीसीसीआई के विषेशज्ञों के अधिन प्रषिक्षण प्राप्त करेगें, जिसमें तकनीकी तथा शारिरिक प्रषिक्षण भी सम्मिलित है।

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम रूस में खेलेगी तीन मैत्री मैच

नई दिल्ली/ए.। भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम रूस के सोची में 11, 14 और 17 अप्रैल 2026 को मेजबान टीम के खिलाफतीन मैत्री मैच खेलेगी। मुख्य कोच पामेला कोंटी ने इस दौरे के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। सभी मुकाबले सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में खेले जाएंगे और भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे। यंग टाइग्रेसेस, जो एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप चीन 2026 की तैयारियों में जुटी हैं, 6 अप्रैल की रात सोची पहुंची। पिछले महीने टीम ने यांगून का दौरा किया था, जहां उसने मेजबान टीम के खिलाफदो मैत्री मैच खेले और दोनों में जीत दर्ज की (2-0 और 3-2)। इसके बाद टीम ने बेंगलुरु में अपना प्रशिक्षण शिविर जारी रखा। एशियन कप में, जो सूझोउ में खेला जाएगा, भारत को ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया (2 मई), जापान (5 मई) और लेबनान (8 मई) के खिलाफमुकाबले खेलने हैं।

200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ठग सुकेश चंद्रशेखर को मिली जमानत

मुंबई। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर को जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि लंबे समय तक बिना वजह जेल में रखना व्यक्ति की आजादी और जल्द सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन है। लेकिन जमानत के साथ ही अदालत ने कुछ खास शर्तें भी रखी हैं। अदालत के आदेश के अनुसार, सुकेश चंद्रशेखर को 5 लाख रुपये के मुचलके और उतनी ही जमानत राशि जमा करने पर रिहा किया जाए। यह केस 200 करोड़ रुपये की रंगदारी वसूलने और उसके पैसे को वैध बनाने (मनी लॉन्ड्रिंग) से जुड़ा है। सुकेश चंद्रशेखर, उनकी पत्नी लीना मारिया पॉल और कुछ लोगों पर संगठित अपराध (MCOCA कानून) के तहत भी आरोप लगे हैं। पुलिस के मुताबिक, सुकेश ने AIADMK नेता टीटीवी दिनाकरन के लिए बिचौलिए का काम किया। उन पर आरोप है कि उन्होंने चुनाव चिह्न हासिल करने के लिए भारतीय चुनाव आयोग (ECI) के एक अधिकारी को रिश्वत देने की कोशिश की। इस काम के लिए 1.3 करोड़ रुपये नकद भी बरामद किए गए थे।

जमानत मिलने के बावजूद जेल से ही रहेंगे सुकेश

जमानत मिलने के बाद भी सुकेश अभी जेल में बाहर नहीं आ सकेंगे। दलअसल, सुकेश चंद्रशेखर को एक बड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत तो मिल गई है, लेकिन बाकी मामलों की वजह से वह अभी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। उनके खिलाफकुल 31 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 26 मामलों में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है। लेकिन 5 मामले अभी भी लंबित हैं, जिनमें वह जेल में हैं। इसलिए इस एक मामले में जमानत मिलने से उनकी रिहाई नहीं होगी।

न्यूज गैलरी

पटपरा राशन घोटाला: 400 से ज्यादा हितग्राहियों को नहीं मिला अनाज

कोरबा/नवप्रदेश। जिले के पाली विकासखंड के ग्राम पंचायत पटपरा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की उचित मूल्य दुकान में बड़े पैमाने पर राशन गबन का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जांच में गंभीर अनियमितताएं उजागर होने के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं एसडीएम पाली ने मामले को अत्यंत गंभीर मानते हुए खाद्य निरीक्षक को तत्काल थाना पाली में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के आदेश जारी किए हैं। यह दुकान 'महिला जागृति स्व सहायता समूह भोड़कछार' द्वारा संचालित की जा रही थी, जहां जांच के दौरान बड़े स्तर पर गड़बड़ी और खाद्यान्न गबन की पुष्टि हुई। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2026 के वितरण रिकॉर्ड में भारी हेराफेरी की गई। समूह द्वारा 562 राशन कार्डधारियों के अंगूठे और हस्ताक्षर तो लिए गए, लेकिन इनमें से 400 से अधिक हितग्राहियों को वास्तविक रूप से राशन नहीं दिया गया। यानी कागजों में वितरण दिखाकर खाद्यान्न का गबन किया गया। इतना ही नहीं, मार्च 2026 के आवंटन में भी गंभीर अनियमितता सामने आई है। रिकॉर्ड के अनुसार 154 क्विंटल चावल का वितरण नहीं किया गया, जबकि भौतिक सत्यापन के दौरान 50 किलो चावल स्टॉक में कम पाया गया। जांच टीम को आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए, जिससे संदेह और गहरा गया। मामले में समूह की अध्यक्ष कांति बाई, सचिव अनिता और विक्रेता रविन्द्र कुमार को जिम्मेदार मानते हुए नामजद किया गया है। इनके खिलाफ छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

गौवंश लगातार दुर्घटना का शिकार हो रहे, प्रशासनिक अफसर मौन

चारामा/नवप्रदेश। बस्तर संभाग के प्रवेश द्वार , धर्मनगरी और राजनैतिक वर्चस्व नगर पंचायत चारामा में लगातार गौवंश दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं ऐसे में गौवंश के साथ साथ आम नागरिक भी अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध रेत परिवहन का बिछाव ,लगातार गौवंश सड़क दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं जिसके साथ आम नागरिक भी दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं ऐसी स्थिति में प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारियों के साथ साथ राजनीतिक दलों के पदाधिकारी भी मौन बैठे हुए हैं।वर्तमान स्थिति में गौपालक के द्वारा गौवंश को खुलेआम छोड़ दिया गया है जिससे वह मुख्य सड़क मार्ग पर विचरण करने मजबूर हैं और दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कांकेर जिला में एक भी गौशाला नहीं है जहां गौवंश का उपचार या देखरेख किया जाए मगर इस जिला में मधुशाला जरूर मिलेगा।कुछ गौसेवक अपने स्तर पर संरक्षण एवं देखरेख कर रहे हैं मगर जगह और चिकित्सक की कमी देखने को मिलता है।हर साल लाखों रुपए खर्च कर धार्मिक आयोजन कराते हैं जहां गौमाता की जय,गौ हत्या बंद हो का नारा जरूर लगाते हैं मगर सेवा और सुरक्षा के समय मौन रह जाते हैं। मुख्य सड़क मार्ग के स्ट्रीट लाइट कई जगह का खराब है,टोल नाका सिर्फ फास्ट टैग से चार्ज कांटते है मगर सुविधा कम देते है।अगर यही स्थिति रही तो प्रशासन और राजनैतिक वायदों से विश्वास जरूर खत्म हो जाएगा।

छुईखदान में धड़ल्ले से चल रहे अवैध ईंट भट्ठे, प्रशासन बेखबर या मौन?

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई/नवप्रदेश। जिले के छुईखदान ब्लॉक में इन दिनों अवैध ईंट भट्ठों का कारोबार तेजी से फैलता जा रहा है। खासकर बूढ़ानभाठ रोड सहित कई इलाकों में बिना अनुमति के ईंट भट्ठे संचालित हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इन भट्ठों से निकलने वाला जहरीला धुआं वातावरण को प्रदूषित कर रहा है। इसका सीधा असर किसानों की फसलों पर पड़ रहा है, जिससे उत्पादन घटने की आशंका बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, कई ईंट भट्ठे बिना पर्यावरणीय स्वीकृति और वैध दस्तावेजों के ही संचालित हो रहे हैं। न तो श्रम कानूनों का पालन हो रहा है और न ही सुरक्षा मानकों का ध्यान रखा जा रहा है। मजदूरों से कठिन परिस्थितियों में काम लिया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि इतने बड़े स्तर पर अवैध गतिविधियां होने के बावजूद प्रशासन आखिर क्यों चुप है? क्या जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है? ग्रामीणों में इस मुद्दे को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध ईंट भट्ठों की जांच कर उन्हें तत्काल बंद कराया जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि पर्यावरण और आम जनता को राहत मिल सके।

ट्रिपलआईटी का दीक्षांत समारोह आज, 553 को मिलेंगी डिग्रियां

रायपुर/नवप्रदेश। नया रायपुर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) का दीक्षांत समारोह 8 अप्रैल को सुबह 11:30 बजे संस्थान परिसर में आयोजित किया जाएगा। समारोह में कुल 553 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपाधियां प्रदान की जाएंगी। समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे। दीक्षांत भाषण प्रख्यात वैज्ञानिक प्रो. उमेश वी. वाघमारे द्वारा दिया जाएगा, जो जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र के अध्यक्ष और भारतीय विज्ञान अकादमी के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। इस वर्ष कुल 553 उपाधियां प्रदान की जाएंगी, जिनमें 21 पीएचडी, 25 एमटेक, 1 एमएस (रिसर्च) और 506 बीटेक शामिल हैं। समारोह में कुल 23 मेडल भी प्रदान किए जाएंगे। इनमें बीटेक में सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए 3 गोल्ड मेडल, उत्कृष्ट नवाचार के लिए 3 चेयरमैन गोल्ड मेडल, ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप के लिए 3 अजय चौधरी गोल्ड मेडल, बीटेक में उच्चतम सीजीपीए के लिए 9 सिल्वर मेडल और एमटेक में उच्चतम सीजीपीए के लिए 5 सिल्वर मेडल दिए जाएंगे। समारोह में प्रसिद्ध तकनीकी उद्यमी किरण देशपांडे भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

सामूहिक विवाह योजना में संगठित लूट, दोषी पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं

- **मनेंद्रगढ़ में सामूहिक विवाह में 21 लाख का खरीदा गया सामान, कलेक्टर जांच में भ्रष्टाचार की पुष्टि**
- **पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने उठाया भ्रष्टाचार का मुद्दा, जांच में सच आया सामने– फिर भी दोषी को संरक्षण**

मनेन्द्रगढ़ (नवप्रदेश)। मनेन्द्रगढ़ में सामूहिक विवाह योजना में गड़बड़ी का मामला अब गंभीर राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। गुलाब कमरो द्वारा की गई शिकायत की जांच में आरोप सही पाए जाने के बावजूद अब तक संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई न होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में लगभग 21 लाख रुपये की सामग्री क्रय एवं व्यय में अनियमितता के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस संबंध में भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो द्वारा की गई शिकायत की जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए हैं। कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास शाखा), जिला एम.सी.बी. द्वारा इस मामले में जांच समिति का गठन किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान नियमों का उल्लंघन करते हुए सामग्री खरीदी गई और राशि खर्च की गई।

दोषी अफसर सूरजपुर जिलो में पदस्थ

जांच में यह भी सामने आया कि उस समय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के रूप में पदस्थ रहे शुभम बंसल के खिलाफ पूरी शिकायत सही पाई गई और जांच रिपोर्ट शासन को भेजा गया इसके बावजूद भी वर्तमान में वे प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी के रूप में जिला सूरजपुर में पदस्थ हैं।

कलेक्टर जांच में सही पाया गया मामला

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि उनके द्वारा की गई शिकायत के बाद कलेक्टर द्वारा जांच कराई गई और रिपोर्ट में शिकायत सही पाई गई, कलेक्टर द्वारा कई माह पूर्व प्रशासन को कार्यवाही के लिए पत्र लिखा जा चुका हैं इसके बावजूद अब तक संबंधित अधिकारी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

मंत्री के आश्वासन के बाद भी कार्रवाई नहीं

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने मनेंद्रगढ़ प्रवास के दौरान इस मामले में कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन स्थिति इसके विपरीत है। संबंधित अधिकारी को न केवल हटाया नहीं गया, बल्कि उन्हें मंत्री के ही गृह जिले सूरजपुर में पदस्थ कर दिया गया है।

मंत्री का बयान केवल औपचारिकता तक सीमित

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या मंत्री का बयान केवल औपचारिकता तक सीमित हैं? उन्होंने यह भी पूछा कि जिन अधिकारियों पर गंभीर वित्तीय अनियमितता के आरोप सिद्ध हो रहे हैं, उन्हें भाजपा सरकार में संरक्षण मिल रहा है।

भ्रष्टाचारियों को भाजपा सरकार में संरक्षण

गुलाब कमरो ने कहा कि एमसीबी कलेक्टर द्वारा कई माह पूर्व जांच प्रतिवेदन संचालनालय एवं सचिवालय महिला एवं बाल विकास विभाग, नवा रायपुर को कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। शासन स्तर पर इस मामले में निर्णय कब निर्णय लिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कब तक कार्रवाई होगी। सरकार ही भ्रष्टारियों को बचाने में लगी है।

तैयारियां: विभिन्न वार्डों और कचरा प्रबंधन व्यवस्था का निरीक्षण किया

स्वच्छता सर्वेक्षण से पहले निरीक्षण 700 टन कचरा प्रबंधन की जांच

रायपुर/नवप्रदेश। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को देखते हुए रायपुर नगर निगम में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मार्च-अप्रैल के दौरान आयोजित स्वच्छता लीग के तहत क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की गाइडलाइन पर गठित दल ने शहर के विभिन्न वार्डों और कचरा प्रबंधन व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान संकरी स्थित कचरा प्रोसेसिंग प्लांट की कार्यप्रणाली का विशेष रूप से अवलोकन किया गया, जहां प्रतिदिन निकलने वाले करीब 700 टन कचरे का निपटान किया जाता है। निरीक्षण के आधार पर अधिकारियों ने विस्तृत रिपोर्ट भी तैयार की है। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने बताया कि केंद्रीय टीम के आने से पहले यह राज्य सरकार की तैयारी का हिस्सा है, जिससे व्यवस्थाओं का आकलन किया जा सके।

200 कम्युनिटी टॉयलेट का निरीक्षण: निरीक्षण दल ने शहर के लगभग 200 कम्युनिटी टॉयलेट का भी जायजा लिया। खुले में शौच की प्रवृत्ति को खत्म करने के लिए टॉयलेट सुविधाओं को और मजबूत करने के निर्देश दिए गए। इसमें सुलभ और स्मार्ट टॉयलेट दोनों की व्यवस्था की समीक्षा की गई।

कचरे से कम्पोस्ट और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कचरे से होने वाली रीसाइक्लिंग प्रक्रिया को भी देखा। प्रतिदिन लगभग 25 टन कम्पोस्ट तैयार किया जा रहा है। करीब 5 टन प्लास्टिक ग्रेन्यूल्स बनाए जा रहे हैं। इन ग्रेन्यूल्स का उपयोग प्लास्टिक उत्पाद जैसे बाल्टी और बोतल बनाने में किया जाता है। वहीं, लगभग 200 टन ऐसा कचरा जिसे रिसाइकिल नहीं किया जा सकता, उसे सीमेंट कारखानों में ईंधन के रूप में भेजा जा रहा है।

3700 सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण

स्वच्छता लीग के तहत करीब 3,700 सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया जा रहा है। सफाई एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती तृप्ति पाणिग्रही ने बताया कि मेडिकल मोबाइल यूनिट वार्ड-वार जाकर कर्मचारियों की जांच कर रही है और उन्हें आवश्यक दवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पब्लिक फीडबैक पर फोकस

स्वच्छता सर्वेक्षण से पहले अगले दो महीनों तक नागरिकों के फीडबैक पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन एजेंसियों और महिला स्व-सहायता समूहों को भी इसमें शामिल किया गया है। निगम प्रशासन ने साफ-सफाई को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए मोहल्लों और रिहायशी इलाकों में कचरा न फैलाने और नालियों को साफ रखने पर जोर देना शुरू कर दिया है।

छह दिन में एक करोड़ की वसूली प्रॉपर्टी टैक्स लक्ष्य से पीछे निगम

रायपुर/नवप्रदेश। नगर निगम की प्रॉपर्टी टैक्स वसूली की रफ्तार बेहद धीमी बनी हुई है। अप्रैल महीने के पहले छह दिनों में निगम केवल करीब 1 करोड़ रुपये ही वसूल पाया है, जबकि राज्य शासन ने टैक्स जमा करने की अंतिम तारीख 30 अप्रैल तक बढ़ा दी है। निगम प्रशासन के सामने अब निर्धारित लक्ष्य हासिल करने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। 31 मार्च तक 425 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले निगम की कुल वसूली 236.32 करोड़ रुपये तक ही पहुंच सकी थी। ऐसे में शेष लक्ष्य पूरा करने के लिए निगम को अप्रैल माह में लगभग 100 करोड़ रुपये और वसूलने होंगे।

3.45 लाख प्रॉपर्टी में से 2.08 लाख से ही वसूली: नगर निगम सीमा क्षेत्र में कुल 3.59 लाख प्रॉपर्टी दर्ज हैं, जिनमें से 3.45 लाख टैक्स के दायरे में आती हैं। हालांकि, 31 मार्च तक निगम केवल 2 लाख 8 हजार 645 प्रॉपर्टी से ही टैक्स वसूल पाया है। इस हिसाब से अभी भी करीब 1 लाख 36 हजार प्रॉपर्टी से टैक्स वसूली बाकी है।

नियमित करदाताओं को फिर नोटिस: निगम आयुक्त विश्वदीप ने 1 अप्रैल को हुई समीक्षा बैठक में 30 हजार नियमित करदाताओं को दोबारा डिमांड नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। ये वे करदाता हैं, जिनसे 31 मार्च तक भी टैक्स वसूली नहीं हो पाई।

अगले सप्ताह से सख्ती, सीलिंग की तैयारी: निगम प्रशासन अब बड़े बकायादारों के खिलाफ सख्ती की तैयारी में है। अगले सप्ताह से टैक्स नहीं चुकाने वालों के खिलाफ सीलिंग कार्रवाई शुरू की जाएगी। आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि 30 अप्रैल तक हर हाल में लक्ष्य हासिल करना होगा, इसके लिए पार्ट पेमेंट करने वाले और नियमित करदाताओं की अलग-अलग सूची बनाकर अभियान चलाया जाएगा। प्रॉपर्टी टैक्स के तहत निगम को समेकित कर के रूप में सफाई और पानी जैसी मूलभूत सेवाओं के लिए राजस्व प्राप्त होता है।

मातृ जिला कांकेर पर बड़ा सवाल- हक की राशि रोककर विकास पर डाला ब्रेक

नारायणपुर/नवप्रदेश। नारायणपुर जिले के अंतर्गत रावघाट परियोजना अंतर्गत केवल जिला नारायणपुर के ग्राम अंजरेल में 32.29 हेक्टेयर क्षेत्र में ही वर्तमान मे शत प्रतिशत खनन कार्य चल रहा है, आने वाले कई दशको तक नारायणपुर में ही खनन किया जाना है कांकेर जिले के भू-भाग में इस प्रोजेक्ट के तहत अब तक कोई खनन प्रारंभ नहीं हुआ है परंतु दुर्भाग्य की बात है कि यहां के विकास में लगने वाली रॉयल्टी, डीएमएफ तथा अन्य समस्त कर की राशि का भुगतान के लिए बीएसपी ने कांकेर जिले को मातृजिला बनाकर रखा है जिसके चलते नारायणपुर के अधिकार की राशि नारायणपुर को न देकर बीएसपी कांकेर को दे रहा है, नारायणपुर के अधिकार के जो अब तक जिले को 46.81 करोड़ रुपये मिलना था, लेकिन अब तक केवल 15.54 करोड़ रुपये ही मिले हैं। बाकी 31.27 करोड़ रुपये मातृ जिला कांकेर स्तर पर अटके हुए हैं, जिस पर अब सवाल उठने लगे हैं।यह पूर्णत नारायणपुर जिले के विकास कार्यों तथा जनभावना के साथ खिलवाड़ है

नारायणपुर का अधिकार की लड़ाई लड़ते व पूरे मामले लगातार प्रमुखता से उठाते आ रहे नारायणपुर के युवा लेखक डॉ अभिषेक बेनर्जी बताते है की नारायणपुर में 2020-21 से जनवरी 2026 तक हुए खनिज उत्पादन के आधार पर 46.81 करोड़ रुपये की डीएमएफ राशि बनती है लेकिन वास्तविकता यह है कि अब तक सिर्फ 15.54 करोड़ रुपये ही जारी किए गए हैं। यानी करीब 31.27 करोड़ रुपये अब भी रोके गए हैं।अब सबसे बड़ा सवाल मातृ जिला कांकेर पर उठ रहा है, जहां से यह राशि हस्तांतरित होनी है बावजूद इसके, अब तक पूरी राशि नारायणपुर को नहीं दी गई, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

छुईखदान में फिर सिर उठा रहा नशा और सट्टा कारोबार, सक्रिय थानेदार की जरूरत

छुईखदान/नवप्रदेश। थाना क्षेत्र में इन दिनों कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। हाल ही में पूर्व थाना प्रभारी शक्ति सिंह के स्थानांतरण के बाद महज कुछ ही दिनों में अवैध गतिविधियों ने फिर से रफ्तार पकड़ ली है। क्षेत्र में गांजा बिक्री, नशाखोरी और सट्टा कारोबार के दोबारा सक्रिय होने की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे आम नागरिकों में चिंता का माहौल बन गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शक्ति सिंह के कार्यकाल में इन अवैध गतिविधियों पर काफी हद तक नियंत्रण था। नशा बेचने वालों और सट्टा संचालकों में पुलिस का खौफ साफ नजर आता था। लेकिन उनके जाने के बाद स्थिति तेजी से बदलती दिख रही है। अब गांजा बेचने वाले और सेवन करने वाले फिर से खुलेआम सक्रिय हो गए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि बाहर से आने वाले लोग भी आसानी से गांजा खरीदने के ठिकानों तक पहुंच जा रहे हैं, जबकि संबंधित विभाग को इसकी जानकारी तक नहीं लग पा रही है। इससे पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इसी तरह सट्टा कारोबार भी शहर में तेजी से फैल रहा है। सट्टा खेलने वाले लोग आसानी से यह पता कर लेते हैं कि कहां पर्ची लिखी जा रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग यह पता लगाने में नाकाम नजर आ रहा है कि यह अवैध कारोबार आखिर कहां से संचालित हो रहा है और इसके पीछे कौन लोग हैं। नशे में धुत कुछ युवक शहर में हुड़दंग मचाते हुए भी देखे जा रहे हैं, जिससे आम जनता विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। कई स्थानों पर ऐसे तत्व देर रात तक उत्पात मचाते हैं, लेकिन उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि छुईखदान को एक बार फिर ऐसे सक्रिय और जिम्मेदार थाना प्रभारी की जरूरत है, जो जमीनी स्तर पर काम करते हुए अपराध को नियंत्रित करना जानता हो और क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बना सके।

व्यवस्था: निजी एजेंसी को संचालन की जिम्मेदारी, टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई, दैवेभो वन कर्मियों ने जताई आपत्ति

नंदनवन जंगल सफारी में अब इलेक्ट्रिक बसों से सैर

रायपुर/नवप्रदेश। नवा रायपुर अटल नगर स्थित नंदनवन जंगल सफारी में पर्यटकों को अब जल्द ही इलेक्ट्रिक बसों में घूमने का नया अनुभव मिलेगा। बसों के संचालन और रखरखाव के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और एक निजी एजेंसी का चयन भी कर लिया गया है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, चयनित एजेंसी प्रॉफिट शेयरिंग मॉडल पर काम करेगी और कुल आय का करीब 66 प्रतिशत हिस्सा राज्य शासन को देगी। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से लेकर उनके रखरखाव तक की पूरी जिम्मेदारी इसी एजेंसी के पास होगी।

पहले चरण में 5-6 बसें, 2 पहुंच चुकीं: योजना के तहत पहले चरण में 5 से 6 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी, जिनमें से 2 बसें जंगल सफारी पहुंच चुकी हैं। शेष बसों के आने के बाद जल्द ही इनका औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा।

कर्मचारियों ने जताई आपत्ति

इधर, छत्तीसगढ़ दैनिक वेतन भोगी वन कर्मचारी संघ ने इस फैसले पर आपत्ति जताई है। संघ का कहना है कि बस संचालन निजी हाथों में देने से वहां कार्यरत चालकों और गाइडों की आजीविका पर असर पड़ेगा। संघ ने टेंडर प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग भी की है।

जर्जर बसों से मिलेगी राहत

गौरतलब है कि वर्तमान में जंगल सफारी में चल रही अधिकांश बसें खराब और जर्जर हालत में हैं। रखरखाव के अभाव में कई बसें अनुपयोगी हो चुकी हैं, जिससे पर्यटकों को परेशानी उठानी पड़ती है। शासन को भी इन बसों के रखरखाव पर भारी खर्च करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए सरकार ने नई बसें खरीदने के बजाय निजी एजेंसी के माध्यम से इलेक्ट्रिक बस संचालन की नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। वन विभाग का दावा है कि इससे बेहतर संचालन और रखरखाव सुनिश्चित होगा।

पर्यटकों की मिलेगी सुविधा

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पांडेय ने बताया कि पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की जा रही है, जिससे संचालन अधिक व्यवस्थित और सुचारू हो सकेगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com